आज का विचार

कांटा निकलने के बाद जो मजा चलने में आता है वही मजा अहंकार निकलने के बाद जीवन जीने में आता है।

दैनिक
सिटी दर्पण
आईना सच का

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । मंगलवार, 28 अप्रैल, 2026 वर्ष 24, अंक 101, मूल्यः 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

मानसून से पहले बाढ़ सुरक्षा प्रबंधों को मजबूत करने के लिए आप सरकार की ओर से एम्फीबियस मशीनों की खरीद को मंजूरी: भगवंत मान

उन्नत डिसिल्टिंग मशीनें पूरे पंजाब में बाढ़ रोकथाम, जान-माल और फसलों की सुरक्षा के लिए अधिक लाभदायक सिद्ध होंगी: मुख्यमंत्री

यज्ञांश शर्मा
चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज बाढ़ सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा करते हुए पंजाब के बाढ़ रोकथाम और राहत बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से उन्नत एम्फीबियस मशीनों (पानी में और जमीन पर चलने वाली मशीनों) की खरीद को मंजूरी दे दी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनकी सरकार मानसून सीजन से पहले बाढ़ या भारी बारिश के कारण होने वाले नुकसान को न्यूनतम करने और जान-माल की रक्षा के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है।

उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि बाढ़ राहत कार्यों को सुचारू और परेशानी मुक्त तरीके से चलाने के लिए पंजाब सरकार ने नहरों और नालों (ड्रेनों) की सफाई के लिए एम्फीबियस मशीनें खरीदने की सहमति दे दी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ये मशीनें बहते पानी में भी काम करने और गहराई तक सफाई करने में सक्षम हैं, जो इन्हें रोकथाम उपायों और आपातकालीन कार्रवाई के लिए महत्वपूर्ण बनाता है। उन्होंने कहा कि ये बहु-उद्देशीय मशीनें गहराई तक सफाई कर सकती हैं, जिसके लिए संभावित और आपातकालीन स्थितियों में बाढ़ राहत कार्यों के लिए हमारे पास ये मशीनें होना समय की जरूरत है। उन्होंने विभाग को इन मशीनों की खरीद के लिए विस्तृत रूपरेखा तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

वैश्विक स्तर पर बेहतर अभ्यासों का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि मैंने हाल ही में फिनलैंड की अपनी यात्रा के दौरान इस मशीन को काम करते देखा था, जहां इन बहु-उद्देशीय मशीनों का पूर्ण उचित तरीके से उपयोग किया जाता है। उन्होंने आगे कहा कि इन मशीनों का उपयोग बाढ़ सुरक्षा कार्यों के साथ-साथ नहरों, नालों, तालाबों और अन्य जल स्रोतों की देखभाल और सफाई के लिए प्रभावी ढंग से किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा इन मशीनों की खरीद से बाढ़ के कहर के कारण लोगों को आने वाली मुश्किलों को कम करने में अधिक मदद मिलेगी।

पानी के प्रबंधन संबंधी चिंताओं को उजागर करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, भाखड़ा डैम में पानी का अधिकतम स्तर 1680 फीट है और 26 अप्रैल को यह 1594 फीट दर्ज किया गया था। उन्होंने कहा कि 1 जून से शुरू होने वाली धान की बिजाई को ध्यान में रखते हुए आगामी मानसून को देखते हुए सुचारू रूप से पानी छोड़ने की योजना बनाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा, राज्य में 1 जून से धान की बिजाई शुरू की जा रही है, इसलिए आगामी मानसून सीजन को ध्यान में रखते हुए भाखड़ा डैम से अधिक से अधिक पानी छोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, राज्य में नए खालों के निर्माण और पुराने खालों को बहाल करने का काम 31 मई तक पूरा हो जाएगा, जिसके बाद सिंचाई के उद्देश्यों के लिए अतिरिक्त 5000 क्यूसेक पानी की जरूरत होगी।

चल रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने जल स्रोत विभाग के प्रयासों पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा, जनता के हित को ध्यान में रखते हुए बाढ़ को रोकने के लिए पूरे राज्य में व्यापक कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि खालों की सफाई युद्ध स्तर पर चल रही है और जल्द ही पूरी हो जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि संभावित बाढ़ को रोकने के लिए बाढ़ प्रभावित प्रमुख स्थानों पर गार निकालने का काम पहले ही पूरा कर लिया गया है।

संवेदनशील क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, राज्य सरकार द्वारा रोपड़ जिले में जहां लगभग 20 गांव बाढ़ की मार झेल रहे हैं और जहां पिछले साल भारी नुकसान का सामना करना पड़ा था, वहां व्यापक रोकथाम कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि बाढ़ को नियंत्रित करने और निवासियों को राहत प्रदान करने के लिए जरूरत अनुसार स्टड और स्पर संरचनाएं बनाई जा रही हैं। उन्होंने अधिकारियों को सिंचाई और पर्यटन दोनों उद्देश्यों के लिए स्वां नदी के चैनलाइजेशन की संभावना की पड़ताल करने के भी निर्देश दिए। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री हरजोत सिंह बैंस और बरिंदर कुमार गोयल, लोकसभा सदस्य मालविंदर सिंह कंग, मुख्य सचिव के.ए.पी. सिन्हा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

पश्चिम बंगाल विस चुनाव के अंतिम चरण का प्रचार थमा, 29 को मतदान

आखिरी दिन प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और सीएम ममता समेत अनेक दिग्गजों ने किया प्रचार

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली/कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे एवं अंतिम चरण के लिए चुनाव प्रचार सोमवार शाम थम गया।राज्य की 294 सदस्यीय विधानसभा की बाकी 142 सीटों पर बुधवार (29 अप्रैल) को सुबह 7 से शाम 6 बजे तक मतदान होगा। प्रथम चरण के 23 अप्रैल को हुए मतदान के दौरान कई मतदान केंद्रों पर हिंसा को देखते हुए इस बार सुरक्षा के और कड़े प्रबंध किए गए हैं।

चुनाव आयोग के मुताबिक इस चरण में कोलकाता, हावड़ा, नादिया, उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना, हुगली और पूर्व बर्धमान की सीटों पर मतदान होगा। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण में लगभग 40 हजार मतदान केंद्रों पर मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इस चरण में कई संवेदनशील क्षेत्र भी शामिल हैं, जिसके चलते चुनाव आयोग ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती है। शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और भयमुक्त मतदान सुनिश्चित करने के लिए राज्य पुलिस के

साथ-साथ केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की कुल 2,348 कंपनियां तैनात की जाएंगी। इनमें सबसे अधिक 507 कंपनियां उत्तर 24 परगना जिले में तैनात होंगी। बांग्लादेश से सटी लंबी तटीय सीमा और सुंदरबन क्षेत्र की संवेदनशीलता को देखते हुए दक्षिण 24 परगना और उत्तर 24 परगना जिलों में तटीय गश्त और सुरक्षा निगरानी बढ़ा दी गई है। प्रशासन ने सीमा क्षेत्रों में विशेष चौकसी और सुरक्षा बंदोबस्त किए हैं, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके। चुनाव प्रचार के अंतिम दिन सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के नेताओं ने पूरी ताकत झोंक दी। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बैरकपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा के पक्ष में मतदान की अपील की। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दो बड़े रोड शो किए। पहला बेहाला थाना से मंटन तक और दूसरा हुगली के चंदननगर बागबाजार क्षेत्र में आयोजित किया गया। रोड शो के दौरान अमित शाह ने राज्य सरकार पर निशाना साधा और भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में समर्थन मांगा। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी जादवपुर और टॉलीगंज के प्रत्याशियों के समर्थन में जादवपुर के सुकांत सेतु से जनसभा मार्च में हिस्सा लिया। इसके बाद उन्होंने अपने भवानीपुर निर्वाचन क्षेत्र में भी जनसभा की। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने राणाघाट, हुगली, आरामबाग और महेशतला में व्यापक प्रचार किया।

बैरकपुर की धरती से बंगाल में परिवर्तन होगा, अब मुझे भाजपा के शपथ ग्रहण में आना है : मोदी

बैरकपुर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि बैरकपुर की ऐतिहासिक धरती जिसने 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम को प्रेरणा दी थी, अब बंगाल में परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करेगी। प्रधानमंत्री ने पश्चिम बंगाल के बैरकपुर में विजय संकल्प सभा को सबोधित करते हुए राज्य में बड़े बदलाव का दावा किया। उन्होंने कहा, बंगाल की सेवा करना, उसे सुरक्षित करना और बड़ी चुनौतियों से बचाना मेरे लिए भाग्य भी है और दायित्व भी और मैं इससे पीछे नहीं हटूंगा। उन्होंने रैली को इस चुनाव की अपनी अंतिम सभा बताते हुए कहा कि वे पूरे विश्वास के साथ लौट रहे हैं कि 4 मई के बाद उन्हें भाजपा के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए फिर आना होगा। उन्होंने हेलिपैड से सभा स्थल तक उमड़ी भारी भीड़ का उल्लेख करते हुए कहा कि सुबह-सुबह हजारों लोग उन्हें आशीर्वाद देने पहुंचे। अपने रोड शो को तीर्थ यात्रा जैसा अनुभव बताते हुए उन्होंने कहा कि तय स्थान के बाद भी लोग दूर तक कतार में खड़े रहते थे और वे बार-बार उनके बीच जाने को प्रेरित होते थे। मोदी ने अरामबाग की एक महिला का जिक्र करते हुए खेद जताया कि वे उससे मिल नहीं सके और कहा कि वे भविष्य में अवश्य मिलेंगे। उन्होंने कहा कि पिछले तीन-चार दशकों से वे देशभर में लगातार यात्रा कर रहे हैं और जनता ही उनका परिवार है। प्रधानमंत्री ने तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि राज्य में रोजगार देने वाली मिलें बंद हो रही हैं, जबकि गुंडों को रोजगार देने वाली कच्चे बम की फैक्ट्रियां फल-फूल रही हैं। उन्होंने दावा किया कि बैरकपुर औद्योगिक क्षेत्र में पिछले कुछ महीनों में करीब एक दर्जन जूट मिलें बंद हुई हैं। उन्होंने कहा, एक ओर रोजगार देने वाली मिलें बंद हो रही हैं, दूसरी ओर बम फैक्ट्रियां और तृणमूल कांग्रेस के सिंडिकेट का विस्तार हो रहा है, यही तृणमूल का महाजंगल राज है।

अधिकारी संवेदनशील होकर जनता की समस्याओं का कराएं निराकरण : योगी

मुख्यमंत्री योगी ने बच्चों को किया दुलार, चॉकलेट भी दी

एजेंसी (हि.स.)
लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा चुनाव प्रचार के आखिरी दिन पश्चिम बंगाल रवाना होने से पहले सोमवार सुबह 'जनता दर्शन' में प्रदेश भर से आए फरियादियों की पीड़ा सुनी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को संवेदनशील होकर जनता की समस्याओं के निराकरण का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने 'जनता दर्शन' में आए सभी फरियादियों से मुलाकात की। एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनीं, प्रार्थना पत्र लिया, फिर अधिकारियों को समय सीमा के भीतर समाधान कराने को कहा। राजस्व व पुलिस से जुड़ी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि हीलाहवाली नहीं चलेगी, समय सीमा के भीतर समस्याओं का समाधान करके पीड़ित को सूचित करना होगा।

'जनता दर्शन' में आए कुछ फरियादियों से मुख्यमंत्री ने पूछा कि क्या जनपद में किसी अधिकारी से मिलकर आपने समस्या बताई ? पता चला- नहीं, इस पर मुख्यमंत्री ने फरियादियों से कहा कि बेतहाशा गर्मी में आप परेशान न हों। पहले अपने जनपद में तैनात अधिकारियों से पीड़ा बताएं। हर हाल में सुनवाई होगी और समस्या का यथोचित समाधान भी। मुख्यमंत्री ने सभी से अपील की कि धूप-गर्मी में अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मुख्यमंत्री ने 'जनता दर्शन' में परिजनों के साथ आए बच्चों पर अपना स्नेह लुटाया। उन्हें चॉकलेट के साथ आशीर्वाद भी दिया। मुख्यमंत्री ने मां की गोद में बैठे बच्चों से पूछा कि चॉकलेट चाहिए तो एक बच्चे ने मुस्कराकर अभिव्यक्ति दी, इस पर मुख्यमंत्री ने उसे चॉकलेट दिया। चॉकलेट पाकर बच्चा खिलखिला उठा।

सरके चुनर तेरी सरके गाने को लेकर एनसीडब्ल्यू के सामने हुए पेश संजय दत्त, मांगी माफी

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

सरके चुनर तेरी सरके गीत को लेकर सोमवार को राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) के सामने अभिनेता संजय दत्त पेश हुए। उन्होंने लिखित में माफी मांगी और महिला सशक्तिकरण में सकारात्मक योगदान का संकल्प लिया। इस मामले में सोमवार को राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर की अध्यक्षता में सुनवाई हुई। आयोग ने जानकारी दी कि संजय दत्त ने आयोग के सामने बिना शर्त लिखित माफी पेशी की। संजय दत्त ने अपने माफीनामा में लिखा कि समाज को अनजाने में पहुंची किसी भी ठेस के लिए उन्हें खेद है और वे रचनात्मक कार्यों में महिलाओं के सम्मानजनक चित्रण के महत्व को स्वीकार करते हैं।

सुनवाई के दौरान आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने पूछा कि क्या इस तरह की सामग्री में काम करने से पहले पर्याप्त सावधानी बरती गई थी? उन्होंने कहा कि वरिष्ठ और प्रभावशाली कलाकारों को अपने काम में सामाजिक और कानूनी मयार्दाओं का ध्यान रखना चाहिए। विजया रहाटकर ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है, लेकिन उसे जिम्मेदारी, संवेदनशीलता और महिलाओं की गरिमा के सम्मान के साथ इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

आयोग ने बताया कि सुधारात्मक कदम के रूप में संजय दत्त ने 50 आदिवासी बालिकाओं की शिक्षा का खर्च उठाने का संकल्प लिया, ताकि महिला सशक्तिकरण में सकारात्मक योगदान दिया जा सके। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि भविष्य में उनके सभी आर्टिस्ट एग्रीमेंट्स में कानूनी जांच अनिवार्य होगी, ताकि फिल्मों और अन्य प्रोजेक्ट्स में महिलाओं और बच्चों का सम्मानजनक चित्रण सुनिश्चित किया जा सके। आयोग ने बताया कि नोरा फतेही को भी आज आयोग के सामने पेश होना था, लेकिन विदेश में होने के कारण वे उपस्थित नहीं हो सकीं। उन्होंने नई तारीख देने का अनुरोध किया है। इससे पहले छह अप्रैल को निर्देशक किरण कुमार (प्रेम), गीतकार रकीब आलम और केवीएन प्रोडक्शन कंपनी के प्रतिनिधि भी आयोग के सामने पेश होकर माफी मांग चुके हैं।

न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा की बेंच की कार्यवाही में शामिल नहीं होंगे: केजरीवाल

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को कहा कि वह दिल्ली उच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा की बेंच में चल रहे अपने केस की कार्यवाही में न तो स्वयं पेश होंगे और न ही उनकी तरफ से कोई वकील पैरवी करेगा। केजरीवाल ने एक वीडियो जारी कर कहा कि उन्होंने 'हितों के टकराव' के कारण यह निर्णय लिया है। उनका विरोध किसी व्यक्ति विशेष से नहीं बल्कि सिद्धांतों से है। उनके मुताबिक न्याय केवल होना नहीं चाहिए बल्कि होता हुआ दिखना भी चाहिए। महात्मा गांधी के 'सत्याग्रह' का संदर्भ देते हुए केजरीवाल ने कहा कि यदि अंतरात्मा की आवाज कहती है कि गलत हो रहा है, अन्याय हो रहा है तो उसके खिलाफ चुप न रहो उसका सामना करो लेकिन उसका पहला कदम विरोध नहीं बल्कि बातचीत होना चाहिए। अपनी बात अन्याय करने वाले के सामने पूरी विनम्रता के साथ रखनी चाहिए और उसे सुधारने का पूरा मौका देना चाहिए। सारी कोशिशों के बाद भी अगर न्याय न मिले तो अंतरात्मा की आवाज सुनो, फिर शांति और विनम्रता के साथ सत्याग्रह करना चाहिए। बाद में उसके जो भी परिणाम हों वो सहर्ष स्वीकार करने चाहिए। इस पूरे प्रकरण में अन्याय करने वाले व्यक्ति के प्रति किसी भी प्रकार की नफरत या गुस्सा नहीं होना चाहिए।

केजरीवाल ने कहा, पूरी निष्ठा और विनम्रता के साथ न्यायमूर्ति स्वर्णकांता के सामने अपनी बात रखी। उन्हें इस मामले से अलग होने के लिए याचना की। मैंने आग्रह किया कि मेरा केस उच्च न्यायालय के किसी भी अन्य जज द्वारा सुन लिया जाए लेकिन उन्होंने मेरी प्रार्थना अस्वीकार कर दी। उन्होंने फैसला दिया कि वह अपने आप को इस मामले से अलग नहीं करेंगी और ये केस वो स्वयं ही सुनेंगी। उनके दिए गए इस फैसले से मैं पूरी विनम्रतापूर्वक असहमत हूं। न्यायमूर्ति स्वर्णकांता जो भी फैसला सुनाएंगी, उस पर समय आने पर मेरे जो भी कानूनी अधिकार हैं जैसे उच्चतम न्यायालय में चुनौती देना आदि, वो सभी कदम उठाने के लिए मैं स्वतंत्र हूं।

कर्मचारियों और महिलाओं के हित में लाए गए प्रस्तावों का विरोध दुर्भाग्यपूर्ण: नायब सिंह सैनी

भूपेंद्र शर्मा
चंडीगढ़

हरियाणा विधानसभा के एक दिवसीय विशेष सत्र के उपरांत मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए विपक्ष पर तीखा प्रहार किया और सत्र की कार्यवाही को पूरी तरह संवैधानिक एवं जनहित में बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष द्वारा यह आरोप लगाया गया कि विशेष सत्र असंवैधानिक है, जो पूरी तरह निराधार है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह सत्र कैबिनेट की मंजूरी और राज्यपाल की अनुमति से विधिवत रूप से बुलाया गया था। उन्होंने विपक्ष से सवाल किया कि क्या चुनी हुई सरकार, कैबिनेट और राज्यपाल के निर्णय को असंवैधानिक कहा जा सकता है।

आचार संहिता लागू होने के बावजूद विशेष सत्र बुलाए जाने पर उठे सवालों पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पूर्णतः विधायी विषय है और इसमें कुछ भी असंवैधानिक नहीं है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि लोकसभा का भी विशेष सत्र बुलाया गया था, इसलिए इस पर आपत्ति करना निराधार है। उन्होंने बताया कि इस सत्र में हरियाणा लिपिकीय सेवा (भर्ती और सेवा की शर्तें) विधेयक, 2026 पर चर्चा कर इसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। इस विधेयक के माध्यम से चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के लिए पदोन्नति प्रक्रिया को अधिक सरल, तेज और न्यायसंगत बनाया गया है। साथ ही, लिपिक पद पर पदोन्नति का कोटा 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 30 प्रतिशत करने का प्रावधान किया गया है, जिससे अधिक कर्मचारियों को अवसर मिल सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष प्रदेश में खरीद संबंधी समस्याओं पर ध्यानाकर्षण प्रस्ताव लाया, जिसे हमने स्वीकार किया। लेकिन, विपक्ष सदन में ही नहीं आया। इसके अतिरिक्त, नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर एक सरकारी प्रस्ताव भी लाया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस प्रस्ताव में निंदा जैसे शब्द का कोई

उल्लेख नहीं था, इसके बावजूद विपक्ष ने हताशा और तिरस्कार का परिचय देते हुए सदन का बहिष्कार किया। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी के विधायक सदन में उपस्थित नहीं हुए और उन्होंने सदन के बाहर डुपलीकेट सेशन चलाया, जो नियमों के विरुद्ध और पूरी तरह असंवैधानिक है।

मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर संविधान और लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति अनादर का आरोप लगाते हुए कहा कि महिलाओं को उनका अधिकार देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है और यह प्रयास निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं विकास की मुख्यधारा में बराबरी से भागीदारी निभा रही हैं। बेटियां शिक्षा, खेल, प्रशासन, वकालत और पायलट जैसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। इसके विपरीत, कांग्रेस का रवैया महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रति सकारात्मक नहीं दिखाई देता। उन्होंने प्रधानमंत्री के संकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि समाज की आधी आबादी को उनका हक दिलाना सरकार की प्राथमिकता है। एक सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि श्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा द्वारा बिल की कॉपी उपलब्ध न होने का बहाना बनाकर बहिष्कार किया गया, जबकि वास्तविकता यह है कि यह केवल एक राजनीतिक मुद्दा बनाने का प्रयास था। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिल से संबंधित जानकारी नेवा पोर्टल पर उपलब्ध थी। एक अन्य सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि इस विषय को समझने के लिए परिसीमन की प्रक्रिया को देखना जरूरी है। उन्होंने बताया कि 1971 में भारत की जनसंख्या लगभग 54 करोड़ थी और 1976 में परिसीमन के बाद लोकसभा सीटों की संख्या 550 निर्धारित की गई थी। इसके बाद अगला परिसीमन 2026 में होना तय है, जिसमें जनगणना और परिसीमन दोनों प्रक्रियाएं एक साथ होंगी। 2023 में लाए गए नारी शक्ति वंदन विधेयक में यह प्रावधान किया गया है कि महिलाओं को आरक्षण का लाभ वर्ष 2029 से दिया जाएगा। इसी उद्देश्य से यह विधेयक लाया गया, ताकि 2029 से महिलाओं को उनका अधिकार सुनिश्चित किया जा सके।

पश्चिम बंगाल में बनेगी भाजपा सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में जो आगामी चुनाव नतीजे सामने आएंगे, उनमें भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने जा रही है। एक अन्य सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि आप पार्टी ने झूठे वायदे करके पंजाब में सरकार बनाई। उन्होंने कहा कि पंजाब के लोग सरल और भरोसा करने वाले हैं, और आम आदमी पार्टी ने पंजाब के लोगों को गुमराह किया। पंजाब के लोगों को उम्मीद थी कि यह पार्टी कुछ ठोस काम करेगी, लेकिन वास्तविकता में केवल खोखले दावे और बयान ही सामने आए। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पंजाब में नशे के खिलाफ आवाज उठाने वाले लोगों को भी परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति नशे के विरुद्ध शिकायत करता है, उसी के खिलाफ झूठे मामले दर्ज कर दिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि जब भी पंजाब में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनेगी, तब नशा बेचने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी और इस समस्या को जड़ से समाप्त किया जाएगा। इस अवसर पर सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, विधायक श्री भगवान दास कबीरपंथी, श्रीमती बिमला चौधरी, पूर्व मंत्री श्री मनीष ग्रोवर, सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग की अतिरिक्त निदेशक श्रीमती वर्षा खांगवाल एवं मुख्यमंत्री के मीडिया सचिव श्री प्रवीन आत्रेय उपस्थित रहे।

राष्ट्रपति पांच दिवसीय ग्रीष्मकालीन प्रवास पर शिमला पहुंचीं

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सोमवार को अपने पांच दिवसीय हिमाचल प्रदेश दौरे पर शिमला पहुंच गईं। राजधानी शिमला स्थित अनाडेल हेलीपैड पर प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व और सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

राष्ट्रपति के शिमला पहुंचने पर हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल कविंद्र गुप्ता, मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, कैबिनेट मंत्री अनिरुद्ध सिंह, राज्यसभा सांसद सुरेश कश्यप और विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। सेना की ओर से आर्मी ट्रेनिंग कमांड (आरट्रेक) के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल देवेंद्र शर्मा ने भी राष्ट्रपति का स्वागत किया।

शिमला पहुंचने के बाद राष्ट्रपति सीधे मशोबरा स्थित राष्ट्रपति निवास के लिए रवाना हो गईं, जहां वे अपने प्रवास के दौरान ठहरेंगी। यह दौरा राष्ट्रपति के ग्रीष्मकालीन प्रवास का हिस्सा है, जो 27 अप्रैल से 1 मई तक चलेगा।

अपने इस दौरे के दौरान राष्ट्रपति का कार्यक्रम व्यस्त रहने वाला है। 28 अप्रैल को वो शिमला के राजभवन स्थित लोक भवन में राज्यपाल द्वारा आयोजित औपचारिक भोज में शामिल होंगी, जहां प्रदेश के कई प्रमुख लोग मौजूद रहेंगे। 29 अप्रैल को राष्ट्रपति कुल्लू में स्थित अटल टनल का दौरा करेंगी और लाहौल स्पीति जिला के सिस्सू में सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के अधिकारियों के साथ बैठक कर परियोजना का जायजा लेंगी। 30 अप्रैल को राष्ट्रपति पालमपुर स्थित चौधरी सरवन कुमार हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय के 17वें दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी। इसी दिन वे मशोबरा स्थित राष्ट्रपति निवास में एक स्वागत समारोह की मेजबानी भी करेंगी। इसके अलावा अपने दौरे के दौरान वे शिमला में स्थित आर्मी ट्रेनिंग कमांड (आरट्रेक) का दौरा कर सेना के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का भी निरीक्षण करेंगी।

राष्ट्रपति के दौरे को देखते हुए शिमला में सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन पहले से ही सतर्क है। शिमला में एक हजार पुलिस जवान सुरक्षा के मद्देनजर तैनात किए गए हैं।

बलोंराष्ट्रविरोधी तत्वों और जमीनी कार्यकताओं पर कड़ी निगरानी रखने का एसएसपी ने दिया निर्देश

जम्मू। रियासी के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुकुंद तिबरेवाल ने सुरक्षा बलों की परिचालन तैयारियों की समीक्षा की और उन्हें रियासी जिले में शांति भंग होने से रोकने के लिए राष्ट्रविरोधी तत्वों और जमीनी कार्यकताओं पर कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया। सोमवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार जिले के पहाड़ी क्षेत्र के दौरे के दौरान रियासी के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुकुंद तिबरेवाल ने अरनास उपमंडल के थानोले, नारकोट, लाधा, पनासा और चकलहावाला में पुलिस चौकियों, पुलिस इकाइयों और अल्पसंख्यक चौकियों का निरीक्षण किया। नारकोट में तैनाती के तरीकों और परिचालन रणनीतियों की समीक्षा करते हुए एसएसपी ने कर्मियों को क्षेत्र में सतर्कता बढ़ाने के लिए लंबी दूरी की गश्त के लिए एक संरचित रोस्टर बनाए रखने का निर्देश दिया। उन्होंने प्रौद्योगिकी आधारित पुलिसिंग के उपयोग और स्थानीय समुदायों और ग्राम रक्षा गार्डों के साथ बेहतर समन्वय पर भी जोर दिया, विशेष रूप से दूरस्थ और पहाड़ी क्षेत्रों में। बयान में कहा गया है कि लाधा और चकलहावाला चौकियों पर उन्होंने क्षेत्र नियंत्रण अभ्यासों की समीक्षा की और स्थानीय सुरक्षा ग्रिड को मजबूत करने के लिए आसपास के गांवों में ग्राम रक्षा गार्डों के साथ समन्वय का आकलन किया।

शिमला में हाइड्रोलिक पार्किंग बनाने की तैयारी, 15 स्थान चिन्हित

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

राजधानी शिमला में ट्रैफिक और पार्किंग की समस्या से निपटने के लिए हाइड्रोलिक पार्किंग बनाने की योजना पर काम शुरू होगा। प्रदेश के लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने बताया कि शहर के करीब 15 स्थानों को इस परियोजना के लिए चिन्हित किया गया है और इसे 1200 करोड़ रुपये की शहरी विकास योजना के तहत लागू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इन परियोजनाओं के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर केंद्र को भेजी जाएगी और मंजूरी मिलने के बाद काम शुरू किया जाएगा। प्रस्तावित योजनाओं में शिमला के भीड़भाड़ वाले इलाकों में ट्रैफिक कम करना, हाइड्रोलिक पार्किंग सिस्टम विकसित करना, भूमिगत उपयोगिता पाइप बिछाना और कांगड़ा में एयरोसिटी जैसी योजनाएं शामिल हैं। मंत्री के मुताबिक इन प्रयासों से शहर में पार्किंग की सुविधा बढ़ेगी और ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार होगा।

विक्रमादित्य सिंह यह बातें सोमवार को शिमला में 14वीं जिला स्तरीय आईटीआई (महिला) स्पोर्ट्स मीट के समापन समारोह के दौरान कह रहे थे, जो आईटीआई चौड़ा मैदान में आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि खेल गतिविधियां छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए जरूरी हैं और शिक्षण संस्थानों से निकलने वाले खिलाड़ी देश और प्रदेश का नाम रोशन करते हैं।

उन्होंने आईटीआई में दी जा रही स्किल शिक्षा पर भी जोर दिया और कहा कि इससे युवाओं को सरकारी और निजी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर मिलते हैं, साथ ही स्वरोजगार की संभावनाएं भी बढ़ती हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की आईटीआई में आधुनिक सुविधाओं के साथ प्रशिक्षण दिया जा रहा है और कैंपस प्लेसमेंट के जरिए छात्रों को मल्टीनेशनल कंपनियों में रोजगार मिल रहा है।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने स्पोर्ट्स मीट के आयोजन के लिए 41 हजार रुपये की राशि विधायक निधि से देने की घोषणा की। इसके अलावा शिमला आईटीआई को बेहतर प्रदर्शन के लिए 15 हजार रुपये और छात्रा ममता को 5 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देने की भी घोषणा की गई। चार दिन तक चली इस स्पोर्ट्स मीट में वॉलीबॉल, कबड्डी, खो-खो, बैडमिंटन, एथलेटिक्स और सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विभिन्न स्पर्धाओं में अलग-अलग आईटीआई संस्थानों की छात्राओं ने भाग लिया। ओवरऑल चैंपियनशिप और कल्चरल ट्रॉफी दोनों ही शिमला आईटीआई के नाम रही, जबकि छात्रा ममता को बेस्ट एथलीट चुना गया।

शिमला: देव प्राण प्रतिष्ठा समारोह में फायरिंग के दो आरोपी गिरफ्तार, हत्या का केस दर्ज

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

शिमला जिले के रोहडू उपमंडल के चिडगांव थाना अंतर्गत कुलगांव में देवता के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान हुई फायरिंग के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार इस घटना में शामिल रजत सोहटा (28), निवासी अपर बाजार रोहडू और अमित उर्फ रोहित भापटा (32), निवासी मंधारली, डाकघर करासा, तहसील रोहडू को हिरासत में लिया गया है। इनके खिलाफ हत्या का मामला पंजिकृत हुआ है। पुलिस ने दोनों अभियुक्तों के विरुद्ध थाना चिड़गांव में बीएनएस की धारा 103(1) और धारा 25 आर्म्स एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की है।

यह घटना रविवार की मध्यरात्रि हुई, जब कुलगांव में नव-निर्मित मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का धार्मिक कार्यक्रम चल रहा था। समारोह में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे और पारंपरिक नृत्य व उत्सव का माहौल था। इसी दौरान जश्न के बीच गोली चलाई गई, जो वहां मौजूद 26 वर्षीय रितिका को जा लगी। रितिका, चिडगांव के गांव आंध्रा की निवासी थीं। उन्हें तुरंत सिविल अस्पताल रोहडू ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इस घटना से पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल फैल गया।

शिमला के एसएसपी गौरव सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और घटनास्थल को सुरक्षित कर साक्ष्य जुटाए गए। प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य तथ्यों के आधार पर दोनों आरोपियों की पहचान की गई और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल हथियार भी बरामद कर लिया है। उन्होंने कहा कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस घटना के बाद विपक्षी दल भाजपा ने सरकार पर निशाना साधा है। भाजपा के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता राकेश जमवाल ने इसे कानून-व्यवस्था की विफलता बताया है। उन्होंने मृतका रितिका के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि धार्मिक आयोजनों में इस तरह की घटनाएं चिंताजनक हैं और सरकार इन्हें रोकने में असफल रही है।

शिमला की धरेच बनी हिमाचल की पहली ग्रीन पंचायत, सौर ऊर्जा से होगी कमाई

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में ग्रामीण स्तर पर स्वच्छ ऊर्जा और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक नई पहल जमीन पर उतरती दिख रही है। शिमला ज़िले के कसुम्पटी विधानसभा क्षेत्र की धरेच ग्राम पंचायत प्रदेश की पहली ग्रीन पंचायत बन गई है, जहां 500 किलोवाट क्षमता की सौर ऊर्जा परियोजना ने बिजली उत्पादन शुरू कर दिया है। इस परियोजना का उद्घाटन सोमवार को मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने अपने कसुम्पटी दौरे के दौरान किया। करीब 1 करोड़ 94 लाख रुपये की लागत से तैयार इस सौर ऊर्जा संयंत्र का निर्माण जनवरी 2025 में शुरू हुआ था और 30 मार्च 2026 को इसे बिजली ग्रिड से जोड़ दिया गया। अब यह परियोजना नियमित रूप से स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन कर रही है। सरकार के मुताबिक, इस संयंत्र से हर दिन करीब 3000 यूनिट बिजली पैदा हो रही है, जबकि सालाना उत्पादन लगभग 8 लाख यूनिट रहने का अनुमान है।

इस परियोजना से तैयार होने वाली बिजली को हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड 3.50 रुपये प्रति यूनिट की दर से खरीदेगा। इससे ग्राम पंचायत को हर साल करीब 28 लाख रुपये की आय होने की उम्मीद है। राज्य सरकार का कहना है कि यह मॉडल पंचायतों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में मदद करेगा।

मुख्यमंत्री ने इसे जनकल्याणकारी और समावेशी योजना बताते हुए कहा कि इससे गांवों को आत्मनिर्भर बनाने का रास्ता खुलेगा। इस परियोजना से होने वाली आय का बंटवारा भी तय किया गया है। कुल आय का 30 प्रतिशत हिस्सा पंचायत के विकास कार्यों पर खर्च होगा, जबकि 20 प्रतिशत राशि अनाथों और विधवाओं के कल्याण के लिए रखी जाएगी। इसके अलावा 20 प्रतिशत हिस्सा राज्य सरकार को जाएगा, 10 प्रतिशत हिम ऊर्जा को और 20 प्रतिशत संचालन और रख-रखाव के लिए भी हिम ऊर्जा को दिया जाएगा।

करीब 25 साल की अनुमानित उम्र वाली यह सौर परियोजना न सिर्फ स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देगी, बल्कि स्थानीय लोगों की आय बढ़ाने में भी मददगार साबित हो सकती है। सरकार का मानना है कि ऐसे मॉडल भविष्य में अन्य पंचायतों में भी लागू किए जा सकते हैं, जिससे ग्रामीण इलाकों में आर्थिक और सामाजिक बदलाव की नई संभावनाएं पैदा होंगी।

शिमला में विकसित भारत 2047 पर राष्ट्रीय संगोष्ठी शुरू, विकास के विभिन्न पहलुओं पर मंथन

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

शिमला स्थित भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान (आईआईएएस) में सोमवार से विकसित भारत 2047: चुनौतियाँ और अवसर विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की शुरूआत हुई। इस संगोष्ठी का उद्देश्य देश के समग्र, समावेशी और सतत विकास के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करना और विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में बौद्धिक योगदान देना है।

संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में संयोजक और महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनोज दीक्षित ने विषय की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने विकसित भारत 2047 की अवधारणा को शासन, शिक्षा, पर्यावरण, सामाजिक समावेशन और आर्थिक विकास जैसे क्षेत्रों से जोड़ते हुए विस्तार से समझाया।

मुख्य वक्ता के रूप में लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो. आर. के. मिश्रा ने भारत के विकास पथ से जुड़ी चुनौतियों और अवसरों पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए नीतियों के बेहतर समन्वय की जरूरत है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के निदेशक प्रो. हिमांशु कुमार चतुर्वेदी ने कहा कि विकसित भारत 2047 केवल आर्थिक प्रगति का लक्ष्य नहीं है, बल्कि इसमें सांस्कृतिक चेतना, बौद्धिक परंपरा और सामाजिक समरसता भी शामिल है। उन्होंने कहा कि ऐसे शैक्षणिक संस्थान बहु-विषयी संवाद और शोध के माध्यम से इस दिशा में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

उद्घाटन सत्र में संस्थान के सचिव मेहर चंद नेगी ने स्वागत भाषण दिया, जबकि कार्यक्रम का संचालन जन संपर्क अधिकारी डॉ. अखिलेश पाठक ने किया और अंत में धन्यवाद प्रस्ताव भी प्रस्तुत किया गया। संगोष्ठी के आगामी सत्रों में विकसित भारत की आधारभूत अवधारणा: प्रधानमंत्री की दृष्टि समेत कई विषयों पर चर्चा होगी। इनमें आर्थिक परिदृश्य, शिक्षा, पर्यावरणीय स्थिरता, शासन और नीतिगत मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श किया जाएगा। दूसरे दिन नीति और प्रशासन, भारतीय चिंतन की पारंपरिक दृष्टि और विकसित भारत के समग्र विजन पर चर्चा प्रस्तावित है।

इस संगोष्ठी में देश के विभिन्न हिस्सों से शिक्षाविद और विशेषज्ञ शामिल हो रहे हैं। इनमें गुजरात विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीरजा गुप्ता, गोवा के कर्मेल कॉलेज फॉर वुमेन के प्रो. मनोज बोरकर, भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति प्रो. सुषमा यादव, ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के प्रो. पंकज गुप्ता, कंसोर्टियम फॉर एजुकेशनल कम्युनिकेशन के निदेशक प्रो. पी. एस. मनहास और हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के प्रो. विवेकानंद तिवारी सहित कई विद्वान शामिल हैं। इसके अलावा विभिन्न मंत्रालयों और विश्वविद्यालयों से जुड़े विशेषज्ञ भी अपने विचार साझा कर रहे हैं।

रोहडू फायरिंग घटना से खोली कानून-व्यवस्था की पोल, सरकार पूरी तरह विफल : राकेश जमवाल

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

शिमला जिला के रोहडू उपमंडल के कुलगांव में एक धार्मिक आयोजन के दौरान हुई फायरिंग की घटना को लेकर राजनीतिक प्रतिक्रिया सामने आई है। विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता राकेश जमवाल ने इस घटना पर गहरा दुःख जताते हुए राज्य की कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं।

उन्होंने इस घटना में जान गंवाने वाली महिला रितिका (उर्फ गुड़िया) के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की और कहा कि यह केवल एक हादसा नहीं, बल्कि प्रदेश में बिगड़ती कानून-व्यवस्था का संकेत है। उनके मुताबिक, धार्मिक और सामाजिक आयोजनों में हर्ष फायरिंग जैसी घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, लेकिन इन्हें रोकने में सरकार नाकाम रही है।

राकेश जमवाल ने कहा कि इस तरह की घटनाएं यह दिखाती हैं कि लोगों में कानून का डर कम हुआ है और प्रशासन प्रभावी तरीके से काम नहीं कर पा रहा है। उनका कहना है कि अगर समय रहते पुलिस और प्रशासन सतर्क रहते, तो इस घटना को रोका जा सकता था। उन्होंने यह भी कहा कि बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी में हथियारों का इस्तेमाल होना गंभीर चिंता का विषय है।

घटना के बाद शव को अस्पताल ले जाने की व्यवस्था को लेकर भी उन्होंने सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि शव को ले जाने के लिए उचित इंतजाम नहीं किए गए और जिस तरह से रेत से भरे वाहन में शव भेजने की कोशिश की गई, वह प्रशासन की संवेदनशीलता पर सवाल खड़े करता है।

संक्षिप्त-समाचार

रिया भाटिया को हर साल मिलेंगे 12 हजार, एनएमएमएस स्कॉलरशिप किया क्लीयर

ऊना। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय टक्का की नौवीं कक्षा की छात्रा रिया भाटिया ने अपनी शैक्षणिक प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए नेशनल मींस कम मेरिट स्कॉलरशिप (एनएमएमएस) परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है। रिया की इस शानदार सफलता से न केवल उनके परिवार में खुशी की लहर है, बल्कि पूरे स्कूल का नाम भी रोशन हुआ है। रिया की इस उपलब्धि के लिए सोमवार को स्कूल प्रधानाचार्य बलविंद्र कुमार ने उसे सम्मानित किया। स्कूल प्रधानाचार्य ने बताया कि इस परीक्षा को पास करने के बाद अब रिया भाटिया को जमा दो कक्षा तक अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए प्रतिवर्ष 12,000 रुपये की छात्रवृत्ति सहायता प्रदान की जाएगी। केंद्र सरकार द्वारा दी जाने वाली यह राशि सीधे छात्रा के शैक्षणिक विकास में सहायक सिद्ध होगी, जिससे वह बिना किसी आर्थिक बाधा के उच्च शिक्षा का सपना पूरा कर सकेंगी। उन्होंने बताया कि मिनिस्ट्री ऑफ एजुकेशन द्वारा ये स्कॉलरशिप विशेष रूप से गरीब और मेधावी विद्यार्थियों के लिए शुरू की गई है ताकि मेधावी विद्यार्थियों की पढ़ाई वित्तीय कारणों से प्रभावित ना हो पाए। रिया की इस उपलब्धि पर स्कूल के प्रधानाचार्य और अध्यापकों ने उन्हें बधाई दी।

देव प्राण प्रतिष्ठा समारोह में फायरिंग करने वाला आरोपी गिरफ्तार, महिला की गई जान

शिमला। शिमला जिले के रोहडू उपमंडल के चिडगांव थाना अंतर्गत कुलगांव में देवता के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान हुई फायरिंग के मामले में पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। पुलिस के अनुसार घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया था, लेकिन त्वरित कार्रवाई करते हुए उसकी पहचान कर उसे पकड़ लिया गया। आरोपी द्वारा गोली चलाने से एक 26 वर्षीय महिला रितिका की मौत हुई है। इस मामले में थाना चिड़गांव में धारा 103(1) बीएनएस और धारा 25 आर्म्स एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। यह घटना रविवार आधी रात करीब 12:45 बजे हुई, जब कुलगांव में नव-निर्मित मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से जुड़ा धार्मिक कार्यक्रम चल रहा था। समारोह में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे और पारंपरिक नृत्य व उत्सव का माहौल था। इसी दौरान जश्न के बीच आरोपी ने गोली चलाई, जो वहां मौजूद एक महिला को जा लगी। महिला की पहचान रितिका के रूप में हुई है, जो चिड़गांव क्षेत्र की निवासी थीं। उन्हें तुरंत सिविल अस्पताल रोहडू ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। शिमला के एसएसपी गौरव सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची, जहां घटनास्थल को सुरक्षित कर साक्ष्य जुटाए गए और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए गए। उन्होंने बताया कि मामले में शामिल आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है और घटना में इस्तेमाल किया गया हथियार भी बरामद कर लिया गया है। एसएसपी के अनुसार पुलिस इस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है, जिसमें कार्यक्रम के दौरान हथियारों के इस्तेमाल और सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े पहलू भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि दोषी के खिलाफ कानून के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उत्तर प्रदेश के युवक का शव पांच दिनों के बाद श्रीनगर के ओल्ड जैना कदल से बरामद

श्रीनगर। झेलम नदी में 22 अप्रैल को छलांग लगाने वाले उत्तर प्रदेश के युवक का शव पांच दिनों की तलाशी के बाद सोमवार को एसडीआरएफ टीमों ने श्रीनगर के ओल्ड जैना कदल से बरामद किया। एक अधिकारी ने बताया कि एसडीआरएफ क्यूआरटी झेलम की टीमों ने आज चलाए गए अभियान के दौरान नदी से शव बरामद किया। मृतक की पहचान मोहम्मद कुरेश सिद्दीकी (18) के रूप में हुई, जो मोहम्मद नवाब सिद्दीकी का पुत्र और उत्तर प्रदेश निवासी था। अधिकारियों ने बताया कि शव पुलिस को सौंप दिया गया है और चिकित्सा-कानूनी औपचारिकताओं के लिए भेज दिया गया है।

एनआईए ने लश्कर-ए-तैयबा के अंतरराज्यीय आतंकी मॉड्यूल से संबंधित मामला अपने हाथों में लिया

जम्मू। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने हाल ही में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के एक अंतरराज्यीय आतंकी मॉड्यूल के खुलासे से संबंधित मामले को अपने हाथ में ले लिया है और सोमवार को पूछताछ के लिए दो पाकिस्तानी नागरिकों सहित पांच गिरफ्तार आतंकवादियों को हिरासत में ले लिया है। जम्मू और कश्मीर पुलिस ने 7 अप्रैल को आतंकवाद विरोधी अभियान में पांच एलईटीटी आतंकवादियों को गिरफ्तार किया था, जिनमें अब्दुल्ला उर्फ अबू हुरैरा भी शामिल है। वह 16 वर्षों से फरार था और केंद्र शासित प्रदेश के बाहर ठिकाने बनाने में कामयाब रहा था। अब्दुल्ला के अलावा एक अन्य पाकिस्तानी आतंकवादी उस्मान उर्फ खुबैब और श्रीनगर के तीन निवासी मोहम्मद नकीब भट, आदिल राशिद और गुलाम मोहम्मद मीर उर्फ मामा को भी इस बड़े अभियान में गिरफ्तार किया गया, जिसमें जम्मू और कश्मीर पुलिस के साथ-साथ केंद्रीय एजेंसियों ने भी भाग लिया था।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का
न्वोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: स्व. सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक मुद्रक एवं संपादक भूपिंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1, सेक्टर 40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित-160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

मौसम — आज से आंधी-ओलावृष्टि का ओरेंज अलर्ट

मौसम विभाग ने हिमाचल के 5 जिलों में लू की चेतावनी जारी की

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में गर्मी के कड़े तेवर बने हुए हैं और आज राज्य के पांच जिलों ऊना, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और सोलन में लू चलने की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग के अनुसार निचले और मैदानी इलाकों में गर्मी अपने चरम पर है, जबकि राहत की उम्मीद कल से जताई जा रही है। 28 और 29 अप्रैल को आंधी, ओलावृष्टि और तेज हवाओं के साथ बारिश का ओरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जिससे मौसम में अचानक बदलाव देखने को मिल सकता है।

प्रदेश में तापमान लगातार बढ़ रहा है। ऊना और पांवटा साहिब में अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, जो इस सीजन के लिए काफी अधिक माना जा रहा है। वहीं शिमला, धर्मशाला, कांगड़ा, बिलासपुर और देहरा गोपीपुर जैसे क्षेत्रों में भी तापमान सामान्य से ऊपर दर्ज किया गया है। यही वजह है कि दिन के साथ-साथ रातें भी गर्म हो गई हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार न्यूनतम तापमान में भी बढ़ोतरी दर्ज हुई है। सबसे अधिक न्यूनतम तापमान पांवटा साहिब और देहरा गोपीपुर में 22 डिग्री सेल्सियस रहा, इसके बाद धर्मशाला 18.5, ऊना 18.6, कांगड़ा 17.9, शिमला और नाहन 16.8, मंडी 16.6, पालमपुर 16.5, सुंदरनगर 15.5, सोलन 13.8, भुंतर 12.1, सराहन 11.9, मनाली 10.3, सेओबाग 10.7, कल्पा 8.6, तबो 6.9 और कुकुमसेरी 6.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इन आंकड़ों से साफ है कि रात के तापमान में गिरावट नहीं हो रही है। इससे लोगों को राहत नहीं मिल पा रही।

मौसम विभाग का कहना है कि 28 व 29 अप्रैल को पूरे राज्य में बेस्टर्न डिस्टरवेन्स अधिक सक्रिय रहेगा और कई जगहों पर आंधी, ओलावृष्टि और बिजली गिरने की संभावना है। इस दौरान 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। इन दो दिनों में खराब मौसम का ओरेंज अलर्ट रहेगा। 30 अप्रैल को भी कुछ स्थानों पर गरज-चमक और तेज हवाओं का येलो अलर्ट जारी किया गया है। इसके बाद 1 और 2 मई को हल्की बारिश की संभावना है, हालांकि इन दिनों कोई विशेष चेतावनी जारी नहीं की गई है। 3 मई को फिर से कुछ स्थानों पर आंधी और बिजली गिरने की चेतावनी दी गई है।

हालांकि बदलते मौसम से लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है, लेकिन इसका असर खेती-बाड़ी व बागवानी कार्यों पर पड़ सकता है। राज्य के निचले इलाकों में इन दिनों गेहूं की कटाई का काम चल रहा है और ऐसे में बारिश और ओलावृष्टि से फसल को नुकसान पहुंच सकता है। कटाई का काम प्रभावित होने के साथ-साथ तैयार फसल भी खराब हो सकती है। वहीं ऊंचाई वाले इलाकों में सेब के बागानों में इस समय फ्लावरिंग का दौर चल रहा है, जिस पर ओलावृष्टि का सीधा असर पड़ सकता है। इसके अलावा मटर और अन्य सब्जी फसलों को भी नुकसान की आशंका है। यही वजह है कि मौसम में बदलाव की खबर से जहां आम लोगों को राहत की उम्मीद है, वहीं किसान और बागवान चिंता में हैं।

आज का दिन इतिहास का काला दिन, जब विपक्ष ने सदन का अपमान करके सदन के बाहर डुप्लीकेट सेशन चलाया

मुख्यमंत्री नायब सैनी बोले- सबने देखा कि कांग्रेस लोकतंत्र की लड़ाई, विधानमंडल में नहीं, वाहन मंडल में लड़ रही है

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को हरियाणा विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान कांग्रेस के सदन में ना आने पर तीखा प्रहार करते हुए कहा आज का दिन हरियाणा के इतिहास का काला दिन है, क्योंकि विपक्ष ने सदन की गरिमा का अपमान करते हुए सदन के बाहर डुप्लीकेट सेशन चलाया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा की जनता आज सोच रही है कि ऐसा पहली बार देखा कि लोकतंत्र की लड़ाई, विधानमंडल में नहीं, वाहन मंडल में लड़ रहे हैं कांग्रेस। उन्होंने शायराना अंदाज में कहा कि बड़े दुख की बात है कि जनता ने जिन्हें बहस के लिए भेजा था यहां, वो पार्किंग में खड़े होकर परछाईयों से लड़ रहे हैं। यह विधानसभा का, हरियाणा की हर महिला का, लोकतंत्र का और संविधान का अपमान है। उन्होंने कहा कि न कायदा, न कार्रवाई, न अध्यक्ष का सम्मान, गाड़ियों में चल रहा है कांग्रेस का संविधान। हरियाणा की जनता इस कु-कृत्य के लिए कांग्रेस को कभी माफ नहीं करेगी।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार द्वारा लाया गया प्रस्ताव किसी प्रकार का राजनीतिक प्रस्ताव नहीं है और इसमें निंदा शब्द का उपयोग नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि यह प्रस्ताव केवल माताओं और बहनों के मान-सम्मान, उनके अधिकारों तथा सशक्तिकरण को समर्पित है। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष के नेता द्वारा विधानसभा की पार्किंग में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर डुप्लीकेट सेशन चलाया गया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के विधायक सरदार जरनैल सिंह ने अपने वक्तव्य में स्वयं स्वीकार किया है कि उनकी पार्टी की सोच में बदलाव की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने विपक्ष के इस कु-कृत्य के विरोध में सदन में निंदा प्रस्ताव लाने की भी बात कही। मुख्यमंत्री ने विधायक श्री अर्जुन चौटाला द्वारा उठाए गए प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि यदि सरकार जनगणना और परिसीमन का इंतजार करती, तो वर्ष 2029 के आम चुनाव में

महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का लाभ नहीं मिल पाता। उन्होंने कहा कि महिलाओं को समय पर अधिकार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नारी शक्ति वंदन अधिनियम संशोधन विधेयक लोकसभा में लाया गया।

उन्होंने जानकारी दी कि दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना के तहत अब तक 6 किस्तें लाभार्थी बहनों के खातों में भेजी जा चुकी हैं। साथ ही मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि इस योजना के किसी भी लाभार्थी परिवार का बीपीएल कार्ड रद्द नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार लगातार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा विधानसभा का यह विशेष सत्र नारी शक्ति को समर्पित है। उन्होंने बताया कि 16 अप्रैल 2026 को केंद्र सरकार द्वारा तीन महत्वपूर्ण विधेयक संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, परिसीमन विधेयक और केंद्र शासित प्रदेश कानून संशोधन विधेयक लोकसभा में प्रस्तुत किए गए। उन्होंने कहा कि मूल रूप से 2026 की जनगणना और परिसीमन के बाद आरक्षण लागू करने का लक्ष्य था, लेकिन इसे जनगणना की शर्त से अलग करने का प्रयास किया गया, ताकि वर्ष 2029 के आम चुनाव में महिला शक्ति संसद में प्रभावी उपस्थिति दर्ज करा सके। मुख्यमंत्री ने सदन के माध्यम से उन विपक्षी दलों की घोर निंदा की, जिन्होंने इस विधेयक को पारित नहीं होने दिया। उन्होंने कहा कि विपक्ष की राजनीति का दोहरा चरित्र देश के सामने उजागर हुआ है। विपक्ष ने परिसीमन के नाम पर झूठ और भ्रम फैलाया तथा यह कहा कि इससे कुछ राज्यों को नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने तथ्यों के साथ स्पष्ट किया है कि किसी भी राज्य के प्रतिनिधित्व में कमी नहीं होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का प्रस्ताव केवल विपक्ष की आलोचना के लिए नहीं है, बल्कि यह एक स्पष्ट संदेश है कि जो भी महिलाओं के अधिकारों के साथ खिलवाड़ करेगा, उसे जनता के न्याय का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से अपील की कि वे राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर इस प्रस्ताव का समर्थन करें और महिलाओं के सशक्तिकरण के इस महत्वपूर्ण प्रयास में सहभागी बनें।

हरियाणा लिपिकीय सेवा (भर्ती और सेवा की शर्तें) विधेयक, 2026 पारित

प्रक्रिया होगी अधिक सरल, तेज और न्यायसंगत, कॉमन कैडर से बढ़ेंगे अवसरः नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान कर्मचारियों के हितों में बड़ा कदम उठाते हुए सरकार ने हरियाणा लिपिकीय सेवा (भर्ती और सेवा की शर्तें) विधेयक, 2026 पारित किया। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी द्वारा प्रस्तुत किया गया विधेयक सदन द्वारा पारित किया गया। सदन में हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह विधेयक चतुर्थ श्रेणी (ग्रुप-डी) कर्मचारियों के लिए पदोन्नति प्रक्रिया को अधिक सरल, तेज और न्यायसंगत बनाएगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2018 में हरियाणा ग्रुप डी कर्मचारी (भर्ती तथा सेवा की शर्तें) अधिनियम, 2018 के माध्यम से ग्रुप डी के लिए कॉमन कैडर व्यवस्था लागू की गई थी, जिससे फील्ड कैडर के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को पदोन्नति के समान अवसर मिलने लगे। उन्होंने बताया कि पहले सीमित पदों के कारण बहुत कम कर्मचारियों को ही पदोन्नति का अवसर मिल पाता था। साथ ही, केवल अपने-अपने विभागों तक सीमित पदोन्नति के अवसर होने के कारण भी कर्मचारियों की प्रगति बाधित होती थी। विधेयक के अंतर्गत अब चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की लिपिक पद पर पदोन्नति का कोटा 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 30 प्रतिशत कर दिया गया है, जिससे अधिक संख्या में कर्मचारी पदोन्नत हो सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व में कई विभागों में कर्मचारियों को पदोन्नति के लिए 10 से 15 वर्षों तक प्रतीक्षा करनी पड़ती थी। उन्होंने कहा कि कॉमन कैडर व्यवस्था, बढ़े हुए पदोन्नति कोटा और कम सेवा अवधि के कारण अब पदोन्नति अधिक तेज होगी और अधिक संख्या में कर्मचारियों को समयबद्ध अवसर मिल सकेंगे। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने विश्वास व्यक्त किया कि यह विधेयक कर्मचारियों के हितों की रक्षा करते हुए प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाएगा। उन्होंने कहा कि यदि विपक्ष इस महत्वपूर्ण विधेयक पर चर्चा के दौरान सदन में उपस्थित होता, तो राज्य के कर्मचारियों के हित में एक व्यापक सहमति बन सकती थी, तथापि सरकार कर्मचारियों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

कुरुक्षेत्र पुलिस का स्वच्छता अभियान, पुलिस अधीक्षक के आदेश पर चला विशेष सफाई अभियान

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

जिला पुलिस द्वारा स्वच्छता के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी का परिचय देते हुए सोमवार को पूरे जिले में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक के निदेर्शानुसार इस अभियान में पुलिस चौकियों, थानों से लेकर पुलिस लाइन तक व्यापक स्तर पर सफाई कार्य किया गया। जानकारी देते हुए पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि स्वच्छता अभियान में पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और श्रमदान करते हुए परिसर की साफ-सफाई सुनिश्चित की। अभियान के दौरान कार्यालयों, बैरकों, परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में सफाई की गई तथा स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प भी लिया गया। पुलिस अधिकारियों ने स्वयं आगे बढ़कर कर्मचारियों का नेतृत्व किया और उन्हें स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक किया। अभियान के दौरान यह भी संदेश दिया गया कि स्वच्छ वातावरण न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए

कुरुक्षेत्र पुलिस कर्मियों ने स्वच्छता के प्रति सकारात्मक संदेश देते हुए जमकर किया श्रमदान

लाभकारी है, बल्कि मानसिक स्फूर्ति, कार्यक्षमता और सकारात्मक सोच को भी बढ़ावा देता है। पुलिस अधीक्षक ने अपने संदेश में कहा कि स्वच्छ वातावरण न केवल स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है, बल्कि यह कार्य क्षमता और अनुशासन को भी मजबूत बनाता है। उन्होंने सभी पुलिस कर्मियों को निर्देश दिए कि वे नियमित रूप से अपने कार्यस्थल को स्वच्छ रखें और आमजन को भी स्वच्छता के प्रति प्रेरित करें। कुरुक्षेत्र पुलिस का यह प्रयास न केवल विभागीय अनुशासन का उदाहरण है, बल्कि समाज में स्वच्छता के प्रति सकारात्मक संदेश भी देता है। अभियान के अंत में सभी ने स्वच्छता को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया।

हरियाणा विधानसभा में महिलाओं के अधिकारों पर केंद्रित प्रस्ताव पारित

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

महिलाओं के अधिकारों के मुद्दे पर कांग्रेस ने फिर दिखाया अपना असली चेहराः नायब सिंह सैनी

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को हरियाणा विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में सरकारी प्रस्ताव पेश किया। यह प्रस्ताव ध्वनि मत से पारित हुआ। मुख्यमंत्री ने प्रस्ताव पेश करते हुए कहा कि कोई भी क्षेत्र या समाज तब तक पूर्ण रूप से विकसित नहीं माना जा सकता, जब तक उसकी आधी आबादी माताओं और बहनों को सम्मान, समान अवसर और अधिकार नहीं मिलते। इसलिए नारी सम्मान भारत की चिर-नूतन सभ्यता और संस्कृति की अटूट पहचान भी है तथा विकसित भारत-2047 के राष्ट्रीय संकल्प का मूल आधार भी है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने के संकल्प का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके चार प्रमुख स्तंभों में महिलाओं को भी शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सक्रिय भागीदारी के बिना विकसित भारत का लक्ष्य प्राप्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु ठोस कदम उठाए गए हैं। वर्ष 2023 में संसद द्वारा पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह कानून संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने की दिशा में ऐतिहासिक पहल है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यद्यपि इस कानून के क्रियान्वयन की समयसीमा वर्ष 2034 निर्धारित की गई थी, तथापि इसे वर्ष 2029 तक लागू करने के उद्देश्य से 16 व 17 अप्रैल को संसद का विशेष सत्र आयोजित किया गया, जिसमें संबंधित संशोधन विधेयक प्रस्तुत किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा की धरती ने भी अनेक प्रेरणादायक महिलाएं दी हैं। महारानी किशोरी, शिक्षाविद् बहन सुभाषिनी जी और अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला सहित प्रदेश की बेटियों ने खेलों में भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान से देशभर में सामाजिक चेतना का विस्तार हुआ है, जिसके परिणामस्वरूप लिंगानुपात में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। हरियाणा का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि राज्य का लिंगानुपात 871 से बढ़कर 923 हो गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री जन धन योजना, मुद्रा योजना तथा स्टैंड-अप इंडिया जैसी योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया गया है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को सशस्त्र बलों में स्थायी कमीशन प्रदान किया गया है, सैनिक स्कूलों में बेटियों के प्रवेश को स्वीकृति दी गई है तथा राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में भी महिलाओं के लिए मार्ग प्रशस्त किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं को 50 प्रतिशत प्रतिनिधित्व प्रदान किया गया है। लखपति दीदी एवं ड्रोन दीदी जैसी योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है, जबकि दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना से आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है। हर घर-हर गृहिणी योजना के तहत पात्र महिलाओं को 500 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। महिला सुरक्षा के दृष्टिगत राज्य में 33 महिला पुलिस थाने स्थापित किए गए हैं तथा दुर्गा शक्ति ऐप एवं हेल्पलाइन-1091 जैसी व्यवस्थाएं भी लागू की गई हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं की भागीदारी को निर्णय प्रक्रिया में शामिल करना आवश्यक है और संसद एवं राज्य विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण इस दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि महिलाओं के अधिकारों के मुद्दे पर कांग्रेस ने एक बार फिर अपना असली चेहरा उजागर किया है।

संक्षिप्त-समाचार

हरियाणा ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर की एक नई पहल

चंडीगढ़। विधानसभा के एक दिवसीय सत्र के दौरान महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक नया कदम उठाया गया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के महिला सशक्तिकरण की दिशा में लिए जा रहे संकल्पों को आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के आग्रह पर संसदीय कार्य मंत्री श्री महीपाल ढांडा द्वारा सदन में लाए गए सरकारी प्रस्ताव पर सर्वसम्मति से महिला सशक्तिकरण पर विधानसभा की एक विशेष समिति के गठन को मंजूरी दी गई। नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर इस प्रकार की पहल करने वाला हरियाणा देश का पहला राज्य होगा। विधानसभा अध्यक्ष श्री हरविंद्र कल्याण ने सत्र के समापन अवसर पर मुख्यमंत्री के आग्रह को स्वीकार करते हुए महिला सशक्तिकरण पर हरियाणा विधानसभा की एक 9 सदस्यीय विशेष समिति गठित करने की घोषणा की जिसमें चेयरपर्सन सहित 5 महिला सदस्य होंगी। इस समिति का कार्यकाल एक वर्ष का होगा। समिति के गठन को मंजूरी देने पर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने विधानसभा अध्यक्ष व सदन के सदस्यों का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा विधानसभा की महिला सशक्तिकरण समिति गठित होने से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच के अनुरूप महिलाओं को ताकत मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह समिति महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने का है प्रयास : आरती सिंह

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने दो नए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) खोलने की मंजूरी दी है। इनमें एक पीएचसी भिवानी जिला के गांव सूई तथा दूसरी, पलवल जिला के गांव अमरपुर में खोली जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बताया कि भिवानी जिला के गांव सूई में खुलने वाली पीएचसी के निर्माण पर 466.35 लाख रुपए तथा पलवल जिला के गांव अमरपुर में खुलने वाली पीएचसी के निर्माण पर 439.33 लाख रुपए खर्च होंगे। आरती सिंह राव ने बताया कि उक्त स्वास्थ्य संस्थानों के शुरू होने से न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ेगी, बल्कि बड़े अस्पतालों पर भी दबाव कम होगा। इससे लोगों को समय पर इलाज मिल सकेगा और प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को और मजबूती मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार लगातार स्वास्थ्य ढांचे को सुदृढ़ करने, नई सुविधाएं जोड़ने और हर नागरिक तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।

एचसीएस अधिकारी नीरज शर्मा को अतिरिक्त कार्यभार

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने तुरन्त प्रभाव से एचसीएस अधिकारी श्री नीरज शर्मा को श्री चिन्मय गर्ग के स्थान पर हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग में सचिव (कानूनी) का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा है। श्री नीरज शर्मा वर्तमान में उच्चतर शिक्षा विभाग में संयुक्त निदेशक (प्रशासन) तथा उप सचिव के रूप में कार्यरत हैं।

नवीन जिन्दल फाउंडेशन और इंस्ट्रको द्वारा आयोजित कार्यक्रम में छात्राओं ने उठाया लाभ

कुरुक्षेत्र। नवीन जिन्दल फाउंडेशन एवं इंस्ट्रको के संयुक्त तत्वावधान में गवर्नमेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, थानेसर में आज एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देना तथा उन्हें दैनिक जीवन में उपयोगी कौशलों से सशक्त बनाना रहा। सत्र में छात्राओं ने पूरे उत्साह और रुचि के साथ भाग लिया। इस अवसर पर इंस्ट्रको की शिवानी ने छात्राओं को शिष्टाचार संबंधित महत्वपूर्ण प्रशिक्षण दिया। उन्होंने रोचक कहानियों के माध्यम से छात्राओं को व्यवहारिक ज्ञान प्रदान किया, जिससे छात्राओं ने न केवल विषय को समझा बल्कि उसे आत्मसात भी किया। सत्र के दौरान उन्होंने छात्राओं से प्रश्न भी पूछे, जिससे उनकी भागीदारी और अधिक सक्रिय बनी रही। अंत में छात्राओं से फीडबैक भी लिया गया। इस पहल के अंतर्गत छात्राओं को कंप्यूटर ज्ञान, व्यवहार कौशल, संचार कौशल, बैंकिंग की मूलभूत जानकारी, शिक्षा के महत्व, शिष्टाचार, खान-पान और रहन-सहन से संबंधित विविध विषयों पर व्यापक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए सांसद कार्यालय प्रभारी श्री धर्मवीर सिंह ने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य छात्रों का समग्र विकास करना है, ताकि वे भविष्य में आत्मविश्वास के साथ रोजगार के अवसरों का लाभ उठा सकें। उन्होंने बताया कि कुरुक्षेत्र जिले के 10 स्कूलों को इस विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए चिन्हित किया गया है, इन स्कूलों में 25-25 सत्र आयोजित किए जाएंगे। इनमें से 20 सत्र ऑफलाइन और 5 सत्र ऑनलाइन माध्यम से संचालित किए जा रहे हैं, जिससे अधिक से अधिक छात्रों तक इस कार्यक्रम का लाभ पहुंच सके। उन्होंने बताया कि सांसद नवीन जिन्दल की यह पहल न केवल शिक्षा के पारंपरिक स्वरूप को सशक्त बना रही है, बल्कि छात्रों को जीवन के व्यावहारिक पहलुओं के लिए भी तैयार कर रही है। ऐसे प्रयास निश्चित रूप से युवाओं के उज्जवल भविष्य के निर्माण में मील का पत्थर साबित होंगे।

किसानों के खातों में गेहूं खरीद के भेजे 798 करोड़ 51 लाख 47 हजार 128 रुपए : विवेक आर्य

कुरुक्षेत्र। अतिरिक्त उपायुक्त विवेक आर्य ने कहा कि जिले के किसानों के खातों में गेहूं खरीद के 798 करोड़ 51 लाख 47 हजार 128 रुपए 26 अप्रैल तक भेजे जा चुके हैं। सरकार के निदेर्शानुसार उठान के 48 घंटे में किसानों के खाते में पेमेंट भेजी जा रही है। उन्होंने कहा कि जिले की अनाज मंडियों में फूड सप्लाई एवं आपूर्ति विभाग, हैफेड व हरियाणा वेयरहाउस द्वारा खरीद की जा रही है। अब तक जिले में 509616 एमटी गेहूं की खरीद की जा चुकी है। इसमें से 339954 एमटी गेहूं की लिफ्ट हो चुकी है। लिफ्ट के साथ-साथ किसानों के खातों में गेहूं खरीद का पैसा 798 करोड़ 51 लाख 47 हजार 128 रुपए भेजा जा रहा है। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि फूड सप्लाई एवं आपूर्ति विभाग द्वारा 345638 एमटी गेहूं की खरीद की गई है, इसमें से 223814 एमटी गेहूं की लिफ्ट की जा चुकी है और 518 करोड़ 84 लाख, 5 हजार 360 रुपए किसानों को भेजे जा चुके हैं। हैफेड द्वारा 152206 एमटी गेहूं की खरीद की गई है, इसमें से 107334 एमटी गेहूं की लिफ्ट की जा चुकी है और 258 करोड़ 87 हजार 208 रुपए किसानों को भेजे जा चुके हैं।

साइबर अपराधियों पर कड़ा प्रहार, अभेद्य एप बना आमजन की सुरक्षा का सशक्त हथियारः एसपी

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

हरियाणा पुलिस द्वारा साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने और आमजन को सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से अभेद्य एप के रूप में एक सशक्त पहल शुरू की गई है। पुलिस महानिदेशक हरियाणा श्री अजय सिंघल द्वारा अभेद्य एप लॉन्च किया गया है। यह एप जहां साइबर अपराधियों के लिए कड़ी चेतावनी साबित हो रहा है। वहीं आमजन के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच के रूप में उभरकर सामने आया है। पुलिस अधीक्षक चन्द्र मोहन ने कहा कि वर्तमान समय में साइबर अपराधी विदेशी नंबरों से कॉल कर लोगों को डराकर, धमकाकर या झांसा देकर ठगी करने का प्रयास करते हैं। ऐसे अपराधियों के खिलाफ अभेद्य एप एक प्रभावी हथियार साबित होगा। यह एप संदिग्ध कॉलों की पहचान करने और उनसे बचाव के लिए आमजन को तुरंत

हर नागरिक तक पहुंचेगा अभेद्य एप, ठगी करने वालों के मंसूबे होंगे नाकाम

सतर्क करता है, जिससे अपराधियों के मंसूबों पर पानी फिर जाता है। उन्होंने बताया कि अभेद्य एप के माध्यम से आमजन को न केवल सुरक्षा मिलती है, बल्कि वे स्वयं भी जागरूक होकर साइबर अपराधों के खिलाफ मजबूत भूमिका निभा सकते हैं। यह पहल नागरिकों और पुलिस के बीच सुरक्षा सहयोग को और अधिक सुदृढ़ करेगी। पुलिस अधीक्षक ने आमजन से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि कोई भी वास्तविक पुलिस अधिकारी फोन पर डळढ या पैसे की मांग नहीं करता। किसी भी संदिग्ध कॉल पर घबराएं नहीं, बल्कि सतर्क रहें, उसकी पुष्टि करें और तुरंत पुलिस को सूचित करें। उन्होंने अपील की कि जिन नागरिकों को लगता है कि वे किसी भी प्रकार की एक्सटॉर्शन कॉल (ए७३इ२१३इल्ल उं'') या फ्रॉड कॉल के शिकार बन सकते हैं, तो वे अपने नजदीकी थाना या पुलिस कार्यालय में संपर्क कर अभेद्य एप का लाभ अवश्य लें। पुलिस अधीक्षक चन्द्र मोहन के कुशल नेतृत्व में जिला में अभेद्य एप के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस संबंध में उप पुलिस अधीक्षक, सभी थाना प्रबंधकों, सीआईए स्टाफ इंचार्ज एवं साइबर सैल को सख्त निर्देश जारी किए गए हैं कि वे जन-जागरूकता अभियान को मिशन मोड में संचालित करें। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि अभेद्य एप के प्रचार-प्रसार को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। इसके लिए रेडियो, टीवी, सोशल मीडिया, ग्राम चौपाल, स्कूल-कॉलेज एवं सार्वजनिक कार्यक्रमों में प्रभावी उपयोग किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग इस एप से जुड़ सकें।

राजिंदर वर्मा यश बाबू की फिल्म 48 कोस 2 का ट्रेलर लॉन्च, 26 जून 2026 को रिलीज होगी

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

यशबाबू एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित फिल्म 48 कोस सिनेमाघरों में 8 जुलाई 2022 को रिलीज हुई थी. उस फिल्म मे पंकज बेरी, अनिल धवन, अरुण बक्शी जैसे कलाकार थे जो सुपरहिट हुई थी. उस फिल्म का पोस्टर उस समय के हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने लॉन्च किया था. अब लेखक, निमार्ता, निर्देशक राजिंदर वर्मा यशबाबू ने अपनी सफल फिल्म का सीक्वल 48 कोस 2 बनाया है. इस पार्ट 2 फिल्म का पहला पोस्टर पूज्य स्वामी श्री ज्ञानानंद जी महाराज जी के पावन सानिध्य में हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने 24 अगस्त 2025 को जारी किया था. फिल्म 48 कोस 2 26 जून 2026 को सिनेमाघरों मे रिलीज होगी. सिनेमाघरों मे रिलीज होने वाली यशबाबू एंटरटेनमेंट की ये 9वीं फिल्म है.

निमार्ता निर्देशक राजिंदर कुमार वर्मा यश बाबु की फिल्म 48 कोस 2 का भव्य ट्रेलर और दो नए पोस्टर इंपा थिएटर में लॉन्च किया गया. 48 कोस की धरा की गाथाएं वैसे तो सदियों पुरानी हैं, परंतु आस्था के सागर ने उन्हें आज भी ऐसे संजो कर रखा है जैसे बीता हुआ समय केवल क्षणों की दूरी पर हो। इस पावन भूमि की कहानियों में अनेक महर्षियों और वीरों के नाम साक्षात शिल्पित हैं। यह धरती केवल किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व को ही नहीं, बल्कि उसकी चरम सीमाओं को भी बदल देने की सामर्थ्य रखती है। ऐसी ही एक प्रेरणादायक गाथा है 48 कोस 2. इस कहानी में कई मुख्य पात्र हैं, और उन सभी को जोड़ने वाला एक सूत्रधार है उत्कर्ष। सभी पात्र किसी न किसी मोड़ पर उत्कर्ष से आकर जुड़ते हैं. उत्कर्ष ने केवल अपने संवादों के माध्यम से चार जीवनों को नया दृष्टिकोण दे दिया। पहला पात्र है निशांत, एक बड़ी कंपनी का मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जो देश, मिट्टी और जीवन के मूल्यों को भूल चुका है और केवल कार्य में ही स्वयं को झोंक चुका है। फिल्म के कलाकारों में अरुण बख्शी, आरव वधवा, हितेश शर्मा, नीरज सिंह, मेबल जैकब, योगिता, अंजना नाथन शिखा बेन्सन, आशी जस-जा, वीरेंद्र सिंह, पंकज, अनिल वर्मा, विश्व दीपक त्रिखा, युवराज सहगल और दीपक राज डोगरा के नाम उल्लेखनीय हैं।

कुवि के धरोहर हरियाणा संग्रहालय के 20वें स्थापना दिवस के अवसर पर हवन यज्ञ आयोजित

युवा पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का उत्कृष्ट माध्यम है धरोहर संग्रहालयः प्रो. सोमनाथ सचदेवा

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के धरोहर हरियाणा संग्रहालय के 20वें स्थापना दिवस के अवसर पर सोमवार को हवन यज्ञ किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्यातिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने हवन यज्ञ में आहुति डाली।

इस मौके पर कुवि कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि धरोहर हरियाणा संग्रहालय हरियाणा ही नहीं अपितु पूरे भारत का एकमात्र ऐसा संग्रहालय है जिसके माध्यम से हरियाणा की सांस्कृतिक विरासत को दशार्या गया है। यह युवा पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का एक माध्यम है। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय देश का एकमात्र ऐसा विश्वविद्यालय है जिसने अपनी संस्कृति को संरक्षित करने के लिए धरोहर जैसे संग्रहालय को स्थापित किया। यह एक ऐसा अद्भुत संग्रहालय है जिसमें पूरे हरियाणा की संस्कृति के दर्शन किए जा सकते हैं।

कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि हमारे यहाँ लगातार दर्शक और पर्यटक विजिट कर रहे हैं। विशेष रूप से धरोहर संग्रहालय एक प्रमुख आकर्षण केंद्र बनकर उभर रहा है, जहाँ देश-विदेश से बड़ी संख्या में टूरिस्ट पहुँच रहे हैं। धरोहर संग्रहालय न केवल एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक डेस्टिनेशन है, बल्कि अब यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। भारत सरकार के मंत्रालय भी इस दिशा में गंभीरता से कार्य कर रहा है। भविष्य में इन योजनाओं के माध्यम से पर्यटन क्षेत्र को और अधिक विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है।

कुवि कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने धरोहर म्यूजियम के सही

रखरखाव के लिए क्यूरेटर प्रो. विवेक चावला व उनकी पूरी टीम की सराहना भी की। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में कुलसचिव प्रो. वीरेन्द्र पाल ने यज्ञ में आहुति डाली व सभी को बधाई दी।

संग्रहालय के क्यूरेटर प्रो. विवेक चावला ने कुवि कुलगुरु प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा व कुलसचिव प्रो. वीरेन्द्र पाल का स्वागत किया। डॉ. विवेक चावला ने बताया कि पिछले 20 वर्षो में धरोहर हरियाणा संग्रहालय को पिछले वर्षों में देश-विदेश के लाखों पर्यटकों ने देखा है इसके अतिरिक्त 100 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों ने हरियाणा की इस सांस्कृतिक विरासत का अवलोकन किया है।

इस मौके पर कार्यक्रम के डॉ. ममता सचदेवा, विशिष्ट अतिथि कुलसचिव प्रो. वीरेन्द्र पाल, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. राकेश कुमार, डीन ऑफ कालेजिज प्रो. ब्रजेश साहनी, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. ए.आर. चौधरी, प्रो. एसके चहल, प्रो. संजीव अग्रवाल, प्रो. डी.एस.राणा, प्रो. प्रीति जैन, प्रो. सुनीता सिरोहा, प्रो. कृष्णा देवी, प्रो. नीरा राघव, प्रो. रीटा, प्रो. विवेक चावला, प्रो. परमेश कुमार, प्रो. कुसुम लता, मुख्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. आनंद कुमार, उप-निदेशक डॉ. सलोनी दिवान, डॉ. प्रीतम सिंह, कुटा प्रधान डॉ. जितेन्द्र खटकड़, परीक्षा नियंत्रक डॉ. अंकेश्वर प्रकाश, प्रो. हितेन्द्र त्योगी, प्रो. दीपक राय बब्बर, लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया, उप-निदेशक डॉ. जिम्मी शर्मा, प्रो. वनिता ढींगरा, प्रो. शुचिस्मिता, डॉ. गुरचरण सिंह, डॉ. पवन कुमार, डॉ. नीरज बातिश, प्रेस मैनेजर रामेश्वर सैनी, कुंटिया प्रधान राजवंत कौर, वित्त अधिकारी कंचन बाला सहित शिक्षक व कर्मचारी मौजूद थे।

संपादकीय

भारत में लू का कहर 2026: स्कूल बंद, समय-परिवर्तन और सुरक्षा उपाय

अप्रैल 2026 का महीना पूरे उत्तर भारत के लिए असाधारण रूप से कठिन साबित हो रहा है। राजस्थान, दिल्ली-एनसीआर, ओडिशा सहित देश के दो-तिहाई हिस्से इस समय भीषण गर्मी की चपेट में हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, उत्तर-पश्चिम, मध्य और प्रायद्वीपीय भारत में अधिकतम तापमान 40 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया जा रहा है, जबकि राजस्थान के श्री गंगानगर में सर्वाधिक 44.5 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया है। यह स्थिति केवल असुविधाजनक नहीं है – यह एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट का रूप लेती जा रही है। आई एम डी के अप्रैल से जून 2026 के मौसमी पूर्वानुमान के अनुसार, पूर्वी, मध्य, उत्तर-पश्चिमी भारत और दक्षिण-पूर्वी प्रायद्वीप में सामान्य से अधिक लू के दिन आने की संभावना है। इस पृष्ठभूमि में सरकारों और प्रशासन ने विशेष रूप से बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। ओडिशा सरकार ने 27 अप्रैल 2026 से ग्रीष्मकालीन अवकाश की घोषणा कर दी है। सामान्यतः राज्य में स्कूल मई में बंद होते हैं, लेकिन इस वर्ष अत्यधिक गर्मी को देखते हुए यह निर्णय पहले ही लिया गया। ओडिशा की यह पहल देश के अन्य राज्यों के लिए भी एक मिसाल बन सकती है। जब पारा सामान्य से 5 डिग्री या अधिक ऊपर चला जाए, तो बच्चों को घर पर रखना ही सबसे समझदारी का निर्णय है। जयपुर जिला प्रशासन ने गर्मी की स्थिति को देखते हुए स्कूलों के समय में बदलाव किया है। 27 अप्रैल से जयपुर जिले के सभी सरकारी और निजी स्कूल सुबह 7:30 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक संचालित होंगे। यह संशोधित समय कक्षा 8 तक के विद्यार्थियों पर लागू होगा। राजस्थान में स्कूलों का संचालन सुबह 7:30 से दोपहर 12 बजे तक हो रहा है ताकि दिन के सबसे गर्म हिस्से में बच्चे घर पर रह सकें। यह कदम अत्यंत सराहनीय है क्योंकि दोपहर 12 से 4 बजे के बीच तापमान अपने चरम पर होता है और इस दौरान बाहर निकलना स्वास्थ्य के लिए सर्वाधिक खतरनाक होता है। दिल्ली में शिक्षा निदेशालय के शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार ग्रीष्मकालीन अवकाश 11 मई से 30 जून 2026 तक रहेगा। नोएडा और गाजियाबाद में भी इसी प्रकार का कार्यक्रम अपेक्षित है, जब तक कि अतिरिक्त बदलाव नहीं किए जाते। हालाँकि अभी तक दिल्ली में स्कूलों की अग्रिम छुट्टी की घोषणा नहीं हुई है, लेकिन अभिभावकों और छात्रों में यह चिंता जरूर है कि क्या मई से पहले राहत मिलेगी। आई एम डी ने पहले शुक्रवार 24 अप्रैल को लू के मौसम का पहला एकाकी दिन घोषित किया था, लेकिन बाद में स्पष्ट किया कि यह वास्तव में लगातार तीसरा दिन था। इस भ्रम ने यह साबित किया कि राजधानी में मौसम की निगरानी और जन-सूचना प्रणाली को और अधिक सटीक व पारदर्शी बनाने की जरूरत है। देश के कई अन्य राज्यों ने भी अपने-अपने स्तर पर सुरक्षात्मक कदम उठाए हैं। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में स्कूल सुबह 7:30 से दोपहर 12 बजे तक, झारखंड में सुबह 7 से 11:30 बजे तक, पटना (बिहार) में 11:30 बजे तक और महाराष्ट्र में सुबह 7 से 11:15 बजे तक संचालित हो रहे हैं। उत्तराखंड के देहरादून में 27 अप्रैल को जिला प्रशासन के आदेश पर कक्षा 1 से 12 तक के सभी स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्र बंद रखे गए। छत्तीसगढ़ में भी 20 अप्रैल से 15 जून तक ग्रीष्मकालीन अवकाश लागू है। इन सभी उपायों से स्पष्ट है कि इस वर्ष की गर्मी असाधारण है और प्रशासन को त्वरित प्रतिक्रिया देनी पड़ रही है। एक विशेषज्ञ के अनुसार, 'अप्रैल का तापमान एक चिंताजनक कहानी बन रही है। पहले जहाँ अधिकतम तापमान लगभग 40 डिग्री तक पहुँचता था, वह 2026 में 44 डिग्री तक पहुँच गया है। यह केवल उतार-चढ़ाव नहीं, बल्कि जलवायु के आधारभूत स्तर में बदलाव है।' जलवायु परिवर्तन के कारण पूरी दुनिया में दैनिक चरम तापमान और लंबी व तीव्र लू की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। भारत भी इसका प्रत्यक्ष शिकार है – लू की घटनाएं न केवल अधिक बार आ रही हैं, बल्कि हर वर्ष अधिक तीव्र भी होती जा रही हैं, जिसका मानव स्वास्थ्य पर विनाशकारी प्रभाव पड़ रहा है। लू से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों में मुख्यतः निर्जलीकरण, हीट क्रैम्प्स, हीट एग्जॉशन और हीट स्ट्रोक शामिल हैं। इसके अलावा, कृषि उत्पादन, बिजली की माँग, श्रमिकों की उत्पादकता और स्वास्थ्य सेवाओं पर भी इसका भारी दबाव पड़ता है। आई एम डी ने नागरिकों को सूर्य के सीधे संपर्क से बचने, विशेषकर दोपहर के चरम घंटों में बाहर न निकलने, पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहने, हल्के और सांस लेने योग्य कपड़े पहनने तथा उच्च तापमान के दौरान कठिन बाहरी गतिविधियों से बचने की सलाह दी है। बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों को विशेष सावधानी बरतने की हिदायत दी गई है। मौसम विभाग को अगले कुछ दिनों में कुछ राहत की उम्मीद है। पूर्वानुमान के अनुसार हल्की बारिश, गरज-चमक और तेज हवाएं आ सकती हैं। अधिकतम तापमान गिरकर 38-40 डिग्री सेल्सियस तक आ सकता है। स्कूलों का समय बदलना और छुट्टियाँ घोषित करना तात्कालिक समस्या का समाधान है, लेकिन असली जरूरत दीर्घकालिक नीति की है। जागरूकता, तैयारी और आधिकारिक दिशानिर्देशों का पालन ही इस कठिन मौसम में सुरक्षित रहने की कुंजी है। सरकारों को शहरी ताप द्वीप प्रभाव कम करने, हरित आवरण बढ़ाने और कमजोर वर्गों – दिहाड़ी मजदूर, किसान, बेघर लोग – के लिए विशेष राहत केंद्र बनाने की दिशा में काम करना होगा। बच्चे हमारा भविष्य हैं और उनकी सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। लेकिन साथ ही यह भी सोचना होगा कि आखिर हर साल यह संकट क्यों गहरा होता जा रहा है। जलवायु परिवर्तन की चुनौती से मुँह मोड़कर केवल स्कूलों की छुट्टी से काम नहीं चलेगा – इसके लिए ठोस पर्यावरणीय नीतियाँ, कार्बन उत्सर्जन में कटौती और सतत विकास की राह अपनानी होगी। अन्यथा आने वाली पीढ़ियाँ न केवल परीक्षाओं की चिंता में होंगी, बल्कि जीवन की बुनियादी परिस्थितियों के लिए भी संघर्ष करती रहेंगी।

कौन कर रहा है अमेरिकी वैज्ञानिकों का पीछा?

मुकुंद (हि.स)

अमेरिका में साल 2023 से संवेदनशील अनुसंधान कार्यक्रम से जुड़े कम से कम 10 वैज्ञानिकों की मौत हो चुकी या राह चलते गायब हो चुके हैं। इनमें से कुछ का तो कत्ल भी किया गया। गायब हो रही देश की बौद्धिक संपदा को जमीन निगल गई या आसमान खा गया, इसका सीधा जवाब किसी के पास भी नहीं है। इनका संबंध अमेरिका न्यूक्लियर और एयरोस्पेस रिसर्च से रहा है। इससे यह सवाल खड़ा हो गया है कि क्या इन घटनाओं के बीच कोई आपसी संबंध है? इस समय एफबीआई जवाब की तलाश में फाइलों की धूल झाड़ रही है। अमेरिकी मीडिया के खुलासे के बाद संघीय एजेंसी ने कहा कि जवाब खोजने के लिए ऊर्जा विभाग, युद्ध विभाग और स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर जांच की जा रही है।

सत्तारूढ़ रिपब्लिकन पार्टी के नेतृत्व वाली हाउस ओवरसाइट कमेटी ने अलग से जांच करने का फैसला लिया है। कमेटी का कहना है कि इन लोगों की पहुंच संवेदनशील वैज्ञानिक जानकारियों तक थी। नासा ने कहा कि मारे गए या गायब हो चुके वैज्ञानिकों के संबंध में संबंधित एजेंसियों के साथ जांच में समन्वय और सहयोग कर रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसे काफी गंभीर मामला बताया है। हाउस ओवरसाइट कमेटी के चेयरमैन जेम्स कोमर का मानना है हत्या, मौत या गायब होना महज इत्तेफाक नहीं हो सकता। कांग्रेस भी चिंतित है। इस कमेटी के सदस्य डेमोक्रेट जेम्स वॉकिनशॉ ने तो यहां तक कहा है कि इन मामलों के पीछे कोई सुनियोजित साजिश या मकसद छिपा है।

एफबीआई ने 30 जुलाई, 2023 को 59 वर्ष की आयु में दुनिया को अलविदा कहने वाले नासा के वैज्ञानिक माइकल डेविड हिक्स की मौत को भी जांच के दायरे में लिया है। उन्होंने नासा की जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी (जेपीएल) में लगभग 25 साल तक काम किया था। अमेरिकन एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी के मुताबिक, लेबोरेटरी में करियर के दौरान उन्होंने धूमकेतुओं और क्षुद्रग्रहों पर विशेषज्ञता हासिल की थी। उनकी मौत की वजह का खुलासा नहीं किया गया। उनकी बेटी जूलिया हिक्स यह जानकर हैरत में है कि पिता की मौत पर रहस्य का पर्दा पड़ा है। एजेंसी ने फ्रैंक माइवाल्ड और मोनिका रेजा की मौत के कारणों को भी सामने लाने का फैसला किया है। कहते हैं कि इसके बाद के सालों में जेपीएल से जुड़े कई और लोग भी मारे गए या लापता हो गए। अंतरिक्ष अनुसंधान के विशेषज्ञ फ्रैंक माइवाल्ड की 2024 में लॉस एंजिल्स में 61 साल की आयु में मौत हो चुकी है। 60 साल की एयरोस्पेस इंजीनियर मोनिका रेजा जून 2025 में लॉस एंजिल्स के एक जंगल में हाइकिंग करते समय लापता हो गई हैं। हाउस ओवरसाइट कमेटी ने बताया कि रेजा नासा की जेपीएल के मटीरियल्स प्रोसेसिंग ग्रुप की डायरेक्टर थीं। एयर फोर्स के रिटायर्ड मेजर जनरल विलियम नील मैककैसलैंड (68) लापता हैं। उन्हें इसी साल 27 फरवरी को अल्बुकर्क (न्यू मैक्सिको) में अपने घर से बाहर निकलते हुए देखा गया था। वह अपना फोन, चश्मा और पहनने वाले डिवाइस घर पर ही छोड़ गए थे। मैककैसलैंड पेंटागन के कुछ सबसे उन्नत एयरोस्पेस शोध कार्यों के केंद्र में थे। उन्होंने एक समय राइट पैटर्सन एयर फोर्स बेस स्थित 'एयर फोर्स रिसर्च लैबोरेटरी' की कमान भी संभाली थी।

एफबीआई के एजेंट उन्हें सारी दुनिया में तलाश रहे हैं। कहते हैं कि इस बेस पर कथित 'रोसवेल घटना' से जुड़ा किसी बाहरी ग्रह का मलबा रखा है। उनकी पत्नी सुसान मैककैसलैंड विल्करसन ने फेसबुक पोस्ट में माना है कि यह सच है कि नील का यूएफओ समुदाय के साथ कुछ समय के लिए जुड़ाव रहा। यह जुड़ाव किसी के लिए नील को अगवा करने का कारण नहीं हो सकता।

न्यू मेक्सिको के प्रमुख परमाणु अनुसंधान केंद्र लॉस एलामोस नेशनल लेबोरेटरी से जुड़े दो वैज्ञानिक मेलिसा कैसियस और एंथनी चावेज भी लापता हैं। न्यू मैक्सिको स्टेट पुलिस के अनुसार, 53 वर्षीय कैसियस को आखिरी बार जून 2025 में न्यू मैक्सिको के तालपा के पास एक हाईवे पर देखा गया था। वह अपना सामान घर पर ही छोड़ गई थीं और उनका फोन फैक्टरी-रीसेट किया हुआ था। इससे पहले मई में 78 वर्षीय चावेज लापता हो गए थे। वह इसी लेबोरेटरी में फोरमैन थे।

हाल के महीनों में कई जाने-माने वैज्ञानिकों की हत्या ने भी अटकलों को हवा दी है। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के प्रोफेसर नूनो एफ.जी. लोरेइरो की दिसंबर 2025 में बोस्टन के पास उनके घर पर एक बंदूकधारी ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। 47 वर्षीय भौतिक विज्ञानी और फ्यूजन वैज्ञानिक लोरेइरो संस्थान के प्लाज्मा साइंस एंड फ्यूजन सेंटर का नेतृत्व कर रहे थे। उनका उद्देश्य स्वच्छ ऊर्जा तकनीक और अन्य शोध कार्यों को आगे बढ़ाना था। खगोल भौतिक विज्ञानी कार्ल ग्रिलमेयर की इसी साल फरवरी में 67 साल की आयु में लॉस एंजिल्स के बाहर इलाके में उनके घर पर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वह कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में काम करते थे। नासा के साथ मिलकर काम करने वाले ग्रिलमेयर सौर मंडल के बाहर के ग्रहों पर पानी की खोज से जुड़े अपने अध्ययनों के लिए मशहूर रहे हैं।

साल 2024 में अमेरिकी वायुसेना के पूर्व खुफिया अधिकारी 39 वर्षीय मैथ्यू जेम्स सुलिवन की मौत आज भी रहस्य बनी हुई है। उन्होंने यूएफओ से जुड़े एक संघीय व्हिसलब्लोअर मामले में गवाही देने से पहले आत्महत्या कर ली थी। इस बीच 2022 में हुई एमी एस्क्रिडेज की मौत ने लोगों का ध्यान खींचा है। 34 वर्षीय एस्क्रिडेज ने हंट्सविले (अलबामा) में इंस्टीट्यूट फॉर एग्जॉटिक साइंस की स्थापना की थी। राष्ट्रपति ट्रंप ने इन सभी घटनाओं पर से डेढ़ हफ्ते में पर्दा उठने की उम्मीद जताई है। व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने कहा कि सच को सामने लाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। एफबीआई डायरेक्टर काश पटेल का मानना है कि इन मामलों में विदेशी कनेक्शन की तलाश की जा रही है। काश ऐसा हो जाए।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

भारत-न्यूजीलैंड ने नए आर्थिक संघ की शुरूआत की दोनों देशों के लोगों के लिए एक लाभकारी समझौता

राजेश अग्रवाल

आधुनिक आर्थिक इतिहास के अधिकाँश समय के लिए व्यापार का तर्क सरल था: तुलनात्मक लाभ। यह प्रणाली काम करती थी - जब तक कि यह समझौता नहीं हुआ था। हाल के वर्षों में, भू-राजनीतिक तनावों और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के पुनर्गठन के साथ, व्यापार समझौतों की संरचना का फिर से निर्माण किया जा रहा है। समान विचारधारा वाले लोकतंत्रों के लिए, सवाल अब यह नहीं है कि एकीकृत होना चाहिए या नहीं, बल्कि यह कि कितना गहराई से और कितनी तेजी से एकीकृत होना चाहिए। भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की अपनी महत्वाकांक्षा की ओर आगे बढ़ रहा है। देश ने पूर्व –इस बार भारत-प्रशांत क्षेत्र – की ओर अपना ध्यान केंद्रित किया है। भारत ऐसे साझेदारों की तलाश में है, जो आर्थिक एकीकरण और अपने नागरिकों की समृद्धि के लिए इसके दृष्टिकोण को साझा करते हैं। न्यूजीलैंड के रूप में, भारत को बिल्कुल ऐसा ही देश मिला।

यह रिश्ता लंबे समय से बन रहा था और पहली नजर में इसका विस्तार व्यापार से आगे तक है। लगभग 3,00,000 भारतीय मूल के लोग न्यूजीलैंड में रहते हैं, जो इसकी आबादी का लगभग 5 प्रतिशत हैं– ये एक ऐसे सेतु का निर्माण करते हैं, जो उतना ही सांस्कृतिक है, जितना कि आर्थिक। इसलिए यह आश्चर्य की बात नहीं है कि द्विपक्षीय वस्तु व्यापार वित्त वर्ष 2024-25 में 1.3 बिलियन डॉलर पहुंच गया और पिछले वर्ष की तुलना में इसमें 49 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी – यह आंकड़ा तेज वृद्धि का संकेत देता है। सेवा व्यापार भी 13 प्रतिशत बढ़ गया है। दो क्रिकेट राष्ट्रों का एक साथ आना, न केवल रोमांचक है, बल्कि पहले से चल रही साझेदारी को भी रेखांकित करता है।

प्रतिस्पर्धी निर्माण केंद्रों के बीच व्यापार समझौतों के विपरीत, इस साझेदारी की ताकत इसकी पूरक भूमिका में निहित है। भारत पैमाने की पेशकश करता है: 1.4 अरब लोग, एक उभरता हुआ मध्यम वर्ग और एक विश्वस्तरीय डिजिटल और सेवा अवसंरचना। न्यूजीलैंड विशेषज्ञता की पेशकश करता है: उच्च-तकनीक कृषि, सतत वानिकी और विशिष्ट निर्माण तकनीक। दोनों देशों की पूरक भूमिका ही इस साझेदारी की नींव है।

बेहतर बाजार पहुंच:

एफटीए स्पष्टता और आकर्षक विशेषताओं के साथ संतुलन स्थापित करता है। भारत ने संवेदनशील उत्पादों को बाहर रखा है, जैसे डेयरी, अधिकांश पशु उत्पाद, सब्जियां, चीनी, कृत्रिम शहद, वसा और तेल, हथियार और गोला-बारूद, तांबा और एल्युमिनियम के सामान। शत-प्रतिशत भारतीय निर्यात पर शुल्क हटा दिए गये हैं, जिससे निरंतर मौजूद बाधा समाप्त हो गयी है: यह बाधा प्रमुख शुल्क लाइनों पर 10 प्रतिशत तक के शुल्क के रूप में मौजूद थी। यह प्रगति श्रम-गहन क्षेत्रों जैसे वस्त्र, परिधान, चमड़ा, सिरामिक और कालीन तथा उच्च-वृद्धि वाले वाहन और इंजीनियरिंग उद्योगों के लिए तत्काल प्रतिस्पर्धा आधारित प्रोत्साहन प्रदान करती है। भारत का वस्त्र और परिधान निर्यात, जो पहले से ही वैश्विक स्तर पर बढ़ रहा है, अब न्यूजीलैंड के बाजार में प्रवेश कर रहा है, जो लगभग 1.9 बिलियन डॉलर मूल्य के ऐसे सामानों का वार्षिक आयात करता है और शून्य-शुल्क पहुँच की सुविधा देता है। इंजीनियरिंग निर्यात, जो दुनिया भर में 110 बिलियन डॉलर से भी अधिक हो गया है, अब ऐसे बाजार में भी वैसी ही गति पकड़ रहा है, जो 11 बिलियन डॉलर के इंजीनियरिंग उत्पाद आयात करता है। चमड़ा, दवाएँ, समुद्री उत्पाद और प्लास्टिक–ये सभी क्षेत्र जो पहले टैरिफ की वजह से बाधित थे–अब आगे बढ़ने और फलने-फूलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

भारत-प्रशांत क्षेत्र में विविधीकरण और विस्तार:

यह समझौता दोनों देशों को उनके पारंपरिक बाजारों से हटकर अपने व्यापार में विविधता लाने में मदद करता है। एक ओर, यह भारत को न्यूजीलैंड–जो संसाधनों से समृद्ध एक विकसित अर्थव्यवस्था है–में शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच प्रदान करता है; वहीं दूसरी ओर, न्यूजीलैंड की कंपनियों के लिए यह न केवल दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले भारतीय बाजार, जहाँ 1.46 अरब लोग रहते हैं, के द्वार खोलता है, बल्कि दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था तक भी पहुंच सुनिश्चित करता है। इसके अलावा, यह न्यूजीलैंड को चीन पर अपनी निर्यात निर्भरता कम करने में मदद करता है–क्योंकि उसके कुल माल निर्यात का 28% से अधिक हिस्सा चीन जाता है–और साथ ही इसकी आयात आपूर्ति श्रृंखलाओं में सुदृढ़ता लाने में भी सहायक सिद्ध होता है। अब भारत की पहुंच केवल किसी एक विकसित अर्थव्यवस्था तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसकी पहुंच दक्षिण प्रशांत क्षेत्र के एक व्यापक क्षेत्रीय इकोसिस्टम तक हो गई है। इससे भारतीय निर्यातकों के लिए अधिक निश्चितता और बड़े पैमाने पर अपना परिचालन करना कहीं अधिक आसान हो गया है। यह बाजार तक पहुँच में बिखराव को कम करता है और उन व्यवसायों के लिए एक सुगम मार्ग तैयार करता है, जो प्रशांत क्षेत्र में अपना विस्तार करना चाहते हैं।

भारत में व्यापार-आधारित विकास कई विकल्प देता है। देश के स्तर पर, भारत-न्यूजीलैंड एफटीए से व्यापक और संरचना निहित लाभ मिलने की उम्मीद है, जो भारत के निर्यात आधार के भौगोलिक रूप से व्यापक और क्षेत्रीय रूप से विशिष्ट स्वरूप को प्रतिबिंबित करता है। गुजरात के रसायन और रत्न, महाराष्ट्र की दवाएं और वाहन कल-पुर्जे, तमिलनाडु के वस्त्र, उत्तर प्रदेश के चमड़े और हस्तशिल्प, पंजाब के कृषि-आधारित उत्पाद, कर्नाटक की दवाएं और इलेक्ट्रॉनिक्स तथा पश्चिम बंगाल की चाय और इंजीनियरिंग सामान–ये सभी बेहतर मूल्य प्रतिस्पर्धा से लाभ प्राप्त करने की स्थिति में हैं। आंध्र प्रदेश और केरल जैसी तटीय अर्थव्यवस्थाओं को समुद्री निर्यात में बेहतर मूल्य प्राप्ति होगी, जबकि पूर्वोत्तर क्षेत्र को चाय, मसाले, बांस और जैविक उत्पादों के लिए बेहतर बाजार पहुँच मिल सकती है। अब निर्यात में और विविधता लायी जा सकती है।

सौभाग्य से, व्यापार दोनों तरफ से होता है। भारत ने अपनी 70.03% टैरिफ लाइनों पर टैरिफ में ढील दी है, जबकि 29.97% टैरिफ लाइनों को छूट से बाहर रखा है; इसमें न्यूजीलैंड के साथ मौजूदा द्विपक्षीय व्यापार के 95% मूल्य को शामिल किया गया है। उद्योग के लिए हमारे मुख्य इनपुट पर तुरंत ड्यूटी खत्म कर दी गई है। लकड़ी और लकड़ी के गूदे जैसे आयात से कागज, पैकेजिंग, फर्नीचर और निर्माण क्षेत्रों को मदद मिलेगी। यह समझौता ऊन, और लौह व अलौह पदार्थों के कचरे और स्क्रैप तक पहुँच को भी बेहतर बनाता है, जिससे घरेलू उद्योगों को प्रतिस्पर्धी बनने में मदद मिलेगी। ये विनिर्माण को बढ़ावा देने वाले कारक हैं। इनकी लागत कम करके, यह समझौता एक महत्वपूर्ण काम करता है: यह भारतीय विनिर्माण के प्रतिस्पर्धा आधार को बदल देता है।

न्यूजीलैंड के लिए, हिसाब-किताब अलग है। भारत का मतलब है बड़ा पैमाना–विविधीकरण की रणनीति में एक जरूरी कड़ी, जो इतने बड़े मौके देती है कि कुछ ही देश उसकी बराबरी कर सकते हैं। 422 अरब डॉलर से ज्यादा के विदेशी निवेश के साथ, न्यूजीलैंड की वैश्विक मौजूदगी पहले से ही काफी बड़ी है। भारत सिर्फ. एक बाजार ही नहीं, बल्कि उत्पादन, तकनीक और मानव संसाधन के क्षेत्र में भी साझेदारी का अवसर देता है। 20 अरब डॉलर के निवेश के वादे के साथ, इस रिश्ते का दीर्घावधि रणनीतिक स्वरूप है–एक ऐसा स्वरूप जो रोजगार पैदा करने, क्षमताओं को मजबूत करने और लेन-देन वाले जुड़ाव से आगे बढ़कर एक ऐसी साझेदारी में विकसित होने के लिए खास तौर पर तैयार किया गया है जो स्थायी, अंतर्निहित और लंबे समय तक चलने वाली हो।

वस्तु व्यापार से आगे का एफटीए

शायद इस साझेदारी का सबसे अहम पहलू इसकी बुनियादी बातों पर वापसी है: कृषि। कृषि तकनीक एक मुख्य स्तंभ के तौर पर उभरती है। यह समझौता एक 'कृषि उत्पादकता साझेदारी' की रूपरेखा तैयार करता है, जो ज्ञान के आदान-प्रदान की दिशा में आगे बढ़ती है। प्रशीतन-श्रृंखला लॉजिस्टिक्स, सटीक खेती और कटाई के बाद के प्रबंधन में न्यूजीलैंड की विशेषज्ञता, पैदावार बढ़ाने और बबादी कम करने की भारत की जरूरत के अनुरूप है। कीवी फल, सेब और शहद के लिए कार्य योजनाएँ तथा उत्पादकों के लिए 'उत्कृष्टता केंद्र' और तकनीकी सहायता, बाजार तक पहुँच के साथ के साथ जोड़ी गई हैं। सेब, कीवी फल और मानुका शहद जैसे उत्पादों का आयात टैरिफ दर कोटा, न्यूनतम आयात मूल्य और मौसमी समय-सीमा के जरिए नियंत्रित किया गया है–ये ऐसे तंत्र हैं जिन्हें उपभोक्ता की पसंद और घरेलू सुरक्षा के बीच संतुलन बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। इसकी बनावट बहुत सोच-समझकर, लगभग सर्जिकल सटीकता के साथ तैयार की गई है।

सेवाओं के क्षेत्र में, यह समझौता एक नए क्षेत्र में कदम रखता है: प्रतिभा का संस्थागत रूप देना। आईटी, इंजीनियरिंग, स्वास्थ्य सेवा और अन्य क्षेत्रों के कुशल भारतीय पेशेवरों के लिए 5,000 वीजा का एक समर्पित कोटा, अस्थायी आवाजाही के लिए एक व्यवस्थित मार्ग की सुविधा देता है। तीन साल तक वैध रहने वाले ये वीजा, न्यूजीलैंड में श्रम की अनुमानित कमी–जिसके 2045 तक 250,000 श्रमिकों तक पहुँचने का अनुमान है–को पूरा करने के साथ-साथ भारत के विशाल पेशेवर आधार का लाभ उठाने के लिए डिजाइन किए गए हैं। आयुष चिकित्सकों, योग प्रशिक्षकों, भारतीय रसोइयों और संगीत शिक्षकों को औपचारिक रूप से मान्यता दी गई है, जिससे कुशल पेशेवरों की आवाजाही की परिभाषा पारंपरिक क्षेत्रों से आगे बढ़कर और व्यापक हो गई है।

छात्रों के आवागमन और पढ़ाई के बाद काम करने के वीजा से जुड़े प्रावधान, पढ़ाई के दौरान हर हफ़्ते 20 घंटे तक काम करने के अधिकार की गारंटी देते हैं और पढ़ाई के बाद वहाँ रहने की सुविधा देते हैं - एसटीईएम स्नातकों के लिए तीन साल तक और डॉक्टर डिग्री के शोधार्थियों के लिए चार साल तक। इन प्रावधानों को एक संधि के दायरे में शामिल करके, उन्हें घरेलू नीति में होने वाले बदलावों की अस्थिरता से सुरक्षित रखा गया है।

पूवार्नुमान, सबसे पहले

यह समझौता एक ऐसी दुनिया में पूवार्नुमान को सुनिश्चित करने का एक प्रयास है, जहाँ ऐसा अवसर कम ही मिलता है।

इस समझौते का दायरा इससे भी कहीं अधिक विस्तृत है: एमएसएमई में सहयोग; भौगोलिक संकेतकों के लिए यूरोपीय मानकों के अनुरूप बौद्धिक संपदा अधिकार; दवाओं की मंजूरी में तेजी लाना; और डिजिटल सीमा शुल्क प्रक्रियाएँ–जिसमें खराब होने वाली वस्तुओं के लिए निकासी का समय घटकर मात्र 24 घंटे रह गया है। इन प्रावधानों को एक औपचारिक संधि में शामिल करके, यह एफटीए व्यापक सहयोग और मानव पूंजी के विकास के लिए एक उत्प्रेरक का काम करता है। 27 अप्रैल 2026 को, दोनों देशों ने एक ऐसी साझेदारी को औपचारिक रूप दिया है, जो आने वाले दशकों तक उनके क्षेत्रीय जुड़ाव को आकार देगी।

व्यापार समझौतों की भाषा में, यह एक सफलता है। भू-राजनीति की भाषा में, यह एक ताल-मेल है।

(लेखक वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग के सचिव हैं)

आज का राशिफल

मेष: कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। *(सिटी दर्पण)*

वृषभ: शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। *(सिटी दर्पण)*

मिथुन: शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। *(सिटी दर्पण)*

कर्क: रुपये पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। *(सिटी दर्पण)*

सिंह: समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। *(सिटी दर्पण)*

कन्या: आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आगे बढने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। *(सिटी दर्पण)*

तुला: निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिक: घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। दवा-दारू में ज्यादा खर्च होगा। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। *(सिटी दर्पण)*

धनु: चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अतः धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। *(सिटी दर्पण)*

मकर: थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

कुंभ: कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेग में आकर किये गए कार्यों का मलाल, अवसाद रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

मीन: प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। *(सिटी दर्पण)*

वाशिंगटन हिल्टन में इतिहास की पुनरावृत्ति या अमेरिकी लोकतंत्र की कमजोरी?

डॉ. प्रियंका सौरभ (हि.स)

अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन के प्रतिष्ठित वाशिंगटन हिल्टन होटल में शनिवार रात हुई गोलीबारी ने पूरी दुनिया को एक बार फिर चौंका दिया। यह केवल सुरक्षा संबंधी घटना नहीं है, बल्कि एक ऐसा क्षण है जिसने इतिहास, राजनीति और लोकतंत्र–तीनों को एक साथ खड़ा कर दिया। व्हाइट हाउस संवाददाता रात्रिभोज के दौरान अचानक गोलियों की आवाज गूंजी, तो वहां मौजूद हजारों लोगों के लिए यह किसी भयावह स्वप्न से कम नहीं रहा। इस कार्यक्रम में डोनाल्ड ट्रंप, मेलानिया ट्रंप और जेडी वेंस जैसे शीर्ष नेता उपस्थित थे। कुछ ही पलों में उत्सव का माहौल भय और अराजकता में बदल गया। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस की तत्परता ने स्थिति को नियंत्रित कर लिया, लेकिन इस घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए, जिनका उत्तर सरल नहीं है।

इस घटना की सबसे चौंकाने वाली और साथ ही डरावनी बात यह है कि यह पहली बार नहीं हुआ। यही होटल, जिसे कभी हिंकली हिल्टन के नाम से भी जाना जाता रहा है, पहले भी अमेरिकी इतिहास की एक बड़ी हिंसक घटना का गवाह रह चुका है। वर्ष 1981 में इसी स्थान के बाहर तत्कालीन राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन पर जॉन हिंकली जूनियर ने गोली चलाई थी। हमले में रीगन गंभीर रूप से घायल हो गए थे और उनके प्रेस सचिव जेम्स ब्रैडी को स्थायी रूप से विकलांगता का सामना करना पड़ा। उस समय भी यही सवाल उठे थे–सुरक्षा में चूक कैसे हुई? और आज, लगभग 45 वर्ष बाद, वही प्रश्न फिर हमारे सामने खड़ा है। फर्क सिर्फ इतना है कि अब दुनिया कहीं अधिक जटिल हो चुकी है और खतरों के स्वरूप भी बदल चुके हैं।

हिल्टन में मौजूद लोगों के अनुसार सब कुछ सामान्य ढंग से चल रहा था। हंसी-मजाक, भाषण, मीडिया और राजनीति का मिश्रण–यह रात्रिभोज हमेशा से अमेरिकी लोकतंत्र की एक अनूठी परंपरा रहा है। लेकिन अचानक हुई गोलीबारी ने इस परंपरा को झकझोर कर रख दिया। लोग मेजों के नीचे छुप गए। अफरा-तफरी मच गई और कुछ ही क्षणों में पूरा वातावरण नियंत्रण से बाहर होता प्रतीत हुआ। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई बड़ा जान-माल का नुकसान नहीं हुआ, लेकिन मानसिक और मनोवैज्ञानिक प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह घटना केवल एक सुरक्षा चूक नहीं है, बल्कि यह अमेरिकी समाज में बढ़ते राजनीतिक तनाव का भी संकेत देती है।

पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका में वैचारिक ध्रुवीकरण तेजी से बढ़ा है। 6 जनवरी कैपिटल दंगा जैसी घटनाएं यह दिखा चुकी हैं कि राजनीतिक मतभेद अब केवल बहस और विचार-विमर्श तक सीमित नहीं रह गए हैं। वे सड़कों पर, संस्थानों में और अब उच्च-स्तरीय आयोजनों में भी खुलकर सामने आ रहे हैं। इस संदर्भ में वाशिंगटन हिल्टन की यह घटना एक अलग घटना नहीं लगती, बल्कि एक व्यापक प्रवृत्ति का हिस्सा प्रतीत होती है। डोनाल्ड ट्रंप की राजनीति भी इस पूरे परिदृश्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उनकी अमेरिका फर्स्ट और मेक अमेरिका ग्रेट अगेन जैसी नीतियों ने जहां एक बड़े वर्ग को आकर्षित किया, वहीं दूसरी ओर समाज के एक हिस्से में असंतोष और विरोध भी पैदा किया। मीडिया के साथ उनका टकराव, फेक न्यूज जैसे शब्दों का प्रयोग और राजनीतिक विरोधियों के प्रति तीखी भाषा–इन सबने सामाजिक माहौल को और अधिक संवेदनशील बना दिया। ऐसे में जब कोई हिंसक घटना घटित होती है, तो वह केवल एक व्यक्ति का कृत्य नहीं प्रतीत होती, बल्कि उस व्यापक सामाजिक और राजनीतिक वातावरण का परिणाम लगती है जिसमें असहमति को अक्सर शत्रुता के रूप में देखा जाने लगा है।

सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस को विश्व की सबसे सक्षम सुरक्षा एजेंसियों में गिना जाता है। 1981 की घटना के बाद इसमें कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए–अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग, अधिक प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मी, और उन्नत निगरानी प्रणाली। फिर भी इस प्रकार की घटना का होना यह दशार्ता है कि भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक आयोजनों में जोखिम को पूरी तरह समाप्त नहीं किया जा सकता। आज के समय में खतरे केवल पारंपरिक हथियारों से नहीं आते, बल्कि वे मानसिक अस्थिरता, ऑनलाइन कट्टरता और व्यक्तिगत निराशा जैसे कारकों से भी जुड़े होते हैं।

इस घटना का एक और महत्वपूर्ण पहलू है –डिजिटल युग और सोशल मीडिया की भूमिका। आज विचारों का प्रसार अत्यंत तेज गति से होता है। गलत जानकारी, षड्यंत्र सिद्धांत और कट्टरपंथी विचारधाराएं कुछ ही समय में लाखों लोगों तक पहुंच जाती हैं। जहां 1981 में जॉन हिंकली जूनियर पर फिल्मों के प्रभाव की चर्चा हुई थी, वहीं आज के समय में हमलावरों पर डिजिटल दुनिया और सोशल मीडिया का प्रभाव अधिक देखा जाता है। यह बदलाव सुरक्षा एजेंसियों के सामने नई चुनौतियां प्रस्तुत करता है, क्योंकि अब खतरे की पहचान करना और उसे समय रहते रोकना पहले से कहीं अधिक कठिन हो गया है।

वैश्विक स्तर पर भी इस घटना के प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अमेरिका को दुनिया का सबसे शक्तिशाली लोकतंत्र माना जाता है, और वहां होने वाली घटनाएं अन्य देशों के लिए संकेत का काम करती हैं। भारत जैसे देशों के लिए जहां बड़े पैमाने पर राजनीतिक और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित होते हैं, यह एक चेतावनी है। केवल तकनीकी रूप से सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना पर्याप्त नहीं है, इसके साथ-साथ सामाजिक सौहार्द, संवाद और आपसी विश्वास को भी बढ़ावा देना आवश्यक है।

इस घटना ने एक गहरा प्रश्न भी उठाया है–क्या लोकतंत्र वास्तव में सुरक्षित है? लोकतंत्र केवल चुनाव और संस्थाओं का नाम नहीं है, बल्कि यह एक विचारधारा है जिसमें असहमति को स्वीकार किया जाता है और संवाद को प्राथमिकता दी जाती है। जब समाज में संवाद की जगह टकराव ले लेता है तो लोकतंत्र की नींव कमजोर होने लगती है। वाशिंगटन हिल्टन की यह घटना इसी संभावित कमजोरी की ओर संकेत करती है।

इसके सामाजिक निहितार्थ भी अत्यंत गहरे हैं। मीडिया, जो इस कार्यक्रम का मुख्य केंद्र होता है, स्वयं इस घटना का हिस्सा बन गया। पत्रकार, जो सत्ता से प्रश्न पूछने और लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए वहां उपस्थित थे, अचानक स्वयं एक संकट का सामना करने लगे। यह स्थिति हमें यह सोचने पर विवश करती है कि क्या प्रेस की स्वतंत्रता और उसकी भूमिका को लेकर समाज में बढ़ती असहिष्णुता भी इस प्रकार की घटनाओं को जन्म दे रही है।

अंततः, यह घटना केवल अमेरिका के लिए नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लिए एक चेतावनी है। इतिहास स्वयं को दोहराता है, लेकिन हर बार वह एक नया संदेश भी देता है। 1981 की घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था में सुधार हुए थे। 2026 की इस घटना के बाद संभवतः और व्यापक बदलावों की आवश्यकता होगी। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन तकनीक या सुरक्षा में नहीं, बल्कि हमारी सोच में होना चाहिए। जब तक समाज में सहिष्णुता, संवाद और पारस्परिक सम्मान को बढ़ावा नहीं मिलेगा, तब तक ऐसी घटनाओं को पूरी तरह रोक पाना कठिन रहेगा।

वाशिंगटन हिल्टन की यह रात केवल एक घटना नहीं, बल्कि एक दर्पण है–जिसमें हम लोकतंत्र की शक्ति और उसकी कमजोरियों दोनों को स्पष्ट रूप से देख सकते हैं। यह हमें यह याद दिलाती है कि लोकतंत्र की रक्षा केवल कानून और सुरक्षा एजेंसियों के भरोसे नहीं की जा सकती, बल्कि यह नागरिकों की सोच, उनके व्यवहार और उनके मूल्यों पर भी निर्भर करती है। यदि हम इस संदेश को समझ लें, तो शायद भविष्य में इतिहास को स्वयं को दोहराने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

पंजाब गर्मियों में रिकॉर्ड बिजली मांग को पूरा करने और निर्बाध आपूर्ति के लिए तैयार: संजीव अरोड़ा

बिजली की मांग 10 दिनों के भीतर 7,900 मेगावाट से बढ़कर 12,000 मेगावाट से अधिक हुई, पीएसपीसीएल ने ग्रिड स्थिरता बनाए रखी: संजीव अरोड़ा

यज्ञांश शर्मा
चंडीगढ़

गर्मी बढ़ने के कारण बिजली की मांग में तेज और अचानक वृद्धि को देखते हुए भगवंत मान सरकार ने पूरे पंजाब में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए तुरंत कदम उठाए हैं। बिजली मंत्री संजीव अरोड़ा ने कहा कि भले ही पंजाब में बिजली की मांग दस दिनों के भीतर 7,900 मेगावाट से बढ़कर 12,000 मेगावाट से अधिक हो गई है, लेकिन चिंता की कोई बात नहीं है क्योंकि राज्य में स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है।

मिशन रोशन के तहत 6,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बिजली ढांचे के सुधार परियोजनाओं और गैर-योजनाबद्ध आउटेज में लगभग 70 प्रतिशत की कमी के साथ पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल) ग्रिड स्थिरता बनाए रखने में सफल रहा है, वह भी ऐसे समय में जब देश के कई हिस्से बिजली की कमी से जूझ रहे हैं। इससे पंजाब गर्मियों में बिजली की चरम मांग के प्रबंधन में अग्रणी राज्यों की कतार में शामिल हो गया है। आज यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पंजाब के बिजली मंत्री संजीव अरोड़ा ने जोर देकर कहा कि भगवंत मान सरकार ने वर्तमान गर्मी के मौसम के दौरान बिजली की मांग में अचानक वृद्धि से निपटने के लिए व्यापक प्रबंध किए हैं और भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में राज्य भर में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की है। उन्होंने कहा कि पीएसपीसीएल वर्तमान गर्मी के मौसम के दौरान बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने और पूरे राज्य में निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

बिजली मंत्री ने मांग में हाल ही में हुई वृद्धि पर बात करते हुए कहा कि अचानक गर्मी बढ़ने के कारण पिछले कुछ दिनों में पंजाब में बिजली की मांग तेजी से बढ़ी है। उल्लेखनीय है कि राज्य में बिजली की मांग 15 अप्रैल को लगभग 7,900 मेगावाट से बढ़कर 25 अप्रैल तक 12,000 मेगावाट से अधिक हो गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 12 प्रतिशत अधिक है।

पंजाब की तैयारियों पर जोर देते हुए उन्होंने आगे कहा कि इस अचानक वृद्धि के बावजूद पीएसपीसीएल ने समय पर योजना, मजबूत बुनियादी ढांचे और

- मिशन रोशन पंजाब के तहत बिजली कटौती से निपटने के लिए 6,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बिजली ढांचे को मजबूत किया गया: संजीव अरोड़ा
- गैर-योजनाबद्ध आउटेज में लगभग 70 प्रतिशत की कमी, पीएसपीसीएल गर्मियों में बिजली की चरम मांग को पूरा करने के लिए पूरी तरह तैयार: अरोड़ा

अग्रिम बिजली प्रबंधन के माध्यम से मांग को सफलतापूर्वक संभालते हुए ग्रिड स्थिरता बनाए रखी है।

कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा ने देशभर की स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर भी बिजली की मांग रिकॉर्ड स्तर पर है और देश ने 24 अप्रैल को 252 गीगावाट की सर्वाधिक मांग दर्ज की, जबकि उपलब्ध आपूर्ति लगभग 239 गीगावाट थी, जिससे 13 गीगावाट की कमी उत्पन्न हुई। कई राज्य बिजली की कमी और कटौती का सामना कर रहे हैं, लेकिन सक्रिय योजना के कारण पंजाब की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर है।

मुख्यमंत्री के निर्देशों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान ने बिजली मंत्री और पीएसपीसीएल की पूरी टीम को निर्देश दिए हैं कि बिजली कटौती के कारण लोगों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, जिसके तहत सभी विभाग मिशन मोड में काम कर रहे हैं। इस संबंध में उठाए गए कदमों का विवरण देते हुए संजीव अरोड़ा ने कहा कि अन्य राज्यों के साथ बैंकिंग व्यवस्था के माध्यम से 1,500 से 2,000 मेगावाट अतिरिक्त बिजली के लिए बातचीत आगामी चरण में है।

उन्होंने आगे कहा कि वर्ष 2025 की बाढ़ के दौरान क्षतिग्रस्त हुए राज्य के हाइडल प्लांटों को बहाल किया जा रहा है, जिससे जल्द ही लगभग 300 मेगावाट अतिरिक्त क्षमता उपलब्ध होने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों और निजी स्रोतों से अतिरिक्त खरीद के माध्यम से लगभग 1,500 मेगावाट अतिरिक्त बिजली आपूर्ति का रास्ता साफ हुआ है।

उन्होंने आगे बताया कि इसके अलावा पंजाब केंद्र सरकार के पावर पूल से 2,000 मेगावाट अतिरिक्त बिजली प्राप्त करने की तैयारी कर रहा है।

उन्होंने कहा कि उपलब्ध अतिरिक्त बिजली प्राप्त करने के लिए प्रतिस्पर्धी अल्पकालिक टेंडर जारी किए गए हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि अधिक बिजली उपलब्धता को प्रोत्साहित करने के लिए दो महीनों के लिए शाम 6 बजे से सुबह 6 बजे तक व्हीलिंग चार्ज और क्रॉस सब्सिडी में छूट दी जा रही है।

बुनियादी ढांचे की मजबूती पर प्रकाश डालते हुए कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा ने कहा कि मिशन रोशन पंजाब के तहत पूरे राज्य में बिजली ढांचे को आधुनिक और मजबूत बनाने के लिए 6,000 करोड़ रुपये से अधिक का ऐतिहासिक निवेश किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि पूरे किए गए और चल रहे प्रमुख कार्यों में 70 नए सब-स्टेशन स्थापित किए जा रहे हैं, 200 मौजूदा सब-स्टेशनों का अपग्रेडेशन, 8,000 वितरण ट्रांसफार्मरों (डीटी) की स्थापना/अपग्रेडेशन, ओवरलोडिंग से संबंधित समस्याओं को कम करने के लिए 688 फीडरों को पहले ही डी-लोड किया जा चुका है, लगभग 41,000 नए डीटी स्थापित किए गए हैं और 8,380 डीटी का अपग्रेडेशन किया गया है, 7 नए 66 केवी सब-स्टेशन चालू किए गए हैं और 82 पावर ट्रांसफार्मर पूरी तरह पूर्ण किए जा चुके हैं।

सिस्टम की विश्वसनीयता के बारे में उन्होंने कहा कि पीएसपीसीएल ने पिछले वर्ष की तुलना में गैर-योजनाबद्ध बिजली आउटेज में भी काफी कमी की है। अप्रैल के तीसरे सप्ताह तक यह लगभग 70 प्रतिशत घटकर वर्ष 2025 में 13,271 से घटकर 2026 में 3,974 रह गई है, जो बुनियादी ढांचे की मजबूती के प्रभाव को दर्शाता है।

पंजाब में पोटाश के बाद अब प्राकृतिक गैस और तेल भंडारों की बड़ी संभावनाएं: बरिंदर कुमार गोयल

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के खनन एवं भू-विज्ञान मंत्री श्री बरिंदर कुमार गोयल ने आज बताया कि पोटाश की खोज के बाद अब पंजाब में प्राकृतिक गैस और तेल भंडारों की बड़ी संभावनाएं सामने आई हैं और राज्य सरकार इस दिशा में गंभीरता से ध्यान केंद्रित कर रही है। यह बात उन्होंने आज भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अधीन डायरेक्टर जनरल ऑफ हाइड्रोकार्बन (डीजीएच) और ऑयल इंडिया लिमिटेड (ओ.आई.एल) के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मगसीपा में बैठक के बाद कही, जहां केन्दीय अधिकारियों द्वारा प्रस्तावित सर्वेक्षण को पूरा करने के लिए राज्य सरकार से सहयोग का अनुरोध किया गया। श्री अजय कुमार शर्मा (एचओडी, एनडीआर, डीजीएच) की अगुवाई में आई टीम में श्री सुरेंद्र कुमार दास (डीजीएम, डीजीएच), श्री अनुप कुमार (कार्यकारी निदेशक, ओआईएल), श्री रत्नेश पांडे (सुपरिंटेंडिंग भू एवं भौतिक वैज्ञानिक, ओआईएल), श्री दुर्गेश दीप मिश्रा (पार्टी चीफ, एशियन एनर्जी सर्विसेज) और श्री चमन सिंह (सलाहकार, सिस्मिक ऑपरेशंस, एशियन एनर्जी सर्विसेज) शामिल हुए।

बैठक के दौरान राज्य में हाइड्रोकार्बन संसाधनों की खोज की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई और विस्तृत प्रस्तुति दी गई। अधिकारियों ने बताया कि भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के निर्देशानुसार ऑयल इंडिया लिमिटेड द्वारा प्राकृतिक तेल और गैस भंडारों की खोज के लिए 2डी सिस्मिक सर्वेक्षण किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि केंद्र सरकार की उच्च स्तरीय वैज्ञानिक सलाहकार समिति ने देश के उन अप्रयुक्त क्षेत्रों में व्यापक सर्वेक्षण की सिफारिश की है, जहां अभी तक खनिज और पेट्रोलियम संसाधनों की खोज नहीं हुई है। श्री अजय शर्मा ने जानकारी दी कि मंत्रालय ने पंजाब के जिला श्री मुक्तसर साहिब, बठिंडा, फरीदकोट, मोगा, जालंधर और कपूरथला के साथ-साथ राजस्थान के बाड़मेर, संचोर, जैसलमेर और बीकानेर-नागौर बेसिन तथा गंगा बेसिन एवं इसके आसपास के क्षेत्रों में सर्वेक्षण के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि पंजाब उप-बेसिन में लगभग 169 लाइन किलोमीटर क्षेत्र को कवर करते हुए बड़े पैमाने पर 2डी सिस्मिक सर्वेक्षण किया जाएगा और इस पहल को ह्मिशन अन्वेषणह् नाम दिया गया है।

लोकसभा सदस्य कंग ने भाजपा में शामिल होने वाले राज्यसभा सांसदों की आलोचना की

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के आनंदपुर साहिब से आम आदमी पार्टी के लोकसभा सदस्य मलविंदर सिंह कंग ने सोमवार को भाजपा में शामिल हुए सात राज्यसभा सदस्यों की कड़ी आलोचना करते हुए उन पर उस पार्टी के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया जिसने उन्हें बहुत सम्मान दिया। कंग ने कहा कि पंजाब में आम आदमी पार्टी के विधायक मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ मजबूती से खड़े हैं। राज्यसभा के सात सदस्यों द्वारा आम आदमी पार्टी छोड़ने के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए कंग ने कहा कि वे अपने निजी हितों के लिए भाजपा में शामिल हुए हैं। आप नेता ने कहा, हमें लगता है कि उनके निजी स्वार्थ थे। उनमें से कुछ प्रवर्तन निदेशालय जैसी केंद्रीय एजेंसियों से डरे हुए थे। उन्होंने अपने कारोबार को बचाने के लिए पाला बदल लिया। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में कंग ने कहा, पंजाब के विधायक भगवंत मान के साथ मजबूती से खड़े हैं और आम आदमी पार्टी राज्य के लोगों की सेवा करना जारी रखेगी। चड्ढा, संदीप पाठक और अशोक मित्तल ने 24 अप्रैल को घोषणा की कि वे पार्टी के चार अन्य सांसदों के साथ भाजपा में शामिल हो रहे हैं। आम आदमी पार्टी छोड़ने वाले अन्य सदस्य हरभजन सिंह, राजिंदर गुप्ता, स्वाति मालीवाल और विक्रमजीत साहनी हैं। भाजपा में शामिल होने वाले सात सांसदों में से छह पंजाब से हैं। राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने सोमवार को आधिकारिक तौर पर आम आदमी पार्टी के सात सांसदों के भाजपा में विलय को स्वीकार कर लिया जिससे उच्च सदन में अरविंद केजरीवाल की पार्टी के सदस्यों की संख्या घटकर तीन रह गई।

संक्षिप्त-समाचार

गोल्फ लिंक आरडब्ल्यूएस सोसाइटी द्वारा मुख्यमंत्री बीमा योजना के तहत कैंप का आयोजन

मोहाली। गोल्फ लिंक आरडब्ल्यूएस सोसाइटी द्वारा आज मुख्यमंत्री योजना के तहत 10 लाख रुपये की बीमा योजना के लिए विशेष कैंप लगाया गया। कैंप में इलाके के निवासियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और इस योजना के तहत 60 से अधिक लोगों के कार्ड बनाए गए। यह कैंप सोसाइटी के प्रधान पुनीत नागर के नेतृत्व में लगाया गया। इस मौके पर फ्हर के सदस्य पुनीत नागर, अनिल शर्मा, सुमित शर्मा, अमित गुप्ता, संदीप बिंद्रा, बलबीर सिंह सहित कई अन्य वॉलंटियर सदस्य मौजूद थे। इस संबंध में जानकारी देते हुए आरडब्ल्यूएस प्रधान पुनीत नागर ने कहा, ₹इस तरह के जन कल्याण के काम समाज के लिए बहुत ही लाभदायक हैं। हम आगे भी ऐसे कैंप लगाते रहेंगे ताकि सोसाइटी के हर व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंच सके। उन्होंने पूरी सोसाइटी, गांव के सरपंच गुरजिंदर सिंह, कैंप अधिकारियों और पहुंचे हुए सभी निवासियों का धन्यवाद किया।

एफ.डी.ए ने एसीलॉर स्टेलेस्ट लेंस को बाजार में उतारने की मंजूरी दी

चंडीगढ़। एसीलॉर लक्सोटिका ने घोषणा की कि अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफ.डी.ए) ने डी नोवो मार्ग के माध्यम से उसके एसीलॉर स्टेलेस्ट लेंस को बाजार में उतारने की मंजूरी दे दी है। इससे पहले 2021 मे अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा इस प्रोडक्ट को ब्रेकथ्रू टेक्नोलॉजी के रूप में मान्यता दी गई थी। बच्चों में मायोपिया (निकट दृष्टि दोष) के बढ़ने की गति को धीमा करने के लिए एसीलॉर स्टेलेस्ट लेंस अमेरिका के एफडीए द्वारा अधिकृत होने वाला पहला और एकमात्र चश्मा लेंस है। 4 एसीलॉर स्टेलेस्ट लेंस की प्रभावशीलता क्लिनिकल डेटा से सिद्ध होती है, जो दिखाता है कि इस लेंस ने दो वर्षों में मायोपिया के बढ़ने की गति को औसतन 71 प्रतिशत तक धीमा कर दिया है। मंजूरी पर प्रकाश डालते हुए, एसीलॉर लक्सोटिका इंडिया के मेडिकल और प्रोफेशनल अफेयर्स के डायरेक्टर डॉ. कुणाल श्रीवास्तव ने कहा कि दशकों से, भारतीय चिकित्सा पद्धति में एफडीए की मंजूरी अंतरराष्ट्रीय मानक की देखभाल का पर्याय बन गई है। डॉक्टर, अस्पताल और मरीज अक्सर एफडीए की मंजूरी को क्लिनिकल विश्वसनीयता के अंतिम मानक के रूप में देखते हैं। यह लेंस तकनीक पारंपरिक सुधारात्मक लेंसों को एक वास्तविक चिकित्सा उपचार के रूप में विकसित करती है, और यह मायोपिया से निपटने में आंखों की देखभाल करने वाले आईकेयर प्रोफेशनल्स के लिए एक नए युग की शुरूआत है।

माइंड ट्री स्कूल में प्रतिभा सम्मान समारोह, दसवीं बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन वाले मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

मोहाली । माइंड ट्री स्कूल में सोमवार को दसवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के सम्मान में ह्यहॉल ऑफ फेमह् समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की मेहनत, लगन और उपलब्धियों का उत्साहपूर्वक सम्मान किया गया। समारोह की शुरूआत रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुई, जिसने पूरे वातावरण को उत्सवमय बना दिया। इसके बाद शिक्षकों और प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि निरंतर परिश्रम और अनुशासन ही सफलता की कुंजी है। मुख्य आकर्षण के रूप में सभी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस दौरान माइंड ट्री स्कूल की टॉपर छात्राओं: युविका सूद (99.2 प्रतिशत), बरुनी चोपड़ा (98.4 प्रतिशत) और याशिका गुप्ता (98.2 प्रतिशत) ने अपने अनुभव अन्य विद्यार्थियों के साथ साझा किए और सफलता के लिए नियमितता व धैर्य को जरूरी बताया। कार्यक्रम में संवाद सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें जूनियर विद्यार्थियों ने परीक्षा की तैयारी, तनाव प्रबंधन और समय के सही उपयोग से जुड़े प्रश्न पूछे। विशेषज्ञों और शिक्षकों ने उनके सवालों के समाधान दिए। विद्यालय का औसत परिणाम 89.34 प्रतिशत रहा, जो विद्यार्थियों की सामूहिक मेहनत का परिणाम है। समारोह के अंत में सभी ने इस उपलब्धि पर गर्व जताते हुए भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जताई।

एकनूर सेवा ट्रस्ट की 174वीं बस यात्रा मंदिर माता चिंतपूर्णी, मंदिर शिवबाड़ी के लिए रवाना

जंडियाला गुरु। राष्ट्रीय नौजवान सोशल एंड स्पोर्ट्स सोसाइटी के धार्मिक यूनिट एकनूर सेवा ट्रस्ट द्वारा 174वीं मासिक बस यात्रा के तहत श्रद्धालुओं को मंदिर माता चिंतपूर्णी और मंदिर शिवबाड़ी (हिमाचल प्रदेश) के दर्शन करवाए गए। बस को मजीठा रोड से भाजपा जिला शहरी उपाध्यक्ष एवं वार्ड इंचार्ज सोनिया चौहान ने जयकारों की गूंज के बीच हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सोनिया चौहान ने कहा कि संस्था ने पिछले तीन दशकों से सैकड़ों सामाजिक कार्यक्रम समाज को समर्पित किए हैं। अक्सर संस्था की टीम द्वारा समाज को समर्पित कोई न कोई काम देखने को मिलता है। लगातार 174 महीनों से श्रद्धा के साथ श्रद्धालुओं को मंदिर माता चिंतपूर्णी समेत विभिन्न मंदिरों, गुरुद्वारों अन्य धार्मिक स्थलों के दर्शन करवाना सराहनीय है। ऐसी संस्थाएं दूसरों के लिए मिसाल हैं। संस्था की पदाधिकारी लवलीन वड़ैच ने मुख्य अतिथि को सिरोपा और धार्मिक तस्वीर देकर सम्मानित किया। यात्रा के दौरान धार्मिक जागरण गायक सनी गिल,जगजीत पम्मा, लवलीन वड़ैच,आशा रानी, प्रोमिला शर्मा, कनिका,रंजन शर्मा ने विभिन्न धार्मिक भजन गाकर भक्तों को प्रभु के चरणों से जोड़ा। अध्यक्ष अरविंदर वड़ैच ने कहा कि पिछले 32 सालों से धार्मिक संगत के साथ मिलकर करीब 600 अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें समाज समर्पित सेवाएं, मेडिकल कैंप, सिलाई कढ़ाई-ब्यूटी पार्लर सेंटर, खेल टूनार्मेंट, रक्तदान कैंप आदि शामिल हैं। जिसके लिए संस्था की पूरी टीम के सदस्यों और शहरवासियों का हर समय मिला सहयोग कभी भुलाया नहीं जा सकता। हमारी संस्था कम शोर और ज्यादा काम करने में विश्वास रखती है। उन्होंने कहा कि प्रभु की इच्छा के अनुसार धार्मिक यात्रा लगातार जारी रहेगी। यात्रा के दौरान जतिंदर अरोड़ा, पार्षद अमन ऐरी,अमनदीप सिंह बोपाराय,बलबीर भसीन,डॉ. नरेंद्र चावला,राजिंदर शर्मा, धीरज मल्होत्रा,जतिंदर अरोड़ा,सुशील शर्मा, अर्जुन मदान,रंजन शर्मा,राम सिंह पंवार, हरमिंदर सिंह उप्पल, शिव कुमार मल्ली,राजू मदान,पंडित विजय कुमार,ललित मल्होत्रा, रमेश चोपड़ा,संदीप शर्मा,जतिन कुमार नन्नू द्वारा हमेशा समर्पित सहयोग के लिए धन्यवाद दिया गया।

गैंगस्टरों ते वार का 97वां दिन: पंजाब पुलिस द्वारा 486 स्थानों पर छापेमारी; 240 गिरफ्तार

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के तहत शुरू की गई निर्णायक ह्वगैंगस्टरों ते वारह्व मुहिम के 97वें दिन पंजाब पुलिस ने आज पूरे राज्य में गैंगस्टरों के सहयोगियों के चिन्हित और मैप किए गए 486 ठिकानों पर बड़े स्तर पर छापेमारी की। उल्लेखनीय है कि गैंगस्टरों ते वार पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए चलाई जा रही एक व्यापक और निरंतर कार्रवाई है, जिसकी शुरूआत 20 जनवरी 2026 को डीजीपी गौरव यादव द्वारा की गई थी। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें राज्य भर में विशेष अभियान चला रही हैं।

97वें दिन की कार्रवाई के दौरान पुलिस टीमों ने 6 हथियारों सहित 240 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। इसके साथ ही अभियान की शुरूआत से अब तक कुल गिरफ्तारियों की संख्या 24,520 तक पहुंच गई है। इसके अलावा 56 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियाती कार्रवाई की गई है, जबकि 51 व्यक्तियों को जांच और पूछताछ के बाद रिहा कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान 6 फरार अपराधियों को भी गिरफ्तार किया गया है।

पंजाब पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे गैंगस्टर विरोधी हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 पर गुप्त रूप से जानकारी साझा कर अपराध के खिलाफ इस अभियान में सहयोग करें। इस दौरान युद्ध नशों विरुद्ध अभियान के तहत 422वें दिन भी नशा तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रखते हुए पुलिस ने 132 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया।

उनके कब्जे से 4.1 किलोग्राम हेरोइन, 23 किलोग्राम भुक्की, 704 नशीली गोलियां/कैप्सूल और 38,000 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई। इसके साथ ही 422 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 61,103 हो गई है। नशा मुक्ति प्रयासों के तहत पंजाब पुलिस ने आज 28 व्यक्तियों को नशा छोड़ने और पुनर्वास उपचार के लिए तैयार किया है।

सांसद साहनी द्वारा किया गया भव्य वैसाखी अवॉर्ड्स का आयोजन, वैश्विक पंजाबी उत्कृष्टता का हुआ सम्मान

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

वर्ल्ड पंजाबी ऑर्गनाइजेशन ने नई दिल्ली के ताज पैलेस में भव्य हढड वैसाखी अवॉर्ड्स गाला 2026 का आयोजन किया, जिसमें उत्कृष्टता और वैसाखी के जीवंत उत्सव का जश्न मनाया गया—जो समृद्धि, नए आरंभ और पंजाब की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। पद्मश्री डॉ. विक्रमजीत सिंह साहनी, राज्यसभा सांसद एवं हढड के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रतिष्ठित समारोह में पंजाब के माननीय राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया तथा दिल्ली के माननीय उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस समारोह में राकेश भारती मित्तल, राज कुंद्रा, संजीव जुनेजा, प्रभतेज सिंह भाटिया, गीता बसरा, जे जे वलाया सहित विभिन्न क्षेत्रों की अनेक प्रतिष्ठित हस्तियों को सम्मानित किया गया।

डॉ. विक्रमजीत सिंह साहनी ने कहा, वैसाखी केवल एक त्योहार नहीं है, बल्कि यह हमारी पहचान, हमारी दृढ़ता और सामूहिक भावना का उत्सव है। इन पुरस्कारों के माध्यम से हमने व्यापार नेतृत्व, सिनेमा, उद्यमिता, पत्रकारिता, सामाजिक सेवा, खेल प्रशासन, फैशन, मीडिया, आतिथ्य और वैश्विक व्यापार जैसे विविध क्षेत्रों में उत्कृष्टता का सम्मान किया—ऐसे व्यक्तियों को पहचानते हैं जो नई कहानियाँ गढ़ रहे हैं, संस्थानों का निर्माण कर रहे हैं और समाज में सार्थक योगदान दे रहे हैं, साथ ही पंजाब की विरासत को विश्व स्तर पर आगे बढ़ा रहे हैं।

डॉ. विक्रमजीत सिंह साहनी ने आगे कहा, वर्ल्ड पंजाबी ऑर्गनाइजेशन विश्वभर के पंजाबियों को संस्कृति, उद्यम और सामाजिक प्रभाव के माध्यम से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। यह मंच उन लोगों को समर्पित है जो दूरदृष्टि और उद्देश्य के साथ नेतृत्व करते हैं, और यह इस बात का प्रमाण है कि पंजाब की आत्मा वैश्विक स्तर पर निरंतर चमक रही है। इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ, दिल्ली के कैबिनेट मंत्री मंजींदर सिंह सिरसा तथा हरमीत सिंह कालका भी उपस्थित रहे।

डेरा सचखंड बल्लां के पास स्थापित किया जा रहा है श्री गुरु रविदास बाणी अध्ययन केंद्र: हरपाल सिंह चीमा

भगवंत सिंह मान सरकार द्वारा श्री गुरु रविदास जी के 650वें प्रकाश पर्व को समर्पित रूपनगर में पहला विशाल आध्यात्मिक कीर्तन दरबार सजाया गया

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़/रूपनगर

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार द्वारा रविवार शाम को नेहरू स्टेडियम, रूपनगर में आयोजित पहले विशाल आध्यात्मिक कीर्तन दरबार के साथ ही श्री गुरु रविदास जी के 650वें प्रकाश पर्व के राज्य स्तरीय कार्यक्रमों की शुरूआत की गई। इस विशाल आयोजन के साथ गुरु रविदास जी के सार्वभौमिक संदेश को पंजाब और इसके बाहर फैलाने के उद्देश्य से वर्षभर चलने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला का आगाज हुआ।

इस आध्यात्मिक संध्या के दौरान श्री दरबार साहिब, अमृतसर के प्रसिद्ध हजूरी रागी भाई रविंदर सिंह जी और भाई दविंदर सिंह जी सोढ़ी द्वारा रसपूर्ण कीर्तन किया गया, जिसने संगत को दिव्य बाणी में लीन कर दिया। इसके उपरांत भाई गुरमीत सिंह जी द्वारा कथा-विचार के माध्यम से संगत को निहाल किया गया और श्रद्धालुओं को श्री गुरु रविदास महाराज जी की शिक्षाओं को अपने दैनिक जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होते हुए पंजाब के वित्त, योजना, आबकारी एवं कर तथा परिवहन मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने संगत को शुभकामनाएं दीं और इस पहल के महत्व को उजागर किया। उन्होंने कहा, खुरालगढ़ साहिब में 649वें प्रकाश पर्व के अवसर पर मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा 650वें प्रकाश पर्व को समर्पित वर्षभर बड़े स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करने की घोषणा की गई थी।

वित्त मंत्री ने कहा, इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य श्री गुरु रविदास जी के सार्वभौमिक संदेश को पूरी दुनिया में फैलाना है। इसी के तहत पंजाब के कोने-कोने में स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में विभिन्न शैक्षिक और आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, इस बड़े प्रयास के हिस्से के रूप में राज्य के सभी जिलों में आध्यात्मिक कीर्तन दरबार आयोजित किए जा रहे हैं, जिनकी औपचारिक शुरूआत रूपनगर से हुई है।

पंजाब सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल के बारे में बताते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने घोषणा की, पंजाब सरकार द्वारा डेरा सचखंड बल्लां के पास एक विशाल ह्यश्री गुरु रविदास बाणी अध्ययन केंद्रह्व स्थापित करने के लिए 10 एकड़ भूमि खरीदी गई है। इस केंद्र में 750 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता होगी और यह गुरु साहिब की पवित्र बाणी और शिक्षाओं के गहन अध्ययन और शोध के लिए समर्पित होगा। इससे यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि उनका अमूल्य संदेश आम लोगों तक प्रभावी ढंग से पहुंचे।

समारोह के दौरान तप स्थान श्री खुरालगढ़ साहिब के प्रमुख संत बाबा केवल सिंह, ऑल इंडिया आदि धर्म मिशन के प्रधान संत सतविंदरजीत सिंह हीरा, डेरा मस्त बाबा शाम जी महाराज झज्ज के स्वामी अनमुलका नंद, डेरा पुष्पा नंद उदासीन आश्रम बस्सी पठानां के महंत बलविंदर दास, डेरा महां पुरी चब्बेवाल के संत बलवीर दास, गुरुद्वारा टिब्बी साहिब के जत्थेदार जगमिंदर सिंह और श्री चरण छोह गंगा खुरालगढ़ साहिब के प्रमुख संत सुरिंदर दास सहित कई सम्मानित धार्मिक हस्तियों ने भाग लिया। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों में विधायक श्री चमकौर साहिब डॉ. चरणजीत सिंह, दिल्ली के विधायक अजय दत्त, पंजाब विधानसभा के डिप्टी स्पीकर जय कृष्ण सिंह, डिप्टी कमिश्नर रूपनगर आदित्य डेचलवाल, एस.एस.पी. रूपनगर मनिंदर सिंह, अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर चंद्रज्योति सिंह, एस.पी. अरविंद मीणा, सहायक कमिश्नर प्रदीप बैस आदि शामिल थे।

भारत, न्यूजीलैंड ने एफटीए पर किए हस्ताक्षर 100 फीसदी भारतीय निर्यात टैक्स-फ्री

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

भारत और न्यूजीलैंड के बीच द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के मकसद से मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) पर सोमवार को हस्ताक्षर किए। इस समझौते पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और न्यूजीलैंड के व्यापार एवं निवेश मंत्री टॉड मैक्ले की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए।

पीयूष गोयल ने एक्स पोस्ट में कहा कि भारत और न्यूजीलैंड ने आज एक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश को बढ़ावा देना है। इस समझौते पर न्यूजीलैंड के दौरे पर आए व्यापार और निवेश मंत्री टॉड मैक्ले की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच नई दिल्ली में हुए इस ऐतिहासिक समझौते का उद्देश्य द्विवार्षिक व्यापार को पांच वर्षों में दोगुना करके 5 अरब डॉलर तक पहुंचाना है। इस समझौते के तहत भारतीय उत्पादों को न्यूजीलैंड में शुल्क-मुक्त

पहुंच मिलेगी, जबकि भारतीय पेशेवरों के लिए भी नए अवसर खुलेंगे। इस समझौते से दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों के काफी मजबूत होने की उम्मीद है। यह एफटीए भारत के 100 फीसदी निर्यात को न्यूजीलैंड में शुल्क-मुक्त पहुंच प्रदान करता है। इसमें सभी टैरिफ लाइन यानी उत्पाद श्रेणियां शामिल हैं। इससे वस्त्र, परिधान, चमड़ा, जूते, रत्न एवं आभूषण, इंजीनियरिंग सामान और प्रसंस्कृत खाद्य जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों की प्रतिस्पर्धी क्षमता बढ़ेगी। इससे सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) और रोजगार को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

इससे पहले न्यूजीलैंड सिरेमिक, कालीन, मोटर वाहन एवं उसके कलपुर्जों जैसे भारतीय उत्पादों पर 10 प्रतिशत तक का शुल्क लगाता था। अब बिना किसी शुल्क के बाजार पहुंच मिलने से भारतीय उत्पाद वहां अन्य देशों की वस्तुओं से प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे। समझौते के तहत भारत को अपने विनिर्माण क्षेत्र के लिए लकड़ी के लट्ठे, कोकिंग कोयला और धातुओं के कबाड़ जैसे कच्चे माल भी शुल्क-मुक्त मिलेंगे जिससे उत्पादन लागत घटेगी एवं वैश्विक प्रतिस्पर्धी क्षमता बढ़ेगी।

भारत ने 70.03 फीसदी शुल्क श्रेणियों (जिसकी मूल्य के हिसाब से द्विपक्षीय व्यापार में 95 फीसीदी हिस्सेदारी है) पर शुल्क में रियायत देने की पेशकश की है, जबकि 29.97 फीसदी शुल्क श्रेणियों को संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए बाहर रखा गया है। इन संवेदनशील उत्पादों में मुख्य रूप से दुग्ध (दूध, क्रीम, पनीर आदि), अन्य पशु उत्पाद (भेड़ के मांस को छोड़कर), कृषि उत्पाद (प्याज, चना, मटर, मक्का, बादाम), चीनी, कृत्रिम शहद, वसा एवं तेल, हथियार एवं गोला-बारूद, रत्न एवं आभूषण, तांबा और एल्युमिनियम से जुड़े उत्पाद शामिल हैं।

इसके अलावा भारत लकड़ी, ऊन, भेड़ का मांस और कच्चा चमड़ा जैसे उत्पादों सहित न्यूजीलैंड की करीब 30 फीसदी शुल्क श्रेणियों पर शुल्क समाप्त करेगा। वहीं, 35.60 फीसदी शुल्क श्रेणियों पर तीन, पांच, सात और 10 वर्ष में चरणबद्ध तरीके से शुल्क समाप्त किया जाएगा। इनमें पेट्रोलियम तेल, माल्ट एक्सट्रैक्ट, वनस्पति तेल, चयनित मशीनरी आदि शामिल हैं।

न्यूजीलैंड के जिन उत्पादों को शुल्क में रियायत मिलेगी उनमें वाइन, दवाएं, पॉलिमर, एल्युमिनियम, लोहा-इस्पात उत्पाद शामिल हैं। वहीं मनुका शहद, सेब, कीवी फल और एल्ब्यूमिन जैसे कुछ उत्पाद शुल्क दर कोटा के तहत आएंगे। समझौते में भारत में 20 अरब डॉलर के निवेश को सुगम बनाने की प्रतिबद्धता भी शामिल है। साथ ही निवेश लक्ष्य पूरे न होने की स्थिति में संतुलन स्थापित करने के लिए एक उपबंध भी जोड़ा गया है।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2024 में दोनों देशों के बीच वस्तुओं एवं सेवाओं का कुल द्विपक्षीय व्यापार 2.4 अरब डॉलर रहा था।

अजहरुद्दीन और एम. कोदंडराम ने तेलंगाना विधान परिषद सदस्य के रूप में ली शपथ

एजेंसी (हि.स.)
हैदराबाद

तेलंगाना के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन और तेलंगाना जन समिति (टीजेएस) के अध्यक्ष एम. कोदंडराम ने सोमवार को तेलंगाना विधान परिषद के सदस्य (एमएलसी) के रूप में शपथ ग्रहण की। दोनों नेताओं को हैदराबाद में आयोजित समारोह के दौरान विधान परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुकेंदर रेड्डी ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

इस अवसर पर विधान परिषद के उपाध्यक्ष बंदा प्रकाश, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, विधायी मामलों के मंत्री डी. श्रीधर बाबू सहित कई वरिष्ठ नेता और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान दोनों नेताओं को बधाई दी गई और उनके राजनीतिक योगदान की सराहना की गई।

दरअसल, राज्य की कांग्रेस सरकार ने रविवार को एक गजट अधिसूचना जारी कर मोहम्मद अजहरुद्दीन और एम. कोदंडराम को राज्यपाल कोटे के तहत विधान परिषद का सदस्य नामित किया था। इसके बाद उनके एमएलसी बनने का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया।

मोहम्मद अजहरुद्दीन ने पिछले वर्ष अक्टूबर में मंत्री पद की शपथ ली थी। हालांकि, उनके मंत्री पद को लेकर पिछले कुछ समय से अनिश्चितता बनी हुई थी, क्योंकि संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार मंत्री पद पर बने रहने के लिए उन्हें छह महीने के भीतर विधानसभा या विधान परिषद का सदस्य बनना आवश्यक था।

यह समय सीमा 30 अप्रैल को समाप्त होने वाली थी। यदि इस अवधि के भीतर वे सदन के सदस्य नहीं बनते, तो उन्हें मंत्री पद छोड़ना पड़ सकता था। ऐसे में उनका विधान परिषद सदस्य के रूप में नामांकन और शपथ ग्रहण राजनीतिक रूप से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पिछले सप्ताह राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने मोहम्मद अजहरुद्दीन और एम. कोदंडराम के नामांकन को मंजूरी दे दी थी, जिसके बाद उनके परिषद सदस्य बनने की प्रक्रिया पूरी हो सकी।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कांग्रेस नेता मोहम्मद अजहरुद्दीन के लिए यह नियुक्ति विशेष रूप से अहम रही, क्योंकि इससे उनका मंत्री पद सुरक्षित हो गया। वहीं, सामाजिक कार्यकर्ता और टीजेएस अध्यक्ष एम. कोदंडराम का परिषद में प्रवेश भी राज्य की राजनीति में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इन दोनों नेताओं की नियुक्ति से कांग्रेस सरकार को संगठनात्मक और राजनीतिक स्तर पर मजबूती मिलेगी, साथ ही विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधित्व को भी संतुलन मिलेगा।

कोलंबिया में राष्ट्रपति चुनाव से पहले बम विस्फोट, कम से कम 19 लोगों की मौत

बम विस्फोट की घटना में आठ लोग घायल

एजेंसी (हि.स.)
बोगोटा (कोलंबिया)

कोलंबिया में राष्ट्रपति चुनाव से पहले हुए बम विस्फोट में कम से कम 19 लोगों की जान चली गई। मृतकों में पांच बच्चे भी शामिल हैं। इस धमाके में 38 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। यह धमाका देश के दक्षिण-पश्चिमी कोका (काउका) क्षेत्र में पैन-अमेरिकन हाइवे पर शनिवार को हुआ। देश में 31 मई को राष्ट्रपति चुनाव होना है।

कोलंबिया वन डॉट कॉम और सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि यह धमका व्यस्त सड़क पर बम फटने से हुआ है। इस विस्फोट में कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई और कम से कम 38 लोग घायल हो गए। मृतकों में पांच बच्चे भी शामिल हैं। अधिकारियों का मानना है कि यह आतंकी हमला है। इस सप्ताहांत हुए आतंकवादी हमलों ने देश को दहला दिया। काउका के गवर्नर ऑक्टेवियो गुजमैन ने एक्स पोस्ट में कहा, ₹पैन-अमेरिकन हाइवे पर काजीबियो के एल टनल इलाके में आम नागरिकों को निशाना बनाकर यह बम धमाका किया गया। सूचना मिलते ही कोलंबिया के रक्षामंत्री पेड्रो सांचेज मौके पर पहुंचे। गवर्नर ने कहा कि अधिकारी गंभीर स्थिति से निपटने के लिए राष्ट्रीय स्तर की एक सुरक्षा परिषद का गठन कर रहे हैं।

अधिकारियों के अनुसार, एल ट्यूनेल, एल टैम्बो, कैलोटो, पोपायान, गुआचेने, मर्कडेरेस और मिरांडा में भी धमाके होने की सूचना मिली हैं। कोलंबियाई सैन्य बलों के जनरल कमांडर ह्यूगो अलेजांद्रो लोपेज बैरेटो ने धमाकों को ₹हमलों की खतरनाक लहर₹ बताया है।

सोशल मीडिया पर वायरल धमाके के बाद के वीडियो में सड़क के बीचों-बीच एक गहरा गड्ढा और क्षतिग्रस्त वाहनों के साथ शव नजर आ रहे हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का राजस्थान दौरा पार्टी के सात कार्यालयों का उद्घाटन किया

एजेंसी (हि.स.)
जयपुर/टोंक

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन अपने पदभार संभालने के बाद सोमवार को राजस्थान के पहले दौरे पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने टोंक से वर्चुअल माध्यम द्वारा राजस्थान के टोंक, बूंदी, चूरू, पाली, प्रतापगढ़, डूंगरपुर एवं बाड़मेर जिलों में नवनिर्मित भाजपा जिला कार्यालय भवनों का लोकार्पण किया। इसके साथ ही जालोर जिला कार्यालय का शिलान्यास भी किया।

टोंक में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नितिन नवीन ने कहा कि पार्टी कार्यालय केवल ईंट और बालू से बना ढांचा नहीं होता, बल्कि यह संगठन के संकल्प और विचारों का केंद्र होता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे संगठन की मजबूती के लिए

निरंतर कार्य करें।उन्होंने कहा कि राजनीति में शॉर्टकट से बचना चाहिए। राजनीति 100 मीटर की दौड़ नहीं, बल्कि लंबी दूरी की दौड़ है, जहां धैर्य और निरंतरता की परीक्षा होती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को धैर्य, अनुशासन और समर्पण के साथ काम करने की सलाह दी।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने जो कार्य किए हैं, उन्हें जन-जन तक पहुंचाना कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसके कार्यकर्ता हैं और उनके बलिदान व मेहनत से ही पार्टी आज विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनी है। एक समय ऐसा भी था जब भाजपा के केवल दो सांसद थे और पार्टी का मजाक उड़ाया जाता था, लेकिन कार्यकर्ताओं के समर्पण और संघर्ष से आज पार्टी नई ऊंचाइयों पर पहुंची है। उन्होंने पूर्व उपराष्ट्रपति भैरोंसिंह शेखावत को याद करते हुए कहा कि उन्होंने राजस्थान में संगठन को मजबूत आधार प्रदान किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अंतिम पंक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए कार्य कर रही है। राजस्थान आज सौर और पवन ऊर्जा के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है तथा युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के अवसर सृजित किए जा रहे हैं। हम चाहते हैं कि युवा जॉब सीकर नहीं, जॉब गिवर बनें।

उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ ताकतें देश को कमजोर करने का प्रयास कर रही हैं, जबकि केंद्र सरकार महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जो दल अपनी ही माताओं और बहनों को सम्मान नहीं दे सके, वही इस ऐतिहासिक कानून का विरोध कर रहे हैं।

संक्षिप्त-समाचार

पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच इजराइल ने यूएई में तैनात किया आयरन डोम, बढ़ा सैन्य सहयोग

अबू धाबी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच इजराइल ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में अपना अत्याधुनिक एयर डिफेंस सिस्टम आयरन डोम तैनात किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह कदम ईरान के साथ चल रहे संघर्ष के दौरान उठाया गया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यह फैसला इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और यूएई के राष्ट्रपति के बीच हुई बातचीत के बाद लिया गया। इसके तहत इजराइली सेना ने न केवल आयरन डोम सिस्टम बल्कि इंटरसेप्टर टीम भी यूएई में तैनात की। बताया जा रहा है कि संघर्ष के दौरान ईरान ने यूएई को निशाना बनाते हुए बड़ी संख्या में मिसाइल और ड्रोन हमले किए। यूएई ने दावा किया कि उसने अधिकांश हमलों को हवा में ही निष्क्रिय कर दिया, हालांकि कुछ हमले सैन्य और नागरिक ठिकानों तक पहुंचने में सफल रहे। यह पहली बार है जब इजराइल ने अपने आयरन डोम सिस्टम को किसी दूसरे देश में सक्रिय ऑपरेशन के लिए तैनात किया है। इस कदम को क्षेत्रीय सुरक्षा सहयोग के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दरअसल, वर्ष 2020 में हुए अब्राहम समझौता के बाद से इजराइल और यूएई के बीच रक्षा और रणनीतिक संबंध लगातार मजबूत होते गए हैं। मौजूदा घटनाक्रम इस साझेदारी को और गहराई देने का संकेत देता है।

नेपाल सशस्त्र प्रहरी बल के प्रमुख होंगे नारायण दत्त पौडेल

काठमांडू। नेपाल सरकार ने भारत और चीन की सीमा सुरक्षा के लिए सशस्त्र प्रहरी बल (एपीएफ) के नए प्रमुख के रूप में महानिरीक्षक नारायण दत्त पौडेल को नियुक्त किया है। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की अध्यक्षता में सोमवार को हुई मंत्रिपरिषद की बैठक के बाद सरकार के प्रवक्ता सस्मित पोखरेल ने मीडिया को बताया कि एआईजी पौडल को सशस्त्र प्रहरी बल (एपीएफ) के नए प्रमुख के रूप में नियुक्ति किया गया है। पौडेल निवर्तमान आईजीपी राजू अर्याल की जगह लेंगे, जो चार साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद ३० अप्रैल को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। पौडेल ने 31 मार्च, 1998 को नेपाल पुलिस में इंस्पेक्टर के रूप में सेवा शुरू की थी। वर्ष 2001 में सशस्त्र पुलिस बल की स्थापना के बाद उन्हें पदोन्नति देकर डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस के रूप में एपीएफ में समायोजित किया गया था। उन्हें 20 मई, 2022 को एआईजी पद पर पदोन्नत किया गया था। शीर्ष पद की दौड़ में एआईजी वंशीराज दहाल और गणेश ठाडा मगर भी शामिल थे। सरकार ने वरिष्ठता के आधार पर पौडेल का चयन किया। मौजूदा पुलिस नियमों के अनुसार 30 वर्ष की सेवा सीमा लागू रहने पर पौडेल का कार्यकाल लगभग 23 महीने का होगा। यदि सेवा सीमा को बढ़ाकर 32 वर्ष किया जाता है, तो उनका कार्यकाल अतिरिक्त दो वर्षों तक बढ़ सकता है।

नेपाल का बीपी राजमार्ग तीन दिन बाद भी नहीं हो पाया सुचारू

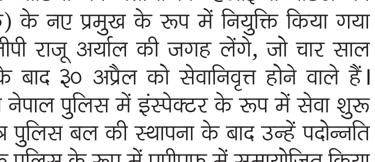

काठमांडू। नेपाल में शनिवार शाम से अवरुद्ध बीपी राजमार्ग आज अभी तक सुचारु नहीं हो सका है। रोशी नदी में आई बाढ़ से क्षतिग्रस्त हुए डायवर्जन रविवार तक अधिकांश स्थानों पर दोबारा बना दिए गए, लेकिन रविवार शाम हुई बारिश इन नए डायवर्जन को फिर बहा ले गई। राजमार्ग के चिउरीबास, नार्के और चार सय बैंसी क्षेत्रों में रविवार को बनाए गए डायवर्जन भी बह गए हैं। मंगलटार प्रमुख पुलिस निरीक्षक ईश्वर कार्की के अनुसार, 13 डायवर्जन में से 8 स्थानों पर दोबारा निर्माण किया गया था, लेकिन रविवार शाम की बारिश ने उन्हें फिर नुकसान पहुंचाया। उन्होंने बताया कि आज सुबह से फिर से डायवर्जन निर्माण का काम शुरू कर दिया गया है। शनिवार को रोशी नदी की बाढ़ ने चौकीडाँडा, घुमाउने, चारसय बैंसी, गिम्दी बैंसी, नार्के, चिउरीबास, बोक्सीकुना, कालढुंगा, डालाबेशी, बुलढुंगा और माम्ती क्षेत्रों के डायवर्जन बहा दिए थे। वहीं सिन्धुली की ओर आँपघारी और नेपालथोक में भी डायवर्जन क्षतिग्रस्त हुए थे। पुलिस के अनुसार, सड़क डिवीजन कार्यालय और ठेकेदार कंपनी मौसम में सुधार होने के बाद क्षतिग्रस्त डायवर्जनों की मरम्मत कर यातायात को फिर से शुरू करने की तैयारी कर रहे हैं।

भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री 11-12 मई को नेपाल दौरे पर

काठमांडू। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री 11 और 12 मई को नेपाल के दौरे पर रहेंगे। काठमांडू स्थित भारतीय राजदूतावास और दिल्ली स्थित नेपाली दूतावास के अधिकारियों के अनुसार, मिस्त्री की दो दिवीय यात्रा के कार्यक्रम के लिए दोनों पक्षों के बीच अनौपचारिक बातचीत शुरू हो गई है।मिस्त्री को नेपाल के विदेश सचिव अमृत राई ने औपचारिक निमंत्रण भेजा था। बालेन्द्र शाह के नेतृत्व में नई सरकार के गठन के बाद भारत से किसी बड़े राजनयिक की यह पहली यात्रा होगी। हालांकि इससे पहले मॉरिशस में आयोजित नौवें हिंद महासागर सम्मेलन के दौरान नेपाल के विदेशमंत्री शिशिर खनाल और भारतीय विदेशमंत्री डॉ. एस जयशंकर की मुलाकात हो चुकी है। इस मुलाकात में जयशंकर ने कहा था कि विदेशमंत्री और प्रधानमंत्री स्तर की यात्राओं को परिणाममूलक बनाने के लिए नई नेपाल सरकार की प्राथमिकताओं को समझना जरूरी है। इसी उद्देश्य से उन्होंने विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री को काठमांडू भेजने का प्रस्ताव रखा था। हालांकि मिस्त्री की काठमांडू यात्रा का एजेंडा अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है। यात्रा से जुड़े अधिकारियों के अनुसार, वे काठमांडू में नई सरकार की प्राथमिकताओं और नई दिल्ली की अपेक्षाओं पर चर्चा करेंगे। शनिवार को नई दिल्ली में नेपाली पत्रकारों के साथ बातचीत में विक्रम ने कहा कि वह बहुत जल्द काठमांडू जाएंगे।

पाकिस्तान में मुनीर से मिलकर अराघची रूस रवाना, पुतिन से करेंगे मुलाकात

एजेंसी (हि.स.)
इस्लामाबाद

तेहरान ने वाशिंगटन के साथ युद्ध को खत्म करने के लिए अपने कूटनीतिक प्रयास तेज कर दिए हैं। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से मुलाकात के बाद रविवार को ईरान के विदेशमंत्री अब्बास अराघची रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलने के लिए रूस रवाना हो गए। अराघची ओमान से लौटकर दोबारा इस्लामाबाद पहुंचे। उन्होंने ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक को सारी स्थिति से अवगत कराया। अल जजीरा, दुनिया न्यूज और सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, आसिम मुनीर और अराघची की मुलाकात पर ईरान के सरकारी मीडिया ने कोई चर्चा नहीं की है। पाकिस्तान के एक राजनयिक सूत्र ने जरूर कहा कि संभवतः अगली बातचीत में जरूर कोई न कोई हल निकल सकता है। अगले दौर की वार्ता में ईरान और

अमेरिका के अलावा खाड़ी देश के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। ईरान के सरकारी मीडिया के अनुसार, विदेश मंत्री अब्बास अराघची रूस में सोमवार को वे राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करेंगे। इस मुलाकात में बातचीत की स्थिति पर चर्चा होगी। इससे पहले, इस सप्ताहांत अराघची पाकिस्तान और ओमान में अहम मध्यस्थों से मुलाकात कर चुके हैं। अराघची ने पहले कहा था कि यह साफ नहीं है कि वाशिंगटन कूटनीति को लेकर सचमुच गंभीर है या नहीं, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूतों के पाकिस्तान दौरे की योजना रद्द कर दी है।

ट्रंप ने कहा कि बातचीत फोन पर जारी रहेगी। यह बात उन्होंने तब कही जब ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर चल रहे तनाव के बीच अमेरिकी वातार्कारों से सीधे मुलाकात करने से इनकार कर दिया। ट्रंप ने रविवार को कहा, अगर वे बात करना चाहते हैं, तो वे हमारे पास आ सकते हैं, या वे हमें फोन कर सकते हैं।

कांग्रेस ने आआपा के बागी सांसदों के भाजपा में विलय को बताया जनता के साथ धोखा

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

कांग्रेस ने राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन द्वारा आम आदमी पार्टी (आआपा) के सात बागी सांसदों के भाजपा में विलय को मंजूरी दिए जाने को जनता के साथ धोखा बताया है।

कांग्रेस कोषाध्यक्ष अजय माकन ने यहां पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि इन सांसदों की श्रेणी अब आम आदमी से बदलकर भाजपा की श्रेणी में कर दी गई है और राज्यसभा ने इसे अधिसूचित कर दिया है। साल 2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव में भाजपा को केवल 6.6 प्रतिशत वोट मिले थे और उसके सिर्फ दो विधायक बने थे। इसके बावजूद अब राज्यसभा में भाजपा का प्रतिनिधित्व 85.7 प्रतिशत हो गया है, यानी पंजाब से सात में से छह सांसद भाजपा के हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि नरेंद्र मोदी और भाजपा के नेता पंजाब की जनता को यह कैसे समझाएंगे। भाजपा पंजाब के लोगों को यह कैसे समझाएगी

कि जिस पार्टी को विधानसभा में सिर्फ 6.6 प्रतिशत वोट मिले उसका राज्यसभा में प्रतिनिधित्व 85.7 कैसे हो गया।

उन्होंने कहा कि पंजाब जैसे संवेदनशील राज्य में भाजपा ने ठीक वही किया है, जो अलगाववादी ताकतें सिद्ध करना चाहती हैं। पंजाब में गैंगवार हो रहे हैं, ड्रोन से ड्रग्स पहुंचाए जा रहे हैं और हालात 80 के दशक जैसे हो गए हैं। इतिहास गवाह है कि जब भी अलगाववादी ताकतें सक्रिय होती हैं तो उससे पहले ड्रग्स का प्रसार और अपराध बढ़ता है।

माकन ने कहा कि आआपा भाजपा की बी टीम है और इसके नेता देशद्रोही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आआपा ने योग्य लोगों को राज्यसभा में भेजने के बजाय धनकुबेरों को धन के आधार पर भेजा। उन्होंने कहा कि साल 2017 में सुशील गुप्ता ने कांग्रेस छोड़कर आआपा जॉइन की और बाद में राज्यसभा सदस्य बने। माकन ने दावा किया कि आआपा के सात सांसदों के एफिडेविट देखने पर पता चला कि उनकी औसत नेटवर्थ 818 करोड़ रुपये से अधिक है।

माकन ने आरोप लगाया कि आआपा और अरविंद केजरीवाल ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह और पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को बदनाम करने की साजिश रची। जब भाजपा इन नेताओं के खिलाफ कुछ नहीं कर पा रही थी, तो उसने आआपा को एक प्रॉक्सी के रूप में आगे किया। अब आआपा वहीं चुनाव लड़ती है, जहां कांग्रेस और भाजपा का सीधा मुकाबला होता है, ताकि कांग्रेस को नुकसान पहुंचाया जा सके।

चारधाम यात्रा के लिए एलपीजी आपूर्ति बनाए रखने का आग्रह, धामी ने पुरी से की मुलाकात

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चारधाम यात्रा के सुचारू संचालन को लेकर व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति 100 प्रतिशत बनाए रखने का अनुरोध किया है। इस संबंध में उन्होंने सोमवार नई दिल्ली स्थित कर्तव्य भवन में केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी से भेंट कर विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री ने बताया कि अप्रैल से नवंबर तक चलने वाली चारधाम यात्रा के दौरान देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु उत्तराखंड पहुंचते हैं, जिससे व्यावसायिक एलपीजी की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। इस अवधि में राज्य को करीब 9,67,949 व्यावसायिक सिलेंडरों की आवश्यकता होती है। ऐसे में निर्बाध आपूर्ति बनाए रखना आवश्यक है। पुष्कर सिंह धामी ने जून से सितंबर के बीच मानसून के दौरान संभावित प्राकृतिक आपदाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्यों में एलपीजी की अहम भूमिका होती है। उन्होंने इस अवधि के लिए लगभग 5 प्रतिशत अतिरिक्त (करीब 48,397 सिलेंडर) आवंटन सुनिश्चित करने का भी अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था मुख्यतः पर्यटन, विशेषकर धार्मिक और साहसिक पर्यटन पर आधारित है। चारधाम यात्रा राज्य की आस्था, सांस्कृतिक पहचान और आर्थिक गतिविधियों का प्रमुख आधार है, इसलिए आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता अत्यंत महत्वपूर्ण है।

नेपाल सरकार का 2035 तक 24,500 मेगावाट बिजली उत्पादन का लक्ष्य

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

नेपाल सरकार ने वर्ष 20235 तक सरकारी, सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के संयुक्त निवेश से कुल 24,500 मेगावाट बिजली उत्पादन का लक्ष्य रखते हुए ह्यऊर्जा खपत वृद्धि तथा निर्यात रणनीति सार्वजनिक की है।इस रणनीति में पहले से प्रस्तावित, अध्ययन किए गए, निमार्णाधीन और निर्माण के लिए तैयार परियोजनाओं को शामिल किया गया है। जलाशय और अर्ध-जलाशय आधारित परियोजनाओं के अलावा सौर्य ऊर्जा परियोजनाओं को भी इस रणनीति में शामिल किया गया है।रणनीति के अनुसार बहुचर्चित बुढीगण्डक हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट को वर्ष २०३० तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। करीब 1,200 मेगावाट क्षमता वाली इस परियोजना के निर्माण की तैयारी चल रही है। निवेश मॉडल तय हो चुका है, लेकिन अभी

इसका कार्यान्वयन शुरू नहीं हुआ है। सरकार ने इसे प्राथमिकता में रखा है। रणनीति में कहा गया है कि निकट भविष्य में रघुगंगा हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट पूरा होगा। 40 मेगावाट क्षमता वाली यह परियोजना निर्माण के अंतिम चरण में है। इसी तरह 140 मेगावाट क्षमता वाली तनहु हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट को वित्तीय वर्ष २०२८ तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। रणनीति के अनुसार, 42 मेगावाट क्षमता वाली अपर मोदीए, 18.2 मेगावाट क्षमता वाली अपर मोदी और 37 मेगावाट क्षमता वाली अपर त्रिशूली 3 बी परियोजना भी पूरी की जाएगी। निर्माण की तैयारी में मौजूद 670 मेगावाट क्षमता वाली दुधकोशी हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट को वर्ष 2032 तक पूरा करने का लक्ष्य है। इसके अलावा 1,061 मेगावाट क्षमता वाली अपर अरुण हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट और 417 मेगावाट क्षमता वाली नलगाड़ हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट को भी उसी वर्ष तक पूरा करने की योजना है। वहीं, 490 मेगावाट क्षमता वाली अरुण चतुर्थ और 439 मेगावाट क्षमता वाली बेतन कणार्ली जलविद्युत परियोजना को वर्ष 2032 तक पूरा किया जाएगा।सरकार का लक्ष्य 210 मेगावाट क्षमता वाली चैनपुर सेती परियोजना को वर्ष 2030 तक पूरा करना है। इसके अलावा 99 मेगावाट क्षमता वाली तामाकोशी पंचम, 281 मेगावाट क्षमता वाली नौमुरे और 828 मेगावाट क्षमता वाली उत्तरगंगा हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट को भी विशेष प्राथमिकता दी गई है। उत्तरगंगा परियोजना को वर्ष 2092 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। नेपाल विद्युत प्राधिकरण द्वारा प्रवर्द्धित 1,000 मेगावाट क्षमता वाली सौर्य परियोजनाएं वर्ष २०२८ तक पूरी होंगी। निजी क्षेत्र के निवेश से सौर्य परियोजनाओं का चयन प्रतिस्पर्धा के आधार पर किया जा रहा है। ऊर्जा मिश्रण की अवधारणा को लागू करने के लिए सौर्य परियोजनाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है।इसके अलावा सरकारी कंपनियों, नेपाल विद्युत प्राधिकरण और अन्य सहायक कंपनियों द्वारा विकसित 3,500 मेगावाट क्षमता की परियोजनाएं भी वर्ष 2035 तक पूरी होंगी।

सुपर ओवर के रोमांच में कोलकाता की जीत रिंकू सिंह और सुनील नरेन बने हीरो

एजेंसी (हि.स.)
लखनऊ

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के पहले सुपर ओवर मुकाबले में हराकर शानदार जीत दर्ज की। बीआरएसएबीवी इकाना स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले ने दर्शकों को आखिरी गेंद तक बांधे रखा।

पहले बल्लेबाजी करते हुए केकेआर ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 155 रन बनाए। जवाब में एलएसजी ने भी 20 ओवर में 8 विकेट पर 155 रन बनाकर मैच टाई कर दिया। मैच का सबसे रोमांचक पल तब आया जब मोहम्मद शमी ने आखिरी गेंद पर छक्का जड़कर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया।

सुपर ओवर में कोलकाता की ओर से सुनील नरेन ने शानदार गेंदबाजी करते हुए लखनऊ को सिर्फ 01 रन पर रोक दिया और दो अहम विकेट झटके। निकोलस पूरन पहली ही गेंद पर बोल्ड हो गए, जबकि एडन मार्करम शानदार कैच के चलते आउट हुए। इस कैच में रोवमन पॉवेल और रिंकू सिंह की बेहतरीन साझेदारी देखने को मिली।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी केकेआर के लिए रिंकू सिंह ने पहली ही गेंद पर चौका लगाकर टीम को जीत दिला दी। रिंकू ने इस मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए 51 गेंदों पर नाबाद 83 रन बनाए और फील्डिंग में भी चार अहम कैच लपके।

इस जीत के साथ केकेआर ने न सिर्फ अंक तालिका में अपनी स्थिति सुधारी, बल्कि टूर्नामेंट में अपनी दूसरी जीत भी दर्ज की। वहीं, एलएसजी के लिए यह मुकाबला बेहद करीबी हार के रूप में दर्ज हुआ।

खराब फॉर्म के बावजूद निकोलस पूरन पर भरोसा सही: जस्टिन लैंगर

लखनऊ। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लगातार पांचवीं हार के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने सुपर ओवर में निकोलस पूरन को भेजने के फैसले का बचाव किया है। कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मुकाबले में पूरन सुपर ओवर में सुनील नरेन का सामना करने उतरे, लेकिन पहली ही गेंद पर आउट हो गए। मैच के बाद लैंगर ने कहा, हमें पता था कि गेंदबाजी सुनील नरेन करेंगे। पूरन ने दुनिया में सबसे ज्यादा बार उनका सामना किया है, इसलिए हमें लगा कि वही सबसे बेहतर विकल्प हैं। भले ही वह इस समय फॉर्म में नहीं हैं, लेकिन बड़े खिलाड़ियों पर भरोसा करना पड़ता है। उन्होंने यह भी माना कि पूरन आत्मविश्वास की कमी से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा, वह लगातार मेहनत कर रहे हैं। यह दिखाता है कि बड़े खिलाड़ी भी इंसान होते हैं। आत्मविश्वास प्रदर्शन से ही आता है। लैंगर ने हार के लिए पिच को सही तरीके से न समझ पाने को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि काली मिट्टी की पिच धीमी थी और उस पर गेंद ज्यादा घूम रही थी, लेकिन टीम खुद को उसके अनुसार ढाल नहीं पाई। तेज गेंदबाज मोहसिन खान ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पांच विकेट झटके। लैंगर ने उनकी जमकर तारीफ की और कहा कि वह जल्द ही भारत के लिए खेल सकते हैं। साथ ही मोहम्मद शमी और प्रिंस यादव के प्रदर्शन की भी सराहना की गई, लेकिन आखिरी दो ओवरों में ज्यादा रन देना टीम को भारी पड़ गया। लगातार हार के कारण लखनऊ की टीम दबाव में है। टीम प्रबंधन का मानना है कि परिस्थितियों के अनुसार बेहतर तालमेल बैठाकर ही जीत की राह पर वापसी संभव है।

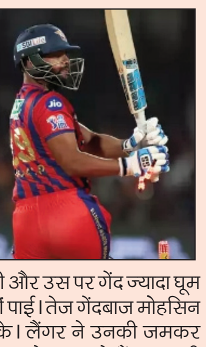

सात्विक-चिराग, आयुष-लक्ष्य की जीत से भारत ने ऑस्ट्रेलिया पर बनाई 3-0 की अजेय बढ़त

थॉमस एंड उबर कप 2026 में भारत का शानदार प्रदर्शन

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

डेनमार्क में खेले जा रहे थॉमस एंड उबर कप 2026 में भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ग्रुप स्टेज मुकाबले में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली है। भारत की ओर से सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने जीत दर्ज कर टीम को निर्णायक बढ़त दिलाई।

डबल्स मुकाबले में सात्विक-चिराग की जोड़ी ने ऑस्ट्रेलिया के रिज्की हिदायत और जैक यू की जोड़ी को 38 मिनट में 21-14, 21-16 से हराया। यह मुकाबला इस टाई का सबसे लंबा मैच भी रहा।

इससे पहले एशियन चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता आयुष शेट्टी ने अपने सिंगल्स मुकाबले में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए श्रेय धांड को मात्र 26 मिनट में 21-8, 21-6 से हराया।

पहले मैच में लक्ष्य सेन ने एफ्राइम स्टीफन सैम के खिलाफ सीधे गेमों में 21-14, 21-16 से जीत दर्ज कर भारत को शानदार शुरूआत दिलाई।

फिलहाल, चौथे मुकाबले में एच. एस. प्रणय का सामना ऋषि होंडा बूपथी से जारी है।

इससे पहले भारत ने अपने अभियान की शुरूआत कनाडा पर 4-1 की जीत के साथ की थी, जिसमें लक्ष्य सेन को विक्टर लाई के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।

वहीं, उबर कप में भारतीय महिला टीम का मुकाबला आज चीन से होगा, जो एक अहम टक्कर मानी जा रही है।

नीदरलैंड्स के मिडफील्डर जावी साइमन्स फीफा विश्व कप के पूरे टूर्नामेंट से बाहर

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फीफा विश्व कप 2026 से पहले नीदरलैंड्स की टीम को बड़ा झटका लगा है। मिडफील्डर जावी साइमन्स घुटने की गंभीर चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं।

टोटेनहैम हॉटस्पर के लिए खेलते हुए जावी साइमन्स को वॉल्वरहैम्प्टन वांडरर्स के खिलाफ मुकाबले में चोट लगी। मैच के 63वें मिनट में वह स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर गए। शुरूआती रिपोर्ट के अनुसार उनके दाहिने घुटने के अग्र क्रूसिएट लिगामेंट में गंभीर चोट आई है।

23 वर्षीय साइमन्स ने सोशल मीडिया पर अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा, कभी-कभी जिंदगी बहुत कठोर लगती है और आज वैसा ही दिन है। मेरा सीजन अचानक खत्म हो गया है और इसे समझना मुश्किल है। मैं बेहद दुखी हूं। मैं सिर्फ अपनी टीम के लिए खेलना चाहता था, लेकिन अब यह मौका मुझसे छिन गया है विश्व कप भी।

जावी साइमन्स को कोच रोनाल्ड कोमान की टीम का अहम खिलाड़ी माना जा रहा था। यह उनका दूसरा विश्व कप होता, इससे पहले उन्होंने 2022 में पदार्पण किया था। वह अब तक 34 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं।

यह चोट टोटेनहैम हॉटस्पर के लिए भी बड़ा झटका है, जो पहले ही इस सीजन में संघर्ष कर रही है। टीम अंक तालिका में निचले पायदान पर है और बाहर होने के खतरे से जूझ रही है।

जावी साइमन्स की चोट न सिर्फ उनके करियर के लिए बल्कि नीदरलैंड्स और टोटेनहैम दोनों के लिए बड़ा नुकसान है। अब टीम को उनके बिना नई रणनीति बनानी होगी।

आईपीएल 2026: अंगकृष रघुवंशी पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुमार्ना, एक डिमेरिट अंक भी मिला

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 38वें मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ खेलते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स के बल्लेबाज और विकेटकीपर अंगकृष रघुवंशी पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है।

रघुवंशी पर उनकी मैच फीस का 20 प्रतिशत जुमार्ना लगाया गया है और साथ ही उनके खाते में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है।

यह कार्रवाई आईपीएल की आचार संहिता के स्तर एक के उल्लंघन के तहत की गई है। रघुवंशी को अनुच्छेद 2.2 का दोषी पाया गया, जो मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण, कपड़ों या मैदान से जुड़े सामान के दुरुपयोग से संबंधित है।

यह घटना पारी के पांचवें ओवर में हुई, जब रघुवंशी को ह्यऑब्सट्रक्टिंग द फिल्डह्न के कारण आउट दिया गया। इसके बाद उन्होंने गुस्से में बल्ले से

भारतीय अंडर-17 महिला टीम एएफसी एशियाई कप के लिए सूझो पहुंची

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

21 साल बाद टूर्नामेंट में वापसी, 2 मई को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहला मुकाबला

भारतीय अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम एएफसी महिला एशियाई कप चीन 2026 में भाग लेने के लिए सोमवार को सूझो पहुंच गई। गुरुग्राम में संक्षिप्त प्रशिक्षण शिविर के बाद टीम चीन के लिए रवाना हुई थी।

भारतीय टीम ने 21 वर्षों बाद इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया है। टीम अपने अभियान की शुरूआत 2 मई को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले से करेगी। इसके बाद 5 मई को जापान और 8 मई को लेबनान से भिड़ेगी। ग्रुप ह्यबीह्न के सभी मैच सूझो ताइहू फुटबॉल खेल केंद्र में खेले जाएंगे।

टूर्नामेंट के प्रारूप के अनुसार प्रत्येक समूह की शीर्ष दो टीमें और तीनों समूहों में से दो सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी। वहीं क्वार्टर फाइनल जीतने वाली चार टीमें फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप मोरक्को 2026 के लिए क्वालीफाई करेंगी। इटली की मुख्य कोच पामेला कॉन्टी के मार्गदर्शन में भारतीय टीम ने तीन महीने से अधिक का लंबा प्रशिक्षण शिविर किया, जिसका अधिकांश हिस्सा बेंगलुरु में आयोजित हुआ। अंडर-17 टीम होने के बावजूद भारत ने फरवरी में साफ अंडर-19 महिला चैंपियनशिप का खिताब जीता। मार्च में टीम ने यांगून में म्यांमार के खिलाफ दो मैत्री मैच भी जीते। इस महीने की शुरूआत में टीम ने रूस के सोची में तीन मैत्री मैच खेले, हालांकि सभी मुकाबलों में हार मिली, लेकिन मजबूत टीमों के खिलाफ खेलने का महत्वपूर्ण अनुभव प्राप्त हुआ।

भारतीय टीम

गोलकीपर: मुन्नी, सूरजमुनी कुमारी, ताम्फासना देवी कोंजेंगबाम।

डिफेंडर: अभिस्ता बस्नेट, अलेना देवी सारंगथेम, अलीशा लिंगदोह, दिव्यानी लिंडा, एलिजाबेथ लकड़ा, जॉयशिनी चानू हुइद्रोम, रितु बड़ाइक, तानिया देवी टोनाम्बाम।

मिडफील्डर: अल्वा देवी सेनजाम, बोनिफिलिया शुल्लाई, जुलान नोंगमैथम, ओलिविया चानू निंगथौजाम, प्रीतिका बर्मन, रेडिमा देवी चिंगखमायुम, थंडामोनी बास्के

फॉरवर्ड: अनुष्का कुमारी, अन्विता रघुरामन, जोया, पर्ल फर्नांडीस, वलैना फर्नांडीस

कोचिंग स्टाफ

मुख्य कोच: पामेला कॉन्टी

सहायक कोच: विनचेंजो कॉन्टी, निवेथा रामदोस

गोलकीपिंग कोच: मारियो अगुइआर

फिटनेस कोच: अमित यादव

भारत का कार्यक्रम

2 मई, शाम 5 बजे: ऑस्ट्रेलिया बनाम भारत।

5 मई, शाम 5 बजे: भारत बनाम जापान।

8 मई, दोपहर 1 बजे: भारत बनाम लेबनान।

करियर को बेहतर बनाने के लिए कुछ टिप्स

एक इन्वेस्टमेंट बैंकर ने कहा, हम ऐसे अनिश्चित माहौल में काम कर रहे हैं कि मैं कोई ऐसा कारण नहीं देखता कि किसी कंपनी में काम करने के सपने देखूं। यह साल 2008 की मंदी से ठीक पहले की बात थी जब बैंकर लीमैन ब्रदर्स को ड्रीम कंपनी मान रहा था। पिछले 10 सालों में जॉब मार्केट में बहुत बड़े बदलाव हुए हैं। आप कह सकते हैं कि इसमें लोगों का करियर ग्राफ रोलर कोस्टर की तरह रहा है। जॉब सिक्योरिटी, हर साल प्रमोशन और वेतन वृद्धि अब पुरानी बातें हो चुकी हैं। अर्थव्यवस्था की कमजोरी के दौर में जॉब मार्केट में भी अनिश्चितता एक अपरिहार्य स्थिति हो चुकी है। इसका मतलब यह है कि अब करियर पर बाहरी कारकों का अधिक असर पड़ता है, बजाय आपके सपने और महत्वाकांक्षा के। ऑटोमेशन की वजह से भी एम्प्लॉयी और संस्थान को तेजी से कदमताल करने में मुश्किलें आ रही हैं।

हम आपको बता रहे हैं करियर प्लान करने के टिप्स

मौजूदा जॉब प्रोफाइल का आंकलन करें

करियर गोल सेट करने के लिए जरूरी है कि आप मौजूदा जॉब प्रोफाइल का आंकलन करें। जब आप किसी फाइनेंशियल प्लानर के पास जाते हैं तो वह सबसे पहले आपके वित्तीय लक्ष्य के बारे में जानना चाहता है। इसी तर्ज पर आप अपने मौजूदा रोल और उसके भविष्य पर विचार करें। आपकी कंपनी जरूर तिमाही या छमाही समीक्षा करती होगी, आप अपने लिए चुनौतियों की जल्द-जल्द समीक्षा करें।

सीखें और कुशलता बढ़ाएं

जॉब मार्केट की अस्थिरता और वर्क प्लेस की लगातार बदलती परिस्थितियों के हिसाब से नई कुशलता सीखना करियर प्लानिंग का सबसे महत्वपूर्ण अंग है। अब करियर में जीवन भर आपको कुछ ना कुछ सीखना पड़ता है। ऑनलाइन एजुकेशन की मदद से आप यह काम बहुत आसानी से कर सकते हैं। अगर आप हफ्ते पांच-छह घंटे का समय निकालकर आपने काम के हिसाब से आधुनिक कुशलता सीख सकें तो आप अपनी जॉब जाने के जोखिम को बहुत आसानी से पीछे छोड़ सकते हैं। आसानी से नई चीजें सीखने की आपकी क्षमता भी आपको जॉब मार्केट में बनाये रखने में मददगार साबित होती है।

भारत में कम लागत के ये बिजनेस देते हैं अच्छा मुनाफा

फूड रिलेटेड बिजनेस-

फ़ूड मनुष्य की 3 बेसिक नीड्स में से एक है। इसलिए इस फील्ड में खाने-पीने के आइटम्स की मांग हमेशा बनी ही रहती है। आप कम पैसे से कैटरिंग - लंच/ डिनर, फ़ूड कार्ट, फ़ूड डिलीवरी, फ़ास्ट फ़ूड शॉप, बेकरी शॉप, आइसक्रीम स्टैंड/ पार्लर, टी/ कॉफ़ी शॉप, फ्रूट जूस कॉर्नर, मिनरल वाटर सप्लाई, ब्रेकफास्ट शॉप, फ़ूड वैन्स से 'रेडी टू ईट' फ़ूड सप्लाई जैसा कोई मनचाहा बिजनेस कर सकते हैं।

उबेर/ ओला में ड्राइविंग-

अगर आपको ड्राइविंग आती है और आपके पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस है और आपके पास अपनी कार, वैन है तो आप इंटरनेशनल ब्रांड उबेर या ओला के साथ टाई-अप करके पार्ट-टाइम या फुल-टाइम ड्राइविंग का काम कर सकते हैं। आप उबेर में टैक्सी ड्राईवर के तौर पर भी जॉब कर सकते हैं।

प्रिंटिंग एंड फोटो कॉपी शॉप-

आप यह बिजनेस केवल 5 हजार रुपयों से शुरू कर सकते हैं और काम शुरू करने के लिए किसी लोकल बैंक से लोन ले सकते हैं। आजकल बाज़ार में रु। 2 हजार से लेकर रु। 5 लाख और उससे अधिक रेट की प्रिंटिंग मशीन्स उपलब्ध हैं। इसी तरह, रु। 10 हजार से रु। 4 लाख तक फोटो कॉपियर मशीन्स बाज़ार में उपलब्ध हैं। आप अपने बजट और जरूरत के मुताबिक इन मशीन्स को खरीद सकते हैं।

नई कुशलता सीखें

अनुभव लें

जब आप नई कुशलता सीखते हैं तो उन्हें लागू करने के मौके तलाशें। अपने संस्थान में भावी प्रोजेक्ट में काम करने की संभावना तलाशें और उसमें अपनी कुशलता का प्रयोग करें। उदाहरण के लिए डिजिटल अवरोध से हर कंपनी जूझ रही है और इससे निपटने के लिए टीम बना रही हैं। इस तरह के प्रोजेक्ट पर काम करना बहुत महत्वपूर्ण हो सकता है क्योंकि कंपनी आपको इसमें हर संभव मदद करती है।

निर्देश लें

आपका प्रदर्शन सुधारने में आपके संरक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। अगर आप लीडर के संपर्क में रहेंगे, जिस पद पर पहुंचना आपका लक्ष्य है, तो सबसे बेहतर यह है कि उसी से ट्रेनिंग लें।उम्र, अनुभव आदि से प्रभावित ना हों और जिससे सीखने का मौका मिले, उससे कुछ ना कुछ सीखें।

नई तकनीक सीखने के लिए आपकी टीम का सबसे छोटा सदस्य भी सबसे अच्छा टीचर हो सकता है।अगर आपका संस्थान मेंटरिंग पाने के मौके दे रहा है तो यह सबसे अच्छा विकल्प है। आप इसकी मदद से अपने करियर की गाडी की रफ़्तार तेज कर सकते हैं। करियर के लक्ष्य पूरा नहीं होने की स्थिति में विकल्प भी तैयार रखें। अवांछित स्थितियों का मुकाबला करने के लिए तैयारी रखने से आपको झटके कम लगेंगे। इसके लिए प्लान बनाने से आपका करियर बिगड़ने की स्थिति में भी आप ज्यादा दुखी नहीं होंगे।

प्लम्बर बनने के लिए टॉप कोर्सेज और इंस्टीट्यूट्स

- स्वामी विवेकानंद इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर, पटियाला
- इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीटयूट, गोधरा (गोधरा)
- रेवा यूनिवर्सिटी, फैकल्टी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, बैंगलोर
- तमिलनाडु एडवांस्ड टेक्निकल ट्रेनिंग इंस्टीटयूट, तमिलनाडु
- नीलकंठ ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशन्स इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, मेरठ
- इंस्टीटयूट ऑफ़ इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग, ठाणे, महाराष्ट्र
- महात्मा ज्योति राव फूले यूनिवर्सिटी, जयपुर
- साधना इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीटयूट, खुर्द
- भारतीय स्किल डेवलपमेंट यूनिवर्सिटी, जयपुर
- भगवती देवी प्राइवेट इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, झांसी

भारत में प्लम्बर की सैलरी

हमारे देश में किसी ट्रेंड प्लम्बर को शुरू में एवरेज 20 - 25 हजार रुपये मासिक मिलते हैं. कुछ वर्षों के अनुभव के बाद इन पेशेवरों की सैलरी बढ़ जाती है. प्लम्बर हरेक होम विजिट के लिए अपने लेबर चार्जेज भी लेते हैं. अगर ये ट्रेंड और क्वालिफाइड प्लम्बर अपना काम शुरू करें तो इनकी कमाई काफी अच्छी हो जाती है

डीएवी यमुनानगर से छात्राओं व संकाय सदस्यों का दल नेचर कैंप थापली प्रकृति शिविर पहुँचा

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

डीएवी यमुनानगर से छात्राओं तथा संकाय सदस्यों का दल आज नेचर कैंप थापली पहुँचा। सभी छात्राओं ने प्रकृति के सुंदर वातावरण का आनंद लिया।

इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को प्रकृति के निकट लाना, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें व्यावहारिक शिक्षा प्रदान करना है। इस विशेष कार्यक्रम को लेकर छात्राओं में पहले से ही काफी उत्साह देखा गया। प्रातः सभी प्रतिभागी निर्धारित समय पर रवाना हुए और सुरक्षित रूप से शिविर स्थल पर पहुँचे।

शिविर पहुँचने पर अधिकारियों ने सभी का स्वागत किया तथा उन्हें शिविर की गतिविधियों, नियमों और सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देश दिए। इसके बाद छात्राओं को उनके आवास स्थलों पर ठहराया गया। चारों ओर फैली हरियाली, स्वच्छ वातावरण, ऊँचे वृक्षों और पक्षियों की मधुर ध्वनि ने सभी का मन मोह लिया। छात्राओं ने इस प्राकृतिक वातावरण को अत्यंत आनंददायक और प्रेरणादायक बताया।

इस अवसर पर यूथ वेलफेयर कोऑर्डिनेटर ने कहा कि ऐसी यात्राएँ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ विद्यार्थियों को जीवन के व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त होने चाहिए। प्रकृति शिविर विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना का विकास करता है।

शिविर के दौरान छात्राओं के लिए ट्रैकिंग, प्रकृति भ्रमण, वृक्षों एवं वनस्पतियों की पहचान, समूह चर्चा तथा सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इन कार्यक्रमों के माध्यम से छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण, जल बचत, स्वच्छता तथा प्राकृतिक संसाधनों के महत्व के बारे में जागरूक किया जाएगा। साहसिक गतिविधियाँ छात्राओं में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार करेंगी।

छात्राओं ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह शिविर उनके लिए नया अनुभव लेकर आया है और वे यहाँ से बहुत कुछ सीखकर लौटेंगी। सभी प्रतिभागी पूरे उत्साह के साथ आगामी गतिविधियों में भाग लेने के लिए तैयार दिखाई दिए। यह यात्रा छात्राओं के व्यक्तित्व विकास, ज्ञानवृद्धि और प्रकृति प्रेम को बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगी।

उपायुक्त सतपाल शर्मा का सख्त रुख: पंचकूला में पेयजल समस्या पर दो दिन में मांगी रिपोर्ट

उपायुक्त सतपाल शर्मा ने समाधान शिविर में सुनीं जिलावासियों की समस्याएं

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने समाधान शिविर के दौरान गांव बीड घग्गर के निवासियों द्वारा उठाई गई पेयजल समस्या का गंभीरता से संज्ञान लिया। उन्होंने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के संबंधित अधिकारी को मौके का निरीक्षण कर दो दिन के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित समाधान शिविर में जिलावासियों की समस्याएं सुन रहे थे। बीड घग्गर के निवासियों ने बताया कि उनके मोहल्ले के लगभग 15 घरों में लंबे समय से पेयजल की समस्या बनी हुई है। उन्होंने अलग जोन बनाने की मांग रखी, ताकि समस्या का स्थायी समाधान हो सके। इस पर उपायुक्त ने संबंधित अधिकारी को स्वयं मौके का

दौरा कर वास्तविक स्थिति का आकलन करने और दो दिन में रिपोर्ट देने के निर्देश दिए।

इसी प्रकार, हिमशिखा कॉलोनी, पिंजौर के निवासियों ने मकान नंबर 261 से काली माता मंदिर तक गली निर्माण कार्य लंबित होने की शिकायत की। उन्होंने बताया कि इससे बुजुर्गों और स्कूली बच्चों को काफी परेशानी हो रही है। उपायुक्त ने इस मामले में संबंधित एसडीएम को जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। एक अन्य शिकायत में सेक्टर-20, पंचकूला की एक सोसायटी के निवासियों ने अपनी शिकायत में बताया कि पूरा भुगतान करने के बावजूद डेवलपर ने आवश्यक नागरिक सुविधाएं उपलब्ध नहीं करवाई हैं, और जो सुविधाएं हैं वे भी कार्यशील नहीं हैं। उपायुक्त ने इस पर जिला नगर योजनाकार और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी को 10 दिन के भीतर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने कहा कि समाधान शिविर आमजन की समस्याओं के समाधान का एक प्रभावी मंच है। लोगों को विभिन्न कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़ें, इसके लिए हर सोमवार और वीरवार को प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक इन शिविरों का आयोजन किया जाता है, जिसमें सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहते हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविर में प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निपटारा सुनिश्चित किया जाए और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इस अवसर पर एसडीएम चंद्रकांत कटारिया, नगराधीश जागृति सहित जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, लोक निर्माण विभाग, एचएसवीपी, पीएमडीए, पुलिस, स्वास्थ्य, सिंचाई, नगर निगम और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

एनडीडीवाई डिप्लोमा धारकों के लिए दीक्षांत उत्सव का आयोजन खालसा कॉलेज मोहाली में हुआ

सिटी दर्पण संवाददाता
मोहाली

आरोग्य विद्या एंड नेचुरोपैथी इंस्टीट्यूट, मोहाली ने अपने चेयरमैन डॉ. एम. पी. डोगरा के कुशल नेतृत्व में एनडीडीवाई डिप्लोमा धारकों के लिए खालसा कॉलेज, मोहाली में सफलतापूर्वक दीक्षांत उत्सव (कन्वोकेशन समारोह) का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य सेवा और जनसेवा के विभिन्न क्षेत्रों से प्रतिष्ठित अतिथियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। मुख्य अतिथि श्री राम गोपाल, डीएसपी, चंडीगढ़ पुलिस ने सभा को संबोधित करते हुए स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने में योग और प्राकृतिक चिकित्सा के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि ये पारंपरिक पद्धतियां तनाव को कम करने और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

विशिष्ट अतिथि डॉ. सचिन गुप्ता, डायरेक्टर (ऑन्कोलॉजी), मैक्स हॉस्पिटल ने कैंसर और अन्य दीर्घकालिक व गंभीर बीमारियों के उपचार में योग और प्राकृतिक चिकित्सा की भूमिका पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि आधुनिक चिकित्सा और प्राकृतिक उपचार के समन्वित दृष्टिकोण से रोगियों के बेहतर परिणाम और जीवन की गुणवत्ता में सुधार संभव है। गांधी स्मारक प्राकृतिक चिकित्सा समिति, नई दिल्ली के सचिव डॉ. पुनीत मलिक ने प्राकृतिक चिकित्सा और योग के क्षेत्र में बढ़ते करियर अवसरों और भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्नातकों को प्राकृतिक उपचार के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

इस चर्चा को और समृद्ध करते हुए वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. राजीव कपिला ने आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा के बीच समन्वय के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि इन दोनों पद्धतियों के संयुक्त प्रयासों से अधिक प्रभावी और समग्र स्वास्थ्य समाधान संभव हैं। कार्यक्रम का संचालन सुश्री ज्योत्सना सुखीजा द्वारा अत्यंत कुशलता और ऊर्जा के साथ किया गया, जिससे पूरा आयोजन सुचारू रूप से संपन्न हुआ और सभी के लिए प्रेरणादायक बना।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण एनडीडीवाई स्नातकों को डिप्लोमा प्रदान करना रहा। विद्यार्थियों ने इस उपलब्धि पर अत्यंत खुशी और गर्व व्यक्त किया तथा प्राकृतिक चिकित्सा के सिद्धांतों के माध्यम से समाज की सेवा करने का संकल्प लिया। दीक्षांत उत्सव उत्साह और समर्पण के साथ संपन्न हुआ, जिसने योग और प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से समग्र स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के संस्थान के उद्देश्य को पुनः सुदृढ़ किया।

वन विभाग द्वारा पंचकूला के गांवों में चलाया गया वन अग्नि सुरक्षा अभियान

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

वन विभाग, हरियाणा के प्रचार एवं प्रशिक्षण परिमंडल, पंचकूला के अंतर्गत आने वाली अम्बाला रेंज द्वारा आज जिला पंचकूला के विभिन्न गांवों में वनों को आग से बचाने के लिए वन अग्नि सुरक्षा अभियान चलाया गया।

इस अभियान के तहत वन क्षेत्रों के आसपास स्थित गांवों में सार्वजनिक घोषणा (अनाउंसमेंट) के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। ग्रामीणों को वनों को आग से बचाने के उपायों के बारे में जानकारी दी गई तथा वन संरक्षण के प्रति सतर्क रहने की अपील की गई।

इसके अलावा, सभी को सचेत किया गया कि यदि किसी भी व्यक्ति को जंगल या उसके आसपास आग लगने की सूचना मिले तो तुरंत वन विभाग को सूचित करें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके और नुकसान को रोका जा सके।

संक्षिप्त-समाचार

पंजाब के राज्यपाल एवं यूटी चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने दो दिवसीय नई दिल्ली प्रवास के दौरान केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी एवं केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी से शिष्टाचार भेंट कर विभिन्न समसामयिक विषयों पर विचार-विमर्श किया।

मदनलाल पुष्करणा चैरिटेबल ट्रस्ट ने स्कूल में पंखे किए भेंट

पंचकूला। गर्मी के मौसम को देखते हुए छात्रों की सुविधा के लिए मदन लाल पुष्करणा चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से राजकीय प्राथमिक पाठशाला, सेक्टर-4 पंचकूला में छत पर लगाने वाले 06 पंखे भेंट किए। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को गर्मी के मौसम में बेहतर एवं सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराना है, जिससे वे पढ़ाई पर पूरा ध्यान केंद्रित कर सकें। इस अवसर पर ट्रस्ट के उपप्रधान दुर्गेश पुष्करणा, कोषाध्यक्ष नितिन शर्मा, सदस्य राघव एवं दिव्य दीप उपस्थित रहे। साथ ही पाठशाला की प्रिंसिपल भी मीना रोजरा मौजूद रहीं और उन्होंने ट्रस्ट द्वारा किए गए इस नेक व सराहनीय सेवा कार्य के लिए आभार व्यक्त किया। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने बताया कि संस्था समाज सेवा के क्षेत्र में निरंतर कार्यरत है और भविष्य में भी जरूरतमंद स्थानों पर इसी प्रकार के सेवा कार्य करती रहेगी।

चार दशक बाद फिर मिले साथी, स्कूल में सजी यादों की महफिल

चंडीगढ़। राजकीय मॉडल हाई स्कूल, सेक्टर-7 सी में आयोजित पूर्व छात्र मिलन समारोह में चार दशक पुरानी यादें फिर से जीवंत हो उठीं। वर्ष 1982 बैच के पूर्व विद्यार्थियों ने अपने स्वर्णिम स्कूल जीवन को याद करते हुए गुरुजनों का आशीर्वाद लिया और भावनात्मक पलों को साझा किया। समारोह में राकेश सूद, शोभा, सरोज भाटिया, करुणा, सुषमा और जसवंत कौर सहित कई शिक्षकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर पूर्व छात्रों–बलदेव राज, गुरुचरण सिंह, ईश शर्मा, अनिल शर्मा, रंजना नेगी, वजीर सिंह दहिया, नरिंदर पोखरियाल और रिखी राज–ने अपने शिक्षकों के प्रति गहरा सम्मान व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उनकी सफलता के पीछे गुरुजनों के संस्कार, मार्गदर्शन और स्नेह की अहम भूमिका रही है। कार्यक्रम के दौरान कई भावुक क्षण देखने को मिले। वर्षों बाद जब शिक्षक और विद्यार्थी आमने-सामने आए तो किसी ने चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया, तो किसी ने मुस्कुराते हुए पुरानी यादों को ताजा किया। शिक्षकों ने भी अपने विद्यार्थियों को स्नेहपूर्वक गले लगाकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय परिसर में प्रवेश करते ही जैसे समय थम सा गया हो। पुराने सहपाठियों और शिक्षकों से मिलते ही यादों का सिलसिला फिर शुरू हो गया। कई पूर्व छात्र अपने शिक्षकों के सान्निध्य में भावुक नजर आए। इस मौके पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम–गीत, संगीत और मनोरंजक प्रस्तुतियों–ने माहौल को और जीवंत बना दिया। साथ ही वरिष्ठ शिक्षकों को सम्मानित करते हुए उन्हें स्मृति-चिह्न भेंट किए गए। आयोजकों के अनुसार, यह आयोजन केवल पुनर्मिलन नहीं, बल्कि नई पीढ़ी को प्रेरित करने का एक सशक्त मंच भी है, जहां पूर्व छात्र अपने अनुभव साझा कर मार्गदर्शन देते हैं। अंत में सभी ने इस परंपरा को आगे भी जारी रखने का संकल्प लिया और अपने विद्यालय के प्रति अटूट जुड़ाव को दोहराया।

आध्यात्मिकता ही शांति और सुख का एकमात्र मार्ग

सिटी दर्पण संवाददात
चंडीगढ़

जिस प्रकार संसार के नियमों का पालन करने से व्यक्ति दंड से बचता है, उसी प्रकार परमात्मा के बनाए आध्यात्मिक नियमों का पालन करने से मनुष्य जीवन सार्थक हो जाता है। मनुष्य जन्म का मुख्य उद्देश्य परमात्मा की प्राप्ति है और जब यह उद्देश्य पूरा हो जाता है, तब जीवन में वास्तविक सुख, शांति और आनंद का अनुभव होता है, ये उद्गार यहां के स्थानीय प्रचारक डा0 विजय प्रभा ने सेक्टर-30 स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन में आयोजित महिला निरंकारी संत समागम में हजारों की संख्या में उपस्थित श्रद्धालु बहनों एवं संगत को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए।

डा0 प्रभा ने आगे कहा कि आज भौतिक सुविधाओं की उपलब्धि के बावजूद मनुष्य के जीवन में अशांति और असंतोष व्याप्त है क्योंकि वह परमात्मा से दूर हो गया है। वास्तविक शांति केवल आध्यात्मिकता से ही प्राप्त हो सकती है। उन्होंने यह भी बताया कि जब मनुष्य सभी में एक ही परमात्मा को देखता है, तब आपसी प्रेम, भाईचारा और सद्भावना स्वतः विकसित हो जाती है। डॉ. विजय प्रभा ने पारिवारिक जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज भव्य मकान तो बन गए हैं, परंतु घरों में अपनापन और प्रेम की कमी देखी जा रही है। उन्होंने सभी को प्रेरित किया कि रिश्तों में मधुरता बनाए रखने के लिए क्षमा, सहनशीलता और आपसी सम्मान को अपनाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बहनों को विशेष संदेश देते हुए कहा कि वे अपनी पारिवारिक एवं सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए भक्ति मार्ग पर निरंतर अग्रसर रहें। साथ ही उन्होंने आत्ममंथन करने, दूसरों की कमियों के बजाय स्वयं को सुधारने तथा बुजुर्गों का सम्मान करने पर विशेष बल दिया। इस अवसर पर विभिन्न आयु वर्ग की बहनों ने गीत, कविताओं, विचारों एवं लघु प्रस्तुतियों के माध्यम से भक्ति भाव प्रकट करते हुए वातावरण को आध्यात्मिक रंग में रंग दिया। कार्यक्रम के अंत में यहां के जोनल इन्चार्ज श्री ओ0 पी0 निरंकारी, संयोजक श्री नवनीत पाठक, मुखी सैक्टर 45 ऐरिया श्री एन के गुप्ता द्वारा सभी वक्ताओं, प्रतिभागियों एवं उपस्थित संगत का आभार व्यक्त किया गया।

पंचकूला जिले की मंडियों में सुचारू रूप से चल रहा है गेंहू की खरीद और उठान का कार्य

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

जिला में रबी सीजन 2026-27 के दौरान गेंहू की खरीद एवं उठान का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। सरकारी खरीद एजेंसियों द्वारा जिला की मंडियों में से अब तक 34392 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई और 19204 मीट्रिक टन गेंहू का उठान किया गया है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक कार्यालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि सरकारी खरीद एजेंसियों हैफेड और हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोरेशन द्वारा रायपुररानी, बरवाला और पंचकूला स्थित अनाज मंडियों में गेहूं की खरीद की जा रही है। उन्होंने बताया कि रायपुररानी अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 4368 मीट्रिक टन गेंहू और हरियाणा वेयर हाउसिंग कोरपोरेशन द्वारा 12441 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई। इसी प्रकार बरवाला अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 7743 मीट्रिक टन गेंहू और हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोशन द्वारा 8385 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई। इसके अलावा पंचकूला अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 1455 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई। उन्होने बताया कि मंडियों में खरीद के साथ साथ उठान का कार्य भी सुचारू रूप से चल रहा है। रायपुररानी अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 2393 मीट्रिक टन गेंहू और हरियाणा वेयर हाउसिंग कोरपोरेशन द्वारा 5263 मीट्रिक टन गेंहू का उठान किया गया। इसी प्रकार बरवाला अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 5739 मीट्रिक टन गेंहू और हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोशन द्वारा 5206 मीट्रिक टन गेंहू का उठान किया गया। पंचकूला अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 603 मीट्रिक टन गेंहू का उठान किया गया।

दलबदल | **पूर्व डीडीपीओ गुरविंदर सिंह भुटाल ने भी थामा भाजपा का दामन**

पंजाब में भाजपा का बढ़ता दायरा: वरिष्ठ अकाली नेता सराओ अकाली दल (पुनर सुरजीत) छोड़ भगवा दल में हुए शामिल

सिटी दर्पण संवाददात
चंडीगढ़

शिरोमणि अकाली दल (पुनर सुरजीत) को लगातार मिल रहे राजनीतिक झटकों के बीच एक और बड़ा घटनाक्रम सामने आया जब पार्टी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुखवंत सिंह सराओ ने पार्टी से इस्तीफा देकर अपने समर्थकों के साथ औपचारिक रूप से भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली। चंडीगढ़ में आयोजित एक कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष और विधायक अश्वनी कुमार की मौजूदगी में उन्होंने पार्टी जॉइन की। इस अवसर पर पूर्व जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी (डीडीपीओ) गुरविंदर सिंह भुटाल ने भी भाजपा की सदस्यता ली। अकाली परंपरा में पले-बढ़े सराओ का प्रशासनिक अनुभव काफी व्यापक रहा है।

पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला से कानून में स्नातक सराओ ने पंजाब सरकार में संगरूर में अतिरिक्त उपायुक्त (विकास) और पंजाब ग्रामीण विकास एवं पंचायत विभाग में उप निदेशक (पंचायत) के रूप में सेवाएं दीं। उन्होंने 30 सितंबर, 2011 को स्वेच्छा से समयपूर्व सेवानिवृत्ति लेकर सक्रिय राजनीति में प्रवेश करने का फैसला किया। इसके बाद 2012 के पंजाब विधानसभा चुनाव में उन्होंने संगरूर जिले के लहरा विधानसभा क्षेत्र से शिरोमणि अकाली दल के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा जहां उन्हें वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री राजिंदर कौर भट्ठल से 3,345 वोटों के मामूली अंतर से हार का सामना करना पड़ा।सराओ की राजनीतिक यात्रा पूर्व अकाली नेता सुखदेव सिंह ढींडसा के साथ गहराई से जुड़ी रही है। वह लंबे समय से ढींडसा के विश्वस्त सहयोगियों में गिने जाते है। जब ढींडसा ने अलग होकर शिरोमणि अकाली दल (संयुक्त) का गठन किया तब सराओ भी उनके साथ ही खड़े रहे।

बाद में जब ढींडसा के पुत्र और पूर्व कैबिनेट मंत्री परमिंदर सिंह ढींडसा ने सुनाम सीट छोड़कर लहरा से चुनाव लड़ने का निर्णय लिया तब सराओ ने स्वेच्छा से अपनी दावेदारी छोड़ दी। वर्ष 2020 में सराओ ने ढींडसा के साथ ही शिरोमणि अकाली दल (पुनर सुरजीत) में प्रवेश किया और तब से लेकर अब तक पार्टी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष के रूप में कार्यरत थे। सराओ का इस्तीफा अकाली दल (पुनर सुरजीत) के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है जो गठन के बाद से ही अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए संघर्ष कर रहा है और मालवा क्षेत्र में संगठनात्मक मजबूती के लिए सराओ जैसे अनुभवी नेताओं पर निर्भर था। उनका भाजपा में शामिल होना, विशेषकर पूर्व डीडीपीओ के साथ, पंजाब में भाजपा की पकड़ मजबूत करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है, खासकर लहरा विधानसभा क्षेत्र में, जहां पार्टी आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए अपनी मौजूदगी बढ़ाने में जुटी है।

उल्लेखनीय है कि सराओ के बड़े भाई ज्ञानी निरंजन सिंह भुटाल, जो अकाली दल के वरिष्ठ नेता रहे हैं, ने वर्ष 2002 में लहरा विधानसभा क्षेत्र से पार्टी उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था हालांकि वे सफल नहीं हो सके। इसके बाद उन्होंने 2007 में उन्हें स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव मैदान में उतरने का फैसला किया। ज्ञानी की पत्नी, जो सराओ की भाभी हैं, मूनक क्षेत्र से शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की सदस्य के रूप में दो बार निर्वाचित हो चुकी हैं।